

DPN 6997

Title : ऐतिहासिक घटनावली / **AITIHĀSIKA GHATANĀVALĪ**

Run. No. **7722**

Cat. No.

Micro. No.

Subject घटनावली / **Historic &**

Religion : Hindu / Bauddha

ऐतिहासिक घटनावली

Religious Event notes

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 70 x 20

Folios 190

Lines (in a page)

irregular

उत्ति युत्ति मसु

Compl. / Incompl.

द्वय द्वय लघु लघु
घटनावली पूर्ण

5 folios are blank

आपों पत्र

Chapt. / act /

Author / translator

Each of dated event note complete,

Scribe / donor

सुगतदास तुलाधर

Date: NS / SS / VS / KS

839, 878, 889-890,
892, 893, 895, 898, 900-901,
904-906, 910, 911, 913, 916, 917, 919, 920, 921, 930-933,

Ruler / place

Prithvinarayan Sah, Singh Pratap Sah,
Rama Bahadur Sah, Rajendra Khram Sah

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

938, 939, 944, 945, 949, 954, 966, 968.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

*

*

P. T. O.

- ① Thra bahal
- (11) Phusai khara
- (111) Bhathpur,
- (14) Lalitpur
- (14) Nara kora
- (14) Sakodasa etc

Folio numbered folios

(a) Extant folios

1, 2, 17,

(b) 1-6;

(c) 19-22; 27, 28,
23-25;

(d) 1-4;

1,

1-3; 1-5; 4-6

31,

(e) Events noted significant
and worthy to remember —

Denial of Pratap Singh Saha noted as
NS 898 karkic Ky 1.

Miscellaneous folios

6 12,

Most of folios are
non numbered ~~folios~~
seen latter added.

1741 1741 1741 1741: 453
30 folios; 4 folios; 20
1, 5, 3,

scribes up-down
process, 3 folios with
no folio numbers.

(4) Ritual processes noted

(C) Abnormal Event notes of

NS 895, ruling by Pratap Singh Saha
Donating

899, " Rana Bahadur Saha

898, White ants and periparting Swayambhu Dev
895 Pratap Singh Saha's time 1742 appearing in his story.
propitiatory rites conducted.

स्वायु कार्ड / Annexed note card of Running no 7723.

Subject : दार्शनिक - धार्मिक, राजनैतिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक इत्यादि

विशेषण : - Event notes - Religious, Political, Natural, Cultural ritual etc.
Remarks : - Hundreds of various event notes in one manuscript codex.
संज्ञानात्मक धर्म क) श्री ५ पृथ्वीनाथनाथ शाह स्वयं, व यलगा राज्य कब्जा यात्रा,

धार्मिक साहित्यिक
कृतियों धर्म
संस्था
Event notes
of religious &
cultural
programmes

ख) अष्टा: (आष्टा) लूगु; कला मिला मचन इही बेल (विह) मायेरुगु;
ग) पंजादान मायेरुगु; bela nibaha of girls;
घ) घरे दूगु. A cutakarma ritual offering
for Buddhist boys
ङ) वाक्रमन व गोदा मिला दूगु
Illumination of cakramata as godar mata

संस्कृत
दूगु मिला
Construction
Reconstruction
works

च) मपिता दूगु
द) मोहन चोक नूधा: मागा दूगु Renovation of Mohan choka of
Hawman choka Royal palace.
ज) वागमाली ना दूगु A bridge over the river Bagmati.

मात्रा उत्सव -
बले दूगु
उत्पात - रण,
कोदः, दूगु
रिगु;
उत्पात उत्पाना
शास्त्रि कला
दूगु.

झ) मुंझोका (व) मेरा कुला, कोदः व शास्त्रि कला
Matsyendra mata chariot during drum, propitiary ritual conducted at
न) फुलि (व) मा मममैजु सोमा जगा बले दूगु मि नगु
उदीया शास्त्रि दूगु मायेरुगु
A fire accident during chariot festival of Manamajju of
Phusin khayoh as propitiary rite conducted.
ट) हीयः शास्त्रि दूगु मायेरुगु मि नगु
A fire accident in Singhak Sanki ghata.

महामा
विवाद

ड) मं कयं महामा लक्यं कमा: देशिया यक कटकपिं सीगु - मेरुगु
जिह्मे आष्टीन युद्ध नक (मे. सं. ५३०) year duration, hundreds of people
Epidemic of cholera nearly half a year duration, died of cholera.
ड) यलगा वंदेजु अमृतानंद जमलय बाहं कल्ले कचिगः मायेरुगु
A dispute arisen when
वादाविवाद मायां हे बाहं कनां हीयः दूगु
Amritananda bande of
लोत्पर महारत बुद्धि
tales at Jomal Kathman
द) यलगा: व गुगुजुपिनि सिधन विविमिति
In. Even facing controversy and prohibi
tion Amritananda completed narrik
इत्यादि

अष्टा: लूगु
सिधन विविमिति

रा) गुं धार्मिक सांस्कृतिक कृतिया नामनापं कृत्या विविमिति
Rituals alongwith their respective process
in order are described briefly.

विहाय को
जागती

ग) अन्नावाहन, तः से वाहाया | Jhvara bahara as Taktse bahar
accounts in short.

हवामन ओ रं
जात्रा वारे
दूगु जात्रा

घ) फुलि (व) मा मममैजु सोमा जगा मात्रा मायेरुगु
chariot festival of goddess
Some informations about a local chariot festival
of specifically goddess Manamajju of Phusin khayoh.
The manuscript codex

श्री श्री दृष्टाशया
आमले ग्रन्थ

in different handscripts.

स्वायं कीर्ति / Annexed note of ऐतिहासिक घटना वली

Aikikāsika ghatānāvalī

रुन नं०

Run no 7723

1. विषय : धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक, प्राकृतिक, सामाजिक आदि
Subject Religious, Political, Cultural, Natural, and Social etc.

2. विशेषता - इसमें है अनेकलेख हुए सनसिं दीर्घ घटना, दुष्मान, यज्ञ,
Characteristic : Hundreds of various event notes entered in
one and same codex manuscript.

3. भी भी हस्ताक्षर : युवा विमल वामन, हस्ताक्षर (ने ३ - गुलि वामनः,
तुल्य ए गुलि हस्ताक्षर ।

Different handscripts : The MS seems scribed by different
scribes. Some of scribing fine and
clear where - and some others
are too illegible and indistinct
scribing.

4. वर्षा निवार ० शासक राजपुत्र
year of dates and
ruling Kings

ने. सं. ८३९ निसे ९६८ तक का

युवा भी २ युवा राजा शाह, भी २ निसे युवा शाह
भी २ शाह शाह, भी २ शाह शाह शाह आदि

Kup Prithvinarayana Sahi, Singh Pratap
Sahi, Rana Bahadur Sahi, Rajendra Vikram
Sahi etc.

5. घटना वली में है वर्षा वली वली
the years of event notes

N. S. 839, 878, 889 - 890, 892, 893, 895,
898, 900, 901, 904 - 906, 910, 911, 913,
916, 917, 919, 920, 921, 930 - 933,
938, 939, 944 - 945, 949, 954, 966, 968.

6. नाम वाम
Places

जवा बहा, फुसिमि, रवप, मल, कुवाकोर, सको देहा आदि
Jhva baha, phusimkhere, Khvapa (Bhaktapur), yala
Lalitpur, Navakota, Sakodes (Sankhu) etc.

ਵਿਸੇਸ਼ ਦਾ ਨਾ

ਅੰਕ ੧੧
੩੧ ਕਰਾ ਲੇਖ ਮਿਲੇ

श्री वा ३ उदि ३ विषु दि ३ आदि स० ६०

(सुनेषां वनवाने जात) नयाने प्रकृतिना ॥

॥ अथ गुरु विधि गत्वा स्नानं भक्त्युत्तमं ॥

मानदाल सुमल दालका संकलन
व्याशा सफू कथिप्रात उन्हार ।

मानस्य सुगत भासना संकलनं
मुद्रा सप्त दुःखाव उपहारः

15

10

5

0

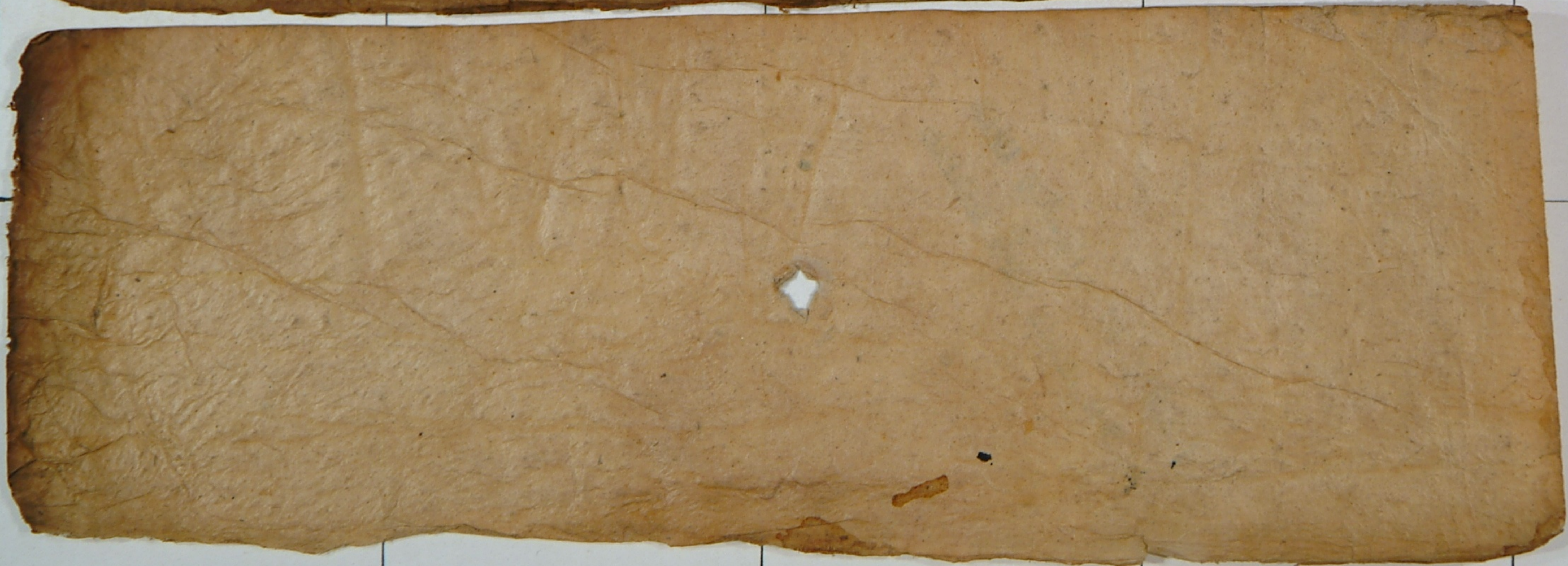
5

10

15

20

25



मानससुखं भवति नान्यथा उपहारः ।
आशा वक्तुं-कुम्भित उपहारः ।

मानससुखं भवति नान्यथा उपहारः ।
आशा वक्तुं-कुम्भित उपहारः ।

१ गायक २
१ गायकाना यस्मिन्नुत्तरिका
१ स्वानन्दयकैरुका
१ सिद्धास्वाकल १
१ कोखाङ्गोय १०
१ सेवय् नागयथ व्याहा

१ होस्मिका ३२
१ सिक्कथ १
१ कृत्तसूका पसका
१ ग्वलकाव माका
१ सद्यधउपा १८

१ होविथ १
१ ऊडवधिसुर्धउवधि
१ व्यालेप्रमसि नसि
१ उक्केयां पंचपकूअ
१ ग्वयव १८
१ ग्वार २
१ सकिनादका

१ ध्वयलुगुलि १०८
१ खदूंगा १०८
१ मा००ंगा १०८
१ ऊईकाव १०८
१ सिन्धुयगु पंचगन्ध
१ धल कस्मि साख
१ सादद आदकि
१ लेवि पज्ञाभीगु १७
१ ओसखदिक् १७
१ कनसग
१ कनसकु
१ विदिगा ३२
१ अदउभापा १०
१ दमाका पंचपनाय ३०
१ खासिवउ वाभाखा
१ कर्णपना अंगमा
१ सेसा नग मायमा
१ खपमव गिरिकधमिनी
१ पंचपला वडयु ककिअ
१ खांकाया दंगुय ७

१ मोसमना ८
 १ पनमायमना २
 १ सुयवी
 १ हलमना २
 १ विमर्क
 १ चाकुण १
 १ चाकुमधिना २०
 १ म्हापा १२
 १ धील साख
 १ म्हावडिमना ११
 १ पालकल २
 १ कणुमना २
 १ रुसिग २
 १ सिक ४
 १ लफपा २००
 १ यला पासिपि
 १ हिडी मल वावि
 १ स्विमना ३
 १ विकक २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ४०
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ८
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय २
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ८
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ४
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ८
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय १
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ७
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय २
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय २०
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय २
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय १
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ७

वा नमो भगवते वासुदेवाय १०० नमो भगवते वासुदेवाय १०० नमो भगवते वासुदेवाय १००
पंजा रुया, धवहिनी अनमजिअ, यवमात्रीया तयन, नाय, कहुनी
या, यात, वादान, मानक, अया, कनातन यात ॥ हृपा, नधनिद
अ, अंक, स्रसंदअ, वृणनदअ, कयकन, धनि, समुद्रतद, यम
स्वन, आसन, नैन, काअगया, यो, प्रयाका, संगया, अ, पैजा रुया,
द्योगदू, ॥ सं ६६२ धनुदन, कायात, वात, काअ, धवहिनी, सं, अनयात
अ, कान, धवहिनी, सं, नात्रिदअ, या, जामथन, धमया, अ, धमजो, या, दा, अ, या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

७

सम्वत् १८८२ लाङ्गुकुकादसि धादिनकूक भद्रसप्तमी पृथिवीनामा
 यानशुक्रवाहविक्रकदिन ॥ ॥ सम्वत् १८८० कार्तिक शुद्धि ११
 स स्वापदसप्तमि जित्वा जयपुका गजेन न सिं ध्वजकुरु मा
 नये यादा उ यज्ञ स्वसभा स यती धानया निदान स्यादा उ
 धी पृथिवीनालायन रुद्र वाहा वि क्रादिन रुद्रा ॥

७

सम्वत् १८८० अमनया कृत्ति स्रिया धनया नादा नादयका अमनयना
 सम्वत् १८८० काकोवाला नया का कदय अरु द दयका अमनयना
 ७७७ ३ पयधनयना

७

वावोनया यत्रिखदडा दवामना के मूनयुगा स पितृष्टोत्रा सैका सै विद्या म
 ए वरी ज्ञानन कनमन अता ३ विनामलि त्रुईता ग वलुगमभ धूमाना गो श्रुति धूनका उ या नवा सवव
 नी कमा मधुन धनया या गद सयति मता यो लासा साय सिद्धवान मकर मात नउ लाय ता न निहाय
 खानका काय मूख उद्व ॥ सति कूक थकून रुया त खानत नउ नु चित स्थात गवन वर मधिता ८
 धधो १ धति नउ दा दामपे दा तय ममान दत सदन के गति वा दानया लासि धनया
 मनुअ ॥ ॥ वसि जगत मनि दृष्टयति जितवन नसि धनका धायन रुद्रि सऊ ज नवन ला १ धनि
 नर्थ वन सध का पक ॥ ॥ वसि धनी सधन मता पूजा ०० ला दि धा ॥ ॥ धनया नया नया

5

10

15

20

25

ॐ सन्वत् १८८२ माघाद कृष्ण तृतीयादि कृष्ण धनवाहनया वृहस्प
 तिदश्या जन्मान् धनवाहनया कनमि उयुद्धान् गनवस पाश
 याक निवधनान् कमा नेदअ ज्वान वाहनया माता रं आदा अ
 पूजादय कनडाना मूनधनया धनकावाहनया जयविन सभ
 थादा अ द्येयवा विकिषि सिद्धन आसनकनत्र काअतन मूनधन
 पाया कसवीद कथनपा समूद सडन पथर गङ्ग विनकन धा त अया
 कनातयात जाकि पुर्द २ विद्या वाकि कुं मा विद्या

सन्वत् १८८३ माघ शुक्ल १२ काक्षया जिअ सिद्धया धनवानाही
 सिवाधनकाया दइस गुवाहन कावाहनया विकिषि
 धुवा वेगा समूद रुड मान गुत्रिस सिधन वाताअन ॥
 सन्वत् १८८३ स सिधन गुवाहा न वेगा जिनवनया काया ॥ स
 मन्त्र जिनवनया काया विययात रुया गुत्रि वेगा नि समन्त्र या
 न वियकर ॥ कृण

समस्त ६० आषाढ शुक्ल २ थ वरहिया गधुनिदव थाव
 नाया दादि ॥ ॥ समस्त ६० लव व कृष्ण द्वितीया ध कृष्ण
 श्रीराम नमस्क स्ववदता नस द्या नरया ॥ धया ॥
 निक कसुमदिश श्रीगामि पुका समशंरु सामागी सा
 नक विश्व भक्तिक या का ॥ धया रागीस नया विनयम म
 बिका ॥ ॥ समस्त ६० शुक कृष्ण १० कृष्ण श्रीराम नमस्क
 थ ख दून हि कृति होस ॥ धया भुक्ति य दू मदिश श्रीगय

समस्त ६० शुक कृष्ण अमसिपु प्रदिपया नृगति ननर
 उ २५ आग आदित वा न धदिन कृष्ण प्या न नया ला शय
 दया आमस खा दग या या सिनारु नि ज रुया दादि या
 गमद श्री भना ॥ कि सनि ॥ अ सम भना ॥ ला शय ॥ ६० स
 वित का ॥ ॥ वसिया थका दि मवा द मुवा हा समुद्र रु उषा
 या हा धज उ माण या न पने विन्न २ उवा हा

0

15

10

5

0

5

10

15

20

25

[Faint, mostly illegible handwritten text on a yellowed, torn piece of paper.]

सर्वगुरु २३ वेगुदि १४ रुमिकन स मनामयराया जाजा स मूर्क पूयक धूनका
जा नायपूजा ह्मा हाडा दमनविहाडा हाडा थदा द्वातर्थव न स क्रखा ३ स त्वामि
दन काथ आन स अयनियाखा १ मासिन्नाखा १ हागीयाखा १ थरथनिद
हाडा मिकन धूनकाडा वाकिनाया पूजाक ह्मा हा दमयात्र हागी धून
सिं थरथ विघ्न उप्रदव शयाडा ॥ २२ दक ॥ ॥ स २३ वेगुसखगुक्रयव
मि अडानकन अंगवान थकक रुमिकन स दमकनक स मयय सकन जा हाडा
दमवनिदिया ॥ गुवाहा काथ वाहनया वनपू वना ज्वानवाहनया स म

रुमिकन स मनामयराया जाजा स मूर्क पूयक धूनका
जा नायपूजा ह्मा हाडा दमनविहाडा हाडा थदा द्वातर्थव न स क्रखा ३ स त्वामि
दन काथ आन स अयनियाखा १ मासिन्नाखा १ हागीयाखा १ थरथनिद
हाडा मिकन धूनकाडा वाकिनाया पूजाक ह्मा हा दमयात्र हागी धून
सिं थरथ विघ्न उप्रदव शयाडा ॥ २२ दक ॥ ॥ स २३ वेगुसखगुक्रयव
मि अडानकन अंगवान थकक रुमिकन स दमकनक स मयय सकन जा हाडा
दमवनिदिया ॥ गुवाहा काथ वाहनया वनपू वना ज्वानवाहनया स म

15

10

लउ उवाक्ष धजुतु लउ मूगुवाहनया काय हृदयानंद दानकारं महा मय
 श्याकं पूजाया कं उं गुवाहन नमं ४०० नय स वाहन इ गु कं नय सि उम क न व ता
 म न पूजा महा मय श्या न वाहन इ गु कं नय सि उम क न पूजा दान का उ क गु
 वाहन पूजा या त उ न वलि जा थू य का जा कि रूं ज थय ना या हा ठ क रि ठ १
 या हं क स वा ह न या हा उ न ग म उम न पू या उ रु न क स वलि दू किं दा
 न व १ वलि रु उ न दू किं दा न ह य का या त २४ महा मय श्या त दी रु उ न त या
 म न्ति क म थ व रु ना का न ज रु या हा द उ रु न स त र्थ उ रु न स र्थ क म य

5

दा हृषा वा तं क वा का या उ वलि स त या ॥ ४० न म गु न समा धि कु म पू जा अग्नि हूं य
 न द व पू जा रु न या नि ना सै न ज रु त य उ कि न न ता हा धू न का उ दान वि या ल
 उ ह नि ता न मा रु १ कं स र व रा ग १ थू नि दा न ॥ थ न व रु वि ग ति व लि वि या उ क रु क
 प द या उ का न थ का दिं व लि स र्थ व क्ष ना हा य का हा म द का वा हा उ धू न का
 उ व लि पू जा वा हा न का न रु सि कं १ मा न ता म न क व नि र्थ हा य का धू न
 वा हा न म जा र्थ या हा व लि स द कि मा द २१ द्या या हूं उ ज रु न का स क न क वि
 या स ग न त अग्नि वा द द म क त क र्थ वा क्ष न दू त का स म या व रु स गु वा हा

5

10

15

20

25

नश्यति काष्ठकात्रि दूअपि न दूअत्रयति थूविगनअत्रयान्नकाठा, वा
 किं, दमकतक पिनेतया, कनेयायति यिनं सिधंति तकाउ, दुखि दुधत्रतया स
 कवकाया धूनकाउ, सवाहवि, वलि विवर्जन, वधुविमति वलि द्याया महा
 मयश्यात गद्वियात रउत द्याया, दुं किं दान मूगन सतनु कन द्याया धू २
 नकाउ, दमया नायक पुमत्वं, दु पायेति, नकिन ता हा, दुखां दी १ दन्ति
 मकाया, सकरंदकि म पून तु वाकात्रयात उक कात्र, वतायात म विउ धूनका
 उ, सिनहात्रि स, सिन वत्रिया तु कथनं, महा मयश्याक मका हा तु मूत्र सि

उवाहान त्वउ सिधकादि मला स्या क मका कया मूत्रि उवा म, कति २ ति
 काष्ठकादियार्त, यिका यिकां नि सिन, धूनकाउ, दूअत्र महान, कथनं दु
 सिन २ विन कलं त द्याया, स्नानका काया, मूत्रि तु दु, कुम मूत्रा वा यत्र उवा
 न, जय मूत्रि स दूय कयाया दूअ उवा, वना वा यि कलं विन गं अत्र
 उवा हा, वता वद्वि २ यि हा उ ह या ॥ नू सिधनका, पं वन का या १ या
 हा, म विपत स मा न सा, धय धति स मा या उ या त ना ॥ ॥ मि न उ
 उ, क खखा, दम वलि वि यकं क, यनिं वि य, धूनकाउ, दु सुकतां, सिधय का हना ॥

15

10

5

0

संज्ञायां प्रसिद्धि कथा बलि प्राविश

सचत् ८२ अथैककृष्णमावाहि, अग्निनक्षत्रं मतिधवान्, धदिनकृष्ण, सगुप्तं चन्द्रकक्षदवयाकं, प्रसिद्धि
 र्धं ४२ हितायाउ विष्णुशुभाया, नाजापीयता पशिरुशाहावन सामाग्री विष्णु, भक्तिकपूजायातकन, नाजागुवा
 हानम्भानवाहानया, चतुपति, उपाध्म, चानवाहानया, मतिदु, कर्माचार्य, शिर्वमगुलिया, नक्षपति, पू
 जाविधि, भक्तिकमथन, वडनाकात्रजहू, गाना, विष्णुकलस, दानसिजवातासहान्, सूर्यविंवल, ३
 लति ३२ कंसवातासधन, आसाविंवल, उहतान, कंसवातासहू, चतुविष्णु, उहतान, स१३ नवातास
 वाहू, गुवधुदान, लनतिह, हसिदान, वाहू, मोह१ तथाउ धतिदान, वलि, वासिवालि, तउग
 रुडातन१ वलि, रुडापात२४ वीनवाहानयात२ चंवन, कापाथ, धतिधपनाधूनकाउ, मजातध्म, लिवायगु
 लमगुल, वलि, रुडापा४ विय, सुयीनाय, व०० नाय, वातवा, होसिहो, यजातन, धकिवा, ४ वाहानह, स१४
 यो॥ समाधि, कनस, सुवन, नागध, मगपूजा, अग्निहो, वन, मन्महति, दवपूजा, दवताहूति॥ धनकाउडा, दानपू
 जा, दानकात्र, पू, र्धवा, ००३ वाहानया, हानन, द, चतुविष्णु, आसाविंवल, गुवधुदान, दक्षि, नावाय, मनि

दयापलिषं, सखंवाहानया, गुयू, सूर्यवन्त्र, हसिदान, धति॥ आहूति, वलि, विय, पंचमनाहामक, वलिपूजा, वा
 हान, रुसिहू१ वाऊपूजा, पूरु, अग्निवदि, चतपूजा, मयश्याक, हाहायकापूजा, रुसपास, सूर्यपा२ सिउमक
 न१पूजा, वाहान, मस१, पवनहनवस, निउमहू, न१पूजा, वाहान, इगुम१, भक्तिपूत्रिस, पंचमनपूजा, गुवाहा
 न, ग्यनकृष्ण, पंचमनहिनका, समयाचक, सान्निध
 यिन, हूपां वलिसम्भानाकृ, रुसियागु, प्रसिन, मूना, त्रिस, दू, सगनचऊ, दउवामानक, सगंभउतय,
 मनादक्षि, नावाय, मपदिमावाय, उकउहनवाय, सवापाथति, हंसयासिन, पूरु, ००३, किम, वाय, कम्मावाय, या
 पयमनाहाकृ, विन॥ इगुया, प्रसिन, सगुगथकादि, वडासि, मनावाय, कसपतउपाध्म, कम्मावाय, भक्ति

5

10

15

20

25

प. से उ या ना क. म ग ज मान या त ध ति ॥ म स वा चि न ज ड मि त्वा स उ या थ का दि स्व ड मि त्वा म ना वा चि त्वा
 क स य न थ ना वि कि ध न क ता हा डी स क न र्मु थ य क त्रि न म वि ता या क क स म क र ड या ता व न ध ति ध न
 का डी क ल क र या म ख सु वि ध न का डी ज रू ष सि स व य क र या ध ति या वि ता या क त डी क वा हा
 र या स म क र ड वा हा सि क या व ल र ड आ वा न कि ना स थ का रि ज ड मान व ल र ड आ वा न
 र या त न व ल वि या डी र न ॥ क र्पा त डी क वा हा न नि स पू जा क र या य या त वा ज न ना य क र त्रि या रू पी
 द ता थ ति वा ज न थ न कं पू जा क र हा ॥ ॥ ध द्वा त ग व र स म नि क या य मा न ना डी ध
 प व ति स हा या डी या य मा न स उ या द्वा त ॥

(संज्ञा)
 म नि यो दा ना डी ॥

स म्भ त र डी वे ग म व क रू स फ मि आ दि ल य वा न ध क रू आ का म ग प रं गु डी या डी
 म ति हा डी पी २ प ता प रि ह म हा ना ज न सा म यी वि र्ण स गु रं ज म न स व र्क थ व हि
 ग ध त्रि व र क्क थ स ति न उ ष र्ण म नि क या क न स ति न ज रू या क स ति न व लि च
 किं दा न व लि र डी पा त र वा न द्वा न म ल मा ना वि वि ध पं च क्ष ना हा य का व लि
 वि या पा थ पं च र का क्ष न ३ मू प न मि ता क्ष न २१ ना रा रू ष ना म क्ष न २१ प
 रू या न मि ता रू द य क्ष न नि क्ष न २१ स ति न उ ति पा थ उ ति कि ना क र्म या क स गु र
 रू ना वा य न डी क थ गु वा हा गु य प ति उ वा क्ष प म र्ण गु वा हा र्क १७ ध ति स गु र
 ज म न व र क्क म ना वा र्थ सि कं म गु त्रि या वि म ल य रा न द उ पा क्ष प म व ति पु

15

10

5

0

पञ्चम
वलि विमाया

पञ्चम
विमाया

मखं गुवाहान मं ८ धति न भूति द व स्के मनायार्थ सि कं मूगु त्रिया रा रु सि उ पा ५
 सि कं मूगु त्रिया न द पाति पाथ के ज्वा न वा हा न या समू ड ह ड प्र म त्व न गु वा हा न मं ८ ध
 ति स्तुति न उ ति कर्म क्रिया पाथ वलि स्तुति न उ ति या हा ग क्रिया न स र्ग पा २ पूजा दिनि
 स र्ग पा २ पूजा थ व हि आ न म स र्ग पा २ पूजा धून का अ समय काय धून का धृत या
 धिता या क त अ क वा हा न या स म क र ड ज ज मान स म क र ड व लिया त वा हा न
 स्तुति न या त म द य क र व ज प १ व लि स द्या त धृत स्तुति न म क्रिया द्या त र्वा
 ॥ ॥ ह न्द ८ २ ७ अ ष्ट गु क्त पू र्ण मी ति ष्ट न क र्ण म् ग वान ध क क्क ए द ग ह म ति हा
 अ जी न प्र क णी य ता प ति ह म हा ग आ न द म स क्त्वा जा कि म ना २ क्ता त का डी द म

७

क स उ हा अ सि न ह नि हा अ सि न म जा त र्थ पू जा थ प ति ला मू र्ण ४ मा हा न
 म् ४ ला अ म् ४ वा ना त म् ४ र्ण क म् ३० स्तु प ति इ ध या त सा क्ता द म म क्ता गु
 गा कि पू गा ह्यु गा कि पा थि ७ व रि कि पा थि ३ थ प कि पा थि ८ ध कि पा थि १२ व रि
 या त गा कि ध ति जा कि म थ म अ का या अ थ म य २ य गु वा हा न या कं ता न व क
 म वि न ह म ॥ ॥ ध क क्क रि उ अ ष्ट क क्क व ड धि ए व न न क र्ण म नि ध वान ध
 क क्क ह न द ह न पि न का ति न म हा व लि वि य क न म हा का न र्ण ल म धि र्ण
 क ह म स ध स्तुति न गु वा हा न न व लि वि य क न ॥ य ष्टि नि लू ति ध ति ति नू

आवाहनं वलि विधायकं वलि वाग्दानं वलि स्त्रियं वडविहातं
 पूजा विधि दत्तं वलि विधायां कुर्ति महाकान्तं पूजा वाग्दानं वाग्दानं
 ति पुनर्वर्त्तं जगुवाहानं ॥ लसधिसं पूजा वाग्दानं वाग्दानं पुनर्वर्त्तं जगुवाहानं ॥
 कलसं पूजा वाग्दानं विमलपुहानं पुनर्वर्त्तं जगुवाहानं धितिया किं
 या कर्म उर्ति वाहानं दत्तं यात वडुर्त्तं वलियात वाहानं रुसिर्त्तं
 १ वलि सं हायका धितिया हाया या हा गुडा उर्ति विधिया हा हा ॥

(सप्तमं ८२३) आवमकुकु नवमि माहिनिनकग पतिव्य वाग्दानं वडु
 भंगुस वसिदवया के दिअयाउ रकु विदु रयाउ ममिकया हा दि ॥
 सामायी मालक पी ३ पुता पसिंद म हा ना ना न विस्व ममिक पूजा यात
 कन ॥ पूजा कर्म पा ना दि का स सायाउ धाउ ध वडु वना का ने उ
 रु यात ममिक वलि दान रु य विस्व वडु विस्व आत्मा विस्व दान
 क्रिया विधि मजात धा हा ना हा न ति के दू हा य का रु स वा स मि बा
 आर्त्त पूजा ववन रं वव मि वा आर्त्त पूजा मनि पू त्रि स मि वा आर्त्त पूजा

॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

धतिवा की मा कर्म या का रा क उ वा ह न ग का प उ वा ह उ म व
ति, वि ता या क, या ह र या, म ह न ति म उ रा, उं ना ह या उ।
हिं सा, व लि सं, रु स वा सं, व क र व र म या क, व द ग वा द
हं ता या ॥ ॥

(सं० २०) ग थं म ग व द सि क र, व लि थं रु या क्ति त स व नि कि
न भी द न, वे ता, वि आ थ, म वा द ॥ ॥

स म्भ ग ट २ ॥ आ मि म क र, व उ सि द क, व रु स्य ति वा न, ध क
प ता प सि द म हा ना ज्ञान, म म न स, क न थ या उ, व नि वी या उ।
पू जा, दू नि व क, ग अ क या, स म क र उ या ग, ना ज्ञान, आ लू वि
या उ ह वा, स म क र उ न, या न वा दा न या, स म उ दा र, दू न क
स ग त व नि या, वि धि इ वा, धी न, द ग इ धी या, पू सा, दू अ मि
ना, धी न, अ न धी या ॥ पू र्वा ॥ पू वा कि २१ म ना जा थ य

स म्भ ग ट २ ॥
प ता प सि द म
पू जा, दू नि व क
या उ ह वा, स म
स ग त व नि या
ना, धी न, अ न

न१ जाभयकाठा लजत प्रा१ न१ न१ ७ म्वात मास सा सत
 गथा द्वात नरा य अ१ पता प्र कर्ष पता प्र राग हा क ज ग हा
 कू कू ज य १ द्या ० स हा प्र २ पन स ह न र्थ ३ मि र्वा कय ना कू १
 भ द्वा या नू क स प त द्वा मा न स हा कू हा न न स ग या प ना
 २० मे ना पू वा कि न जा थ या ड जा का या ड क नू थ या म म न
 स स ग व नी पो २ शू दू स थ पि ग्वे १ द द्वा पा त ना वा हा न ल त कू १

॥ ११८ ॥ ११८ ॥ ११८ ॥ ११८ ॥ ११८ ॥

संस्तुत ७ ले ७ प्र व हा कू कू न व मि त्रा दि नि नू क य म नि य न वा न थ कू
 कू स गु से व सि द व या क दि ड या ड न कू वि नू ड य ड म्मा नि क या
 हा दि हा मा यो मा न कू श्री ३ य मा य सि द म हा ना जा न दि स्त्री
 म्मा नि क य ड या म कू नी पू जा क र्म पा नू जि क ल सा या ड धा
 आ थ व लु ना का न जे ड या म म्मा नि क व लि दान स यो वि नू व ड वि
 नू आ ल दि म्म दान कि या वि वि म गान थ ड ना यो दान नि स्त कू

धति

सायरु सरवास मिवाजान् पूजापवन रुनेव मिवाजान् पूजा भक्ति पूजा
 ममिवाजान् पूजा धतिया कीना कर्म याकात्रा जगु वास्तु नजो
 काथ गुवास्तु गुहापति विना याकया रुनेया मरुतानि रुंदडा
 १० रागुत्राक्षया उदि सा वलिम रुस वामपद रुनेव समयाक १०
 थच्छेन यास नया ॥ गुरु ॥ ॐ ॥ ॥ संवत् ०४ गथा मृग वडुर्दशी
 वहिर्धूरा क्रिस्व सवलि वित्रुणी घनगे वास्तु जवना विद्याक
 मवाक ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

पूजा नाना प्रकाश

(संस्कृत ८८८) भवत्सक जयादासिकूत थवहि त्रिया लक्ष्म मवा मं
 बादान रुपा रुयवकुवा न मं मरुयक काथ वास्तु नया थन
 वा आरु स पूजा भवा विकि विवचा वृद्ध नरु सिद्धिडा थरा
 मरुवसे डसत विद्या रुपा रु यकून ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 पा समूड रुड प्रमरु स कन सन सूर्य उकाडा यजा रुया ॥
 उं निदस सपजा रुय धून काडा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

५४ अथ पूजकथाय ५४

मनिद नदयति दुजयति उयूवा विविधि ॥ दानका उम ३ अथाननद थजुध धम
वक्रसिंहा ३ महाराजा विष्णु का उ दान संकल्पयात विष्णु का विविध पूजा मनिदया
थं वलि सवाहा ३ र वक्रवलि सं सयका पंच मलाहायका वलि पूजा कुरु पूरु १४
कर्तव्य दक्षिण पूजा निरुला उ स मयाचक सवाहति वि सजग वलि
दिगश्चरयति दया वाग्ददा कवयका उ वाजन अतर्क लूमधि सतय कल दू
य धं लि न किल ताहा धति दिन या क्रिया ॥ १॥ रात्रि स महावलि यात नि
वृकया ध्वज्या स रितल मत्र पूजा गु लमउ ल धने उ न् आ गं वा पूजा

मूलाचार्य वा ३ उपाध्याय वा २ पूजाया ३ दूयक न दया विविध पूजा धनका उ सहारा जन
माल लहिय धूनका उ कलख मूलाचार्य यात हाक वक्र १ मागशयति हा मरु मग
लपा १ कति ॥ मजा पूजा मूलाचार्य मजा रति मरु मजान तिना मकत धं यवम नी
तमाल क याद पूजा दगपति सिखं मरु ॥ लिया मर्थ महावलि तडा दन ८९
वद नव १२० इयक पंच मल इयक सग मत धार्जि द उ विविध पूजा महा
वलि विद्या पंच मानी पंच मलाहायका दहा उ विविध वलि पूजा मरु
लथिले कितन अगि बदि दगु पूजय पंच मालाहिय समयाचक दिगर्त

कलसयालखन सकलयागं होला योगनकृत काउ ललयागया हाउ
 सकलं दनमकहाउल दससदनकं ललयाग थकक वरुनिमा चुपदतिर
 तउवाकं उममक ॥ विनाया अउविनि यमा अउमानयसधंश ॥ १७
 ॥ ० ॥ सचतुष्टय अरु ॥ कपूरुमासि अरुनकग आदि
 लवान थकक सुउसवसिदवयाक हिउयाउत्रकविदूशयाउं पूलालिउ
 भाकि पूजा ॥ गी३ महावाज नमवा दून हाहावन सामयामात्रकविल्लं भाकि
 २ विघनकारि कींशर

याकत्र वडुवाकानजरू कावाविककत्रत दानकंसवातास धन आत्माविचउहतानां
 सिजवागास हास सुयविमलूगाना धनिकान वलि बुकिंदान वलिरुआवा ३२ वारु
 नरुसिक्कं वलिसंहायकादुत पंचन कापाथे ३ धुनिके रायाक नाजगु
 वारु उयूरवान उवाक्ष उयूरवानया काय ॥ ॥ हनं उवूनं उमममधका
 उ दूजयातकत्र वसि मलस नवनाग साधनयाहा उल जरूयाहा महामघ
 पाथयाहा क्रियायाक कर्माचार्यनदयति उवाक्ष ज्वानवाहानया समूडरु

15

धवमस मयरायक सुहायका हजा । रुसवाहूडा सिअजीन पूजा वाहीरु
 क्रीपनरुनव मिअजा न पूजा वाहीरुसि म् । माकिरु नि सिअजा न पूजा थूति
 यावितायाक त कवा हावयो या नमन उनादिया उयूवाकिसा नि अजमा
 न महीनायक धर्मनायक ॥ ॥ गन्धपूषिम चूयक शुभ ॥ ॥

॥ ३४५ ॥
 ॥ सानकादि ॥
 ॥ ११ ॥

10

रसह ॥ १२०० पाव उद्वि पूरु मासिकरु उधानवाहाने थानया शात्रावा
 समुद्र

5

रुद्रया काश वद चूकाया
 ॥

(संस्तु २००० लेख उद्वि १३ नागा रुयपकामन्त्र महावाहन नगनया
 मानाह कनात काया अ नायक विस्वाहाडा गया प्राया नम रुद्र काय
 मया उगावपुत्रिस विं ययुक् वरुचूयाडात न ॥ रुडास उयु
 कमसिया सकनसन कोडा वनन चूक रुगा ॥

15

10

कृष्णाल कृष्णपाद न्यायिका

सिन्धुतले० सु सु कु सु १ म न न क उ स क सु उ ग म न प्र व
 न ध्व के दू दू ने वा लो न यो दे वा व ता न, क व पा न द उ यो
 ना स पि का यो दि ॥ ध्वं स ति वू दू न ग कू का क न स
 फा क न मि ना हा क मि ॥ वि नू नू ला तै य हा ॥

सू २० म अ व उ दि उ व दू न उ अ ने का हा न स ज न प ति थ को न
 वि नू यो ज का न उ वि डू वू दू न य म न वा ष न लो न क मी थ हा उ नि

१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०

5

सिन्धुतले० सु सु कु सु १ म न न क उ स क सु उ ग म न प्र व
 ध्व नि स या मा न दू पा व र पा नि या य स थ अ यो न द व उ यो दू
 उ यो यो अ व नि न का उ न या य स थ अ यो पा हा त यो न थ स
 दू वा न का उ व न स उ ल वा ल न मि अ या क थ स ति का वी
 न ज्ञा अ ग थ या य थ का अ यि ना सि न ल सि दि कू सु वं ध्व मि
 दू यो न ज्ञा अ पा थ गु थि दा य क या न दू वा य क थ य म दू ना

अ० नञका उवाच कृपयति या कृष्ण या नञका ॥ नञा लगव
तिष्ठ द्युया गुद कृष्ण द० ५१ कनमि पनमान नञि ली मोहा
एधदा दक ना द्युडा अ सर्गवि से लयना ॥ समक
या वजिपु ना कृ ३ रुसि कृत द्युग न न भगन द्युया
नृमान मं द० ५१ यन वा द० ५१ नली कन धर्षि यन कली
नकडा द्युता ॥ द्युन द्युग ५ ॥

२५ क ५

५५ २

समक ५५ २ ना वलु कृष्ण पकरमि सिह सैयुमि धक कृष्ण एता
खाया सा दू ना पादसे गुस द० ५१ गुवा दान महा गुवा दान न
हान काडा यवन काया १२० या धा चरन या न कृ द० ५१ पृथि
स द० ५१ गुवा कृ ५१ द० ५१ ॥ समवन राजन द्युया न ॥
स ५५ ६ वेष्टु दि ग्रि सि कृष्ण सा सया यन
नमान सजन नञा लगवति थो पावन या न कवा त अञ सजन

धनं तज्जया समुद्रद्वयं विनाया हाउ ॥ थ वरिनिचा
 पनमातास हाउ या थ मयातक पाथया कंठु
 बाहानयातविद्युद क्रिष्ण माटे नं यनद्या उ १२
 मत द्वायकाउ सयना निहाउमा ॥ ॥

15

10

5

(सम्भन्त २०४) आवल पुदि ११ सामवान ध्व कू दू नवा
 हात्र कोवपा नश्च समक विमान दन ध्वनि म न रा
 नाकायाडा मिजियनि निमून नक्षान धकाडा धादि
 नकू दू ज्ञान मया क दिन इना ॥ आवल कू दू न
 उदसि कू दू आडा चिकदिन इना ॥ आवल
 दृष्ट ज्ञान वासि कू दू धवा कू दू न इय क दू सकन
 इना आडा आयाय ध्याय मया ॥ धवाप कू दू नानक
 सि

वनस कू दू न सया क सा इति मया क नाडा वान क न नवा
 दान इशवा या पु म समक विमान द निमून नक्षान
 (सम्भन्त २०४) आवल कू दू वदसि कू दू अयन वदि धइ
 या किन सवति विना ॥ वना समडल ड मवा ड ॥
 सम्भन्त २०४ कानिक पुदि ११ हाकू मय सिकया ॥
 दकिना ॥ उवाहा न भावन वना मवा ड ॥ मया उवा न मया

११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

संभग ले०० अष्टुद्वि वंशुधि यूपाननङ्गणभवा
नद्यदिनकूङ्ग पारुमया लाशुर्व सज्जदिन ॥
(संभग ले०० अष्टुद्वि न इतवादान कवयाननङ्ग
दकादिन ॥ सं०० अष्टुद्वि र श्रादिनवाना
आंविदादिन ॥ (संभग ले०० अष्टुद्वि १ दवावे
तानरुपु यानदया थनया समुदरुदन नो सयिका

यादिं मूनन कृष्ण अनिघ्नवान् ॥

२०

अवहिर्यो मि पाथुगुधि ॥ या पात्र वा विद्या सम्प्रत ॥
थुगुनि द थक्क नरुहि हृदय धनि ॥ क ० वा नयो रस
ता न्या कय हृदया नन्द निम स या न को दा ॥ थुगु नि द

पंजाबी काव्य कृत्य

(सम्प्रत ॥ अवलोक्य कथा दसि यं गा या नया दा नो रुथ
या काया न रुया त क ० वा न स थ न पा न ल संग ति न ग
थि वा न या रा सि ह ड ला ॥ त ता सि न य पु का न म न
रु ह या प क स नि स थ न पा न य मा न गु नि थं गि न
वि थ न पा म न थ थ न पा म प म या डी त म वा डी
र डी या त वा गा श्री ह स त न गा कि वा श्री ह स ॥

15

10

जिग्रा निमरम थकूनिं वा हा चू या अ द शा अ या गुवा
 ग्रा ह सु हा या अ का ना अनं नि गु क द य का म का या न
 पि हा अ या ॥ ॥ सं म्हा ॥ ॥ २० ॥ मा य गु क य कू मि २२
 ह स न अ गु मु क वा न थ कू ने गा ल वा हा न या दि प कू न
 या क थ म न पा म् ॥ ॥ स म् व य न् स वा रु या म् न थ म न पा उ वा
 अ न् व न् यो स म् उ ए द न् मि रा रु ति य ल् ल या हा अ पा न रु या दि
 स वा रु या

5

क्रोडि न न क स वि अ ना ॥
 ॥

स म् व न् ०१ मा ग मि न् गु क न् म् आ दि वा न थ कू न् गु अ न् व वा हा न् स हा व न् क वि या मि य
 व ना कू न या न् कू सि कू न द म् वृ थ ति ह थ ति कू य वि अ द म् च्च वा र्क कू य क ल् व रु कि न् स वा न्
 का अ वि अ दि ॥ ॥ स ०१ मा ग मि न् गु क ११ मि य व ना कू न् क वि अ न् यो न् च्च र्वा
 च्च कू रु ल् यो य न् न हा अ द म् यो य अ द म् न द हा अ कू म् यो लो रु कि न् यि न् द्वा न् यो न् द व य
 थ म् क न स च्च द य का अ वा न् अ न् व ज्वा व द्दि पि न् दान् च्च कू नि स द म् गं वा हा अ च्च न ॥ ॥
 स ०१ च्च गु क ११ म हा म य श या आ ग या न् नि म कू न् यो अ या न् ख च्च मि य व ना कू नि मा वि
 या अ नि म कू यो नि कू लि या न् थं स ति कू कू वे न् गु १४ म हा म य श या कि ना म् कू य कू ना

15

10

महाभयपूजा यागमहाभाष्य

यष्टजायाकृत्या क्रिया मजातथा धूनकाइरा ॥ सतिरुद्र पूजितिया नागीस जागयात
 वाजनथातर्क देवयाथम गवसडाहा ध्ववत्रस दडा मविशक लिमत्रस नकिंमदव दृष्ट
 विशाहाडा आरुदयकन जि कसदगम मडात्र जिधनंनान कसमगाड तत्र यातमकात्र धक
 दवन आरुदम पूजितिरुद्र यातमहाडा इरा ॥ निरुद्र पूजक थथा गडा कृत्यात २३
 महायाडा येगकृष्ण पवि पूननरुद्र मनिधवान थकृष्ण यनमान दवान महान थुनिसन विमाइजा
 याहा सद्यपातर्थापिइ वाहनरुसिर्क दयकं पूजायाहाडा विमतियाहा थरधनं देवन द्यू आरु
 मदयक यातमहासंथथांनान ॥ आडागस्थयायपक येगकृष्ण वरुदसि नवतिनरुद्र आदि

5

हवान थकृष्ण गुवाहाइवताइ पुनमान दगायथि खत्रक सकनंमहाडा साइतियाहाडा थक
 कृवाकृत पूजायाहा सद्यपातर्थापिइ दयकं वलिविया वाहनरुसिर्क दयकं पूजायाहा
 डा विमतियाहा यिक्रपमानन समयायक वलस देवदृष्ट विशाहाडा आरुदयकन आडा
 जिडायधून दृपनि हतासवायमगे क्रि न मानगुनियाय दृमिसनसुडा धक थनि
 आरुदयकाडा देवलिरुद्र विशाक ॥ सप्र चधूनका वलिविन च्वाकृदयकाडा विम
 डाकगु मधुलपातासी तयका ॥ वाहनयाथिन वलियागु कधनंकाया ॥ थरधनं देवया
 यातमहाडा ॥ येमगुक्रुया दसिकृष्ण जीइवाजान देवयागु दममसिरी कृष्णवियाइ

15

हस्तिदंडाया हउ म्मनसं वा हाउ हं स्यासि न उवाहा उपाका वता जजमान ॥ दूयुया
 मस्यासि न शासिजकधन उवाहा दककं दवयं म्मं चिनायापनिर्लु इत्युयां मस्यां नि
 काया रुसियासि न कथनं काया कनं विद्याया ॥ रुसिकन उवाहापान काथवाहनयाथ कुरु
 म्मनाश्चर्यं वतापा नृजानवाहनया धज दहडा उपाका समूह रुड पाथक ज्वा ॥ ३
 वाहाया म्मनिह समक जीघन कथवाभया हृदयानन्द विद्यानन्द वृद्धमूनि नत्वा हि गदउ
 नउक उवा रुडयति सहकं ^{येजयानि} ॥ १२ उवाहाइ चिनाया जजमान जताचपत्रिया कथयन
 मान हतया लक्ष्मी नात्रायन ॥ ॥ दमहीज उवसिहायथ स कनस नमा कथ
 याविं चपतितया थ चूत वा सतया ॥

10

२
 से
 मे
 जामनेक
 पोथया
 गका

सचत ॥ ०१ कुरु कुरु पदिवदा म्मननरुण पूडवान थकुरु काममकयाशुस पाथमानं
 यातकन गुहाइ ॥ ०० यंवनकाधन ॥ ०० अत्र महामद्यधन ॥ २२ अत्र वलिषांयं कागध
 न यातकन कुरु कुरु पाथधूनकन सामग्रीमात्रकणी ३ महानाज नवहाइ नसा
 हावनविसे पूजायातकन ॥ म्मनस चउ नाकान जय वलिचूकिं दान वलिह
 उपात ३२ वाहान रुसिक १ लायका शत इउ ॥ १ वलिह ॥ दान सूर्यवीम वड
 विमू आत्माविंद ॥ किनाया म्मनाचर्यत्राज उवाहान शा रुसि उपाका विमलपरा
 कुरु कुरु विमलपरा सिहाउ जयावत्रिष मर्तवाहनया धंयानवलि विन ॥
 वसि म्मनस पाथम्रान कुरु कुरु निसे वसि म्मनस पूजाया हाउ नागया अर्थमेण

5

१ X साइइ धन कलि साख यं वगंधे नाय ककत तखं द्विथं २ X ज्वा न वाहान समउरन मूर्धया
 नै गुया न मूर्धया हा द्विथं २ धून का कू ऊले ऊरू नउ नाग साधन या हा हू ति
 गक रू उअ व रिहा मंख मान कून पोद्ध वनष विअ मका लूष तिथ कद प त म
 हा दाना म जी वाहा का रुष हा मे सि म थ जि म १४ ती र्थ या लख ह या डा व सि
 म न स थ हा डा ना हा पू जा मूर्ध थू ति या कि ना या क रा सि ह या का य थ २१
 कू सि उ पा क ज्वा न वाहान या समउ हउ धव न ह उद ग या प डा र्क न वा म जो
 हा डा ल नू या त से गु वा स डा न व सि म न स थ हा त या ल ख न हा ना डा ल लू या त या
 हा धव न स क न म न रु या डा उ पा क समउ हउ या रु कि न या ऊ मू नि त हा डा म
 ४ X क मा वा व हा इ क इ त्व वा हा डा डा या वा ४

नू डा नाग स थ न २ त य क न दू या जी म य रु या क दू हा का उ वा हा प म ध सि उ पा क
 ज्वा वा न या व ज पा ति रु स सा स सि आ जा र दू डा वा हा म स र्क १ इ उ र्क १ उ वा हा क
 थ क हा न या सू मू ता य न ह न व स सि उ म जा र दू डा वा हा न इ गु र्क १ उ वा हा ज्वा न
 वा हा न या गु म पा ति म कि पू त्र स सि उ म जा र दू डा मू डा या क म र्व वा हा न
 या ल य र व र ॥ थू ति या वि ना य क उ ज मा न थ का दि मू र्ज व ति य न
 मा न रु त या लु कि ना ना य न ॥ न म व क स सि न क न म न रु डा म स या इ
 उ या म द क वि ना या क प न मा न या त थ से गु या दू त वा र्क त या ॥ उ र ॥
 १ स क र

(संज्ञा दशकादः)

यथा नृणां

संज्ञा २०० आचारं मुकु यदियदा यल व स प य म न नृ ग र व
रु स्य ति वान ध दिन कू कू कालि वा रु ना स्ति त श्री उ दि प के न
बु जा स्ति आ न वा न या व जा वा यी श्री स मू द र द प मू द व न मु द
थ वि न स मू र्व य न इ ति या दिन स सेवा द य का र ना ॥ २८
ध दिन कू कू वैया निया के ना त का म म त नृ सि वा हा णा उ दि
॥ संज्ञा २०० आचारं मुकु यदियदा यल व स प य म न नृ ग र व
ना नृ कू न या यु नृ कू हा वा मा नृ कू य का हा या र्क्षी न र्वि त
या द स द य का उ पि ति हा उ ब्रु त दि र्क्षी य न हा उ ॥

यथा नृणां

संज्ञा २०० आचारं मुकु यदियदा यल व स प य म न नृ ग र व
म ति या सं गृ ह स र वा न या ना नृ यु म हा ना य कू वा ल रि स वी क उ य र्क्षी
न उ पा म हा उ या का य क म वा य वि कि धि म्मा का य रु स र वा प जा या क
आ न वा न या स मू द र द प मू द व न मु द
म म वा र या क वैया नृ कू द म ना प व न कू म निया क म ना
न वि अ न स न पी त प जा क वि द्वा र उ खी प र उ ॥ द स द य का उ
प नि वा क क ता या त इ द रु म लु पा ता ॥ म लु कि वि १ द र्क्षी म वि उ
४ व नि कू क स मू द र द ४

(प्रमदिता १ मुक्ति
 (विमता २ सिद्धि
 (प्रतास्तनी ३ वेदय
 (अद्विष्टानि ४ एकद्वि
 (सुदृढया ५ विद्वत्
 (अतिमद्वि ६ नागाव
 (इतगम ७ सुवम्भ
 (अवना ८ भस्व
 (भगवति ९ मनकट
 (यसपद्म १० पद्मनाग
 (मिन्तुलम ११ पृथ्वीनाग
 (कनवति १२ दुर्गदुर्ग
 (सामन्तपुत्रा ३ वेदस्यस्तु
 (संयुक्त १३ वेदस्यस्तु
 (दभमिकु १४ वेदस्यस्तु
 (अष्टसमृद्ध १५ वेदस्यस्तु
 (उन्मत्ताना १६ वेदस्यस्तु
 (मिथिली १७ वेदस्यस्तु
 (यस्यका १८ वेदस्यस्तु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

वमनि

दानसिद्धि वातासदासुसुम्यर्विबलसति ३२ कंसवातासदासुसुम्यर्विबलसति ३२
 डाता १ कंसवातासदासुसुम्यर्विबलसति ३२ कंसवातासदासुसुम्यर्विबलसति ३२
 दानसुत्रतिट १ हसिदान जागवदा १ माह १ तया ३१ थुदान ॥ वसिरवा
 सिवसित १ गवग १ डाता १ वसि १ डायात १ २५ बोखा तयात २५
 तक्राया थ थति थयना धूनका डा मजात थ सिचाय ग १ म १ सु वसि १
 या ५ विय ह्यी नाय वून् नाय दान रवा रु सिहा पूजा ए न थ किचा ५ वा

8

सह

मन्त्रादिद्वयं कथाद्वयं विष्णुमयि वि॥

दानं हस्तैः ॥ १ ॥ दद्यात्तस्मादधिकं न हस्तैः न नागं न पुत्रं ॥ अग्निं दद्यात्तस्मादधिकं न हस्तैः न नागं न पुत्रं ॥
 जपद्वयं कुरु ॥ धूतकांशान् दानं पूजादानं कारयन् ॥ पूषा च यमः ॥ २ ॥ वाहनं याह्वानं नदं
 चतुर्विधं ॥ अस्मा विष्णुः, वसुदेवानं द
 वाहनं याह्वानं कुरु ॥ सूर्या विष्णुः मिता
 धात्राहायकं वसिष्ठं पूजावाहनं दक्षि
 दक्षतपूजा मयः ॥ याह्वानं कारयन् ॥ सिद्धं जपपूजा वाहनं न

۱۹

15

पञ्चांग

५

10

सर्कपवनहेतवत् सिद्धिपूजावादाने इत्येकं पञ्चसात्रपूजा गवाहात ॥
 पञ्चसात्रहितकासमपाचकृष्णनिपूत्रिसयूतिसङ्कसगानचक्रदडावासात्रक सगीध ॥
 नहुकावसिसङ्गदार्दीरु सिमागूससित ॥ मन्त्राचार्यरवसितउपाध्म द्रुसपनकर्मा
 चार्यपूर्वाचार्यधुनादिकिनाचार्यसि यकि ॥ साचार्यडाकुड लत्रचार्यचचाभाधुनि
 हसमासितपूर्वाचार्यदकिनाचार्यकर्माचार्यपापयधात्र ॥ हाकसुवित्रा ॥ दूगेयामसितसंगुधकादि
 रवडासिसूत्राचार्यद्रुसपनउपाध्म कर्माचार्यसनिपूतगायनाकः मजमानमा धनि ॥ मसमासितउडा
 मिरवासंगुमाथकादि रवडासिसूत्राचार्यरुद्रुसपन धुनाचिकिधनकनाडाडासकत्ररु धमकवित्र म
 सर

5

रासिनामधित यत्रातिमसमानमाडायाडा

चिनामाककसतनहड्यानवित्र धुनिभूनकाडाकर्कश्यामासुषसुद्धिधनकाडाडहसुसितसयक
 द्यामाधुमिमाचिनामाकनडाकुवाहातसतनहडवाहासिकमावतहडुआचात्रकित्रासुथकारिजजमा
 नवसहडुआत्रइइयानत्रवात्रविमाहाहत्र ॥ दूयीपडाकुवाहातनिस्यपूजा ॥ दूयययानवाडा
 ननामःकहत्रियाइनिधन धुनिवानैजेधचर्क ॥ पूजाकुडाडा ॥ ॥ धुनकागवत्रसङ्गमि
 कयायसात्रनाडा धुपधनिससपाडा यायसात्र संगुमाडा ॥ सम्वत् ८८३ वैभषकवृषसकसिभ
 दिखवानधकद्रुआकसहावतीसुडायाडासहिडाडा ॥ रुपनावसिहसहात्राजानसासाग्री
 विरसिगुलजसनेत्ररुधवदिगधुनिधवर्क धुनिनिडधुनैभमिकयाकत्ररु

(सम्बन्ध २०४ वेनाय सुद्धि ३ वस्तु विवाह, धदिन कू
क ० वाहनया, नरपू, कुं वै वाहनया, धनपान्यादि ॥
(ग) कय, मद्र ॥ आसर्तनाया, धनीजनमद्र ॥ रुद्धि हाज ॥
दवयावा, अनका न ॥ ॥ धनु निद, दिष ॥
नयात कू लुन, वाहन ॥ मून माहा २ ॥ २ ॥ (न) पु २ ॥ ३ ॥

(सम्बन्ध ०१) आषाढ शुद्ध १ वृद्धवान्, ध्व
दिनकुरे, ननवा दूर, गाजाया, मम, मृदु
आदि ॥ ॥ वेगदयाया, नथ रंगवृत्ति,
धव, कृतिनयाया, रुर्न, सतया, अन
नथ, सकर्तव्यया, रुर्न नथ विद्या, मम, क

म ग म य न पा य ॥ म क

[illegible]

51

समन वलिङ्गुन पिडादिगसं॥ गगनवपुः सिनहरि दवयाकडात नमनसंवाहा
 २. ॥ गुयासुसिन गुवाहासु विमानदया नयुत्तडा मिखा उपाका समुद्रदया
 यात क्रसपत निपा २०॥ का निपु २ दडा प क्रसु ॥ धूना वना धजड हडकात
 म विताय कपन मानयात ॥ धूने ॥ म स्या ऊडा मिखा गुवाहा ॥ तडा मि
 त्वा उपाका यात् ॥ क्रपत निपा नि ॥ ३२ दयका डा दडा विप क्रसु ॥ धू
 ना वतायात म विताया कपन मानयात ॥ क निपु पाथक वगयानि यडा
 वयपू मागा रु नि क्रसु ॥ रु सिया सिन वनिया कथन काया दडा प क्रसु ममान
 रु सिकया गुवाहा पात विमानद वतापा धजड हड उपाका समुद्रदया पय
 कवजपानि ॥ ४३ वात धूतिया ॥ विताया कपन मान कनया सा वात

निरागसिहाडा धपमिनि

10

5

पुका ममल न ममा गी मान क वि स्यां स वरु आता विमू दिन
 सि दान ॥ वगन रु मि दान न वरु रु दान वन्द विमू वि स्या मनि
 ॥ ॥ समुद्रता ६०६ कतिपू क्रिकु ॥ अनया रु रु श्री रा
 कपुका ममल मूलाग रु याव रु ग डाडा सगु स वाकुम
 क ममान महादिप मकु यक ॥ ग्रीहा नात संपना मय
 नकु ॥ श्री रुयपुका समुद्रपुका स ॥ थ थया क ॥ ॥ सवग ६३२ व
 वरु ॥ स नो रुकन वीका थ स मूसमाता ॥ २०० ॥ थमेकदि न

विमूदिन

सक का गवलि विद्या

५५ नृसंह

२२०५ सुखं च उदसि अनिघ्नवान् क्षदिनकृद् ॥

वज्राचार्य समुद्रदत्त भक्तदत्तया विविधिकु गुवानया अस

क्रान्. पुनर्य. सनूथया हाम्नी ॥ १ वाकू श्रीनि ॥ १ धनि नापद्या ॥

श्रीं धनं थया उ। नृगनस नवम

धा० स० अ० वा० थू० रु० न० रु० न० मि० खा० द्धु० दा० या० न० रु० या० डा० द्धु० स० प०

बुद्धा कय नान मेद्वेदा हावू काप नया रुन च्या रुन नया चूप क

जुपे ताप, पञ्चपताप, हाग, हाकू कापकू ३, दा न, रुसम, ग्व ३ रु ५

२९५

天

खव. नर निवेस न्व ३ गय. लि का स. वृ किं दान. जा वि रुं २ गा थ

याअ बुकिंदा नडाअ का नथ क ग द्वा त क त न ला द्वा त द्वा त मास

संज्ञा, श्वेता, नृगंनका, वनिष्ठान, कल, अनस्वान, कला, नैन

गवान्, अनुमाना, कर्तृपताक, पं

कानपुरवृत्तं, वृत्तं, वृत्तिं, न, चन्द्रदण्डप्रतपनिरुविधिः (थं) पूजा

चउदिं भति वनिमानासरुसीयाअवनीविय द्वागहायक

वाहन काव रुसि तप्यन् क्रन प्रतम तर्क नूग न खा ० रुथा ७

वस मदिकं चूकिं दान सं स्थायक ॥ चूकिं दान रवडा स ॥ वनी
 पात उपात ॥ मम मात (थं) पूजा च उवि मति माता मरु न
 द्वा गहायक मथा म मात (थं) पूजा वाहन पूजा तथै ॥
 वनि द्वा दाडा सं उ ए दन कं सम वकु ॥ वनी वि ३
 स र्जन ॥ द्वा पां उपा वनी द्वा या ॥ अनि का न पून स ॥ पद्म स
 वक वय कं द्वा या ॥ उ नि डा चूकिं दान नि म स न क वय कं ॥ म म
 न स त य क न द्वा य वा क स या वा वा ति स ॥ ॥ चू ग वा स गया ॥

पूजा आपन स ग्वन म त प्रात वनि माता स द्वा नी व ग या ॥
 मि पति लु व नि था प ना ॥ उ न म लु न सि भु त जी स मा धि ॥
 ॥ द अ पू जा ॥ मा हा नि न्धु की न नि ना न स कि न न त य ॥
 वि (थं) पू जा ॥ व नि स्था गु वी वा हा न या सि न क थ (थं) ॥
 का य र्ज क र्न ल द्वा य मा न ॥ ॥ स ति कू सि य पू जा जी व ॥

15

सम्बन्धेन पाषकुड् द्वितीया पृथगुक्तं विधिज्ञानं शुक्रा
नश्चदितकूक थकूजाया क्रसमिदददि॥

४

10

२ (सम्बन्धेन नक्षत्रावर्गुद्वि ननिम्बनवान्धकूक थकूजा न
थअनस खातायातनसतया दनमापात २ भूतिवा १. प्याव
उदाता नवका ० या मिभूत विद्या अतन थकूजा सन का अतन
विज्ञान या द अहात जिमीक मडाका व॥ लून पू लूत्रिस इका मया

5

धनपतिता फायेवेदेयुता

सम्बन्धेन नक्षत्रावर्गुद्वि ५ स समकू जतमनि चणपति धर्मिद
याकारे धर्ममअयाअ नअका ० सचाद के धनसिदया चय व
दवृच यात थनपा समउरव याक वितीयात वदवृहाअ विज
वेक विमतिताकडात थनपा मानसमशया हापा पूनपुतान ध
२ सम्बन्धेन नक्षत्रावर्गुद्वि ४ क० बालनया तविधेता नसिदका
विकिषिदवा वृध विधिसि वस्यपतिधुतिस सताथगुतिस समात
महात क पात तेकनसिदया कान च्छया कन मरु आवातगुधिसया व

धनपतिता फायेवेदेयुता

51
विष्णु
 (सम्बत २०८५ माघ शुक्ल १२) विष्णु नयनयादवी, त्रावण न... मि... या... क...
 न... य... दि... या... क... द... वी... हा... ड... आ... द... य... क... न... पी... य... ध... मि... नु... थि... या... जि...
 य... क... न... य... द... आ... ड... य... मा... गु... म... ज... न... का... ड... ना... त... वि... कि... म... न... क... द... वा... म...
 वृ... पू... ग... य... ध... क... नि... ति... या... ड... वा... वि... धि... म... ज... न... सी... मि... ड... थि... का... धी... या... वा...
 ॥०॥ शु... वा... न... द... स... म... ड... र... या... मा... न... य... के... मा... न... द... डा... हा... मा... ध... वृ... ष... या... १२
 स... द... ड... हा... ॥ श्री... हि... वि... न... द... य... द... स... म... ज... म... ग... क... आ... य... क... मि... नु... थि... ॥

51
 (सम्बत २०८५) कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमि, वृहस्पति वा
 न... थ... क... द... आ... मा... ना... वा... मा... र... त... ड... न... वा... हा... न... या... स...
 म... ड... र... ड... न... थ... ड... ड... स... वि... श्र... आ... न... क... स... ति... क... द... र...
 न... ड... ड... या... वे... सु... वा... न... म... त... वृ... ध... क... न...
 (सम्बत २०८५) माघ कृष्ण १२) सिद्धा हा (ग... द... धा... नि... ड... ता... न... २४
 (ध... वा... मा... ह... न... या... ग... ३२) ति... न... धा... नि... या... मा... हा... १०) ति... स... ह... क... म... मा...
 ६३०॥

51

(सम्वत् २०५५ कार्तिक कृष्ण ४ आदित्य वा शुक कृ नव घनया ॥
 स न अति सिक दि ॥ अस्मिका अ म पुन वा क ॥ गन वा २२ वृध
 म व क म अ कृ मृ सि सि न पूजा उ (थं ॥ क स क क न पूजा उ (थं
 म पुन थि न त्वान त न म गा क न स य त य वि त पूजा द कि
 ॥ अ कं २ वि स कृ म म व क वि त क न स पु न अ क य अ सि ग न वा
 स म पु न वा न क म थ न स नि अ द कं त प जा हा अ प क त या अ स सि
 स त य क न कृ य ग न वा त प जा य वा न प क थि थ कृ य पु न त या द
 ग न वा स थ क थ न x

01

51

(सम्वत् २०५५ कार्तिक कृष्ण १३ नक्षत्र गुवा न म प न वा न या क स थ
 ग न द ह अ ह या आ वा न उ थि हि ना पं ता गु थि वा त अ का अ दि
 (सम्वत् २०५५ मार्ग मिर कृष्ण २ स इ ग न व रि त्रि या म म थ न
 म स न ग जा मा न या क प कं गा न न थ क द स त्रि गु वा हा न
 पूजा अ न म द थ क न डं व सि ध न म द थ क उ पा क्षि ता रं ग न का
 अ ग न ॥

0

15

(संवत् २०५) माघे सिलभुक् नुक दसि शुभु नि नङ्गु सा
 मवार धेदिन कूङ्ग पीत्वर्यरुवे सुया वेना वन कूतिनडा
 याडा वाद दिन ॥
 (संवत् २०५) माघे मि नङ्गु सुक्ति उरु हो नगुनि उकुवा
 धनादि तस पीत्वर्यरुवे सुया वेना वन अपना याठान सङ्गफम
 जकया दतन गुवान सिकमु गुदिया लासि विकिधिक अकिध
 म मङ्गक वाकि स मवाठ कि सिवावनक मही माजित मवाठा

10

5

(संवत् २०४) माघ कृष्ण १२ उषा घाट पु भुवलय नङ्गु येतिपा
 भाग वेदवान धक्क भा कि घट सिगन द अरु नि दा वक
 नी मि नङ्गु दि ॥
 (स २०००) भा वृष कृष्ण २ धी कावा हा विन सि नङ्गु वृवा चूङ्ग
 उपति या काय नि सया पा ० गु १० पान मखे वा हो नया सुयु
 ए तज नया कय दे या काय नि सने दङ्ग म कि नङ्गु

सप्तमः ॥ मा वपुत पुपुनिद्रय कृद्वान थमुद्राग
क० वा नया रह पूया बो संतादि ॥ रु ला र स धनी जन
मइ ॥ ॥ ० न पा न्या या ग्न न क च मइ ॥ हा म वा म
त हो हा यी मूया नि ॥ द ज शि न करे मुय इ रे ॥

[illegible]

उया क विता या क वृष्टे त उयु स्वा किमनि यामन धनि क वाजन माय
करि यो धवृत्त धा रंतया ॥ ॥

संवत् २०७ पोष शुक्ल द्वितीया
शामवान धविन कू दू मधिना
म्वर विहि पाया क अहदि
संवत् २०७ मार्गशिर शुक्ल १२ सकया जूम त पतया तिथि
(मार्गशिर शुक्ल ११) अथ र्यया तिथि ॥ १० ॥ पोष शुक्ल २ जिता विद्या तिथि

संवत् २०२ शेष शुक्ल चउथि शानि म्ववान ध कू दू आमम हाडा
सुस म क्रिया हा गुवा हा इ दम ग द क तां चि पाथ योत का साम
प्रमाल क श्री ३ न विर्य यात कन मूर स ऊ म् त्वा सि वलि दान रुअ
विं वल न मि ८१ वंड विं वडा हा ना १ आला विं वडा हा ना १ किना या क ना
कउ हा न हा सि उपा क्ता विअ न द वलि वि ॥ वलि म न स ऊ ल ऊ म्
न अ ना ग सा धने सूर्य म गुल नूत ति १२ वडु म गु ल डा हा मी स ५ की व ना
पा १ किला या क क मा चा र्य दा ति उपा क्ता स्वा ता हा न या ध रं उर उ

वनकाउ वलिगत्रतवा नागपोधमय २ तउ कनहुया मयइया कलि
 उमकन पूजा रुसखा रुहो सि उम कन पूजा वाहन इगु १ मिस १
 वन रेत सि उम कन पूजा वाहन इगु १ मिस १ मिस १
 नया चक्र सिन हति ॥ विनाया क हनया वात्र क हनया अम
 या वृद्ध वन साह ॥ थू क नू व ह नि ति र्थ नडा वी तन उम म
 क वा वा तिस वृति वात्र उया उ तडा ता वत वृ त र्थ सि य ह
 उम पिहा नया उ वृ मृदिक र्थ सिन उ पूजा या हा या वन म
 म्रनया दया इ ॥ थू र्थ गु या वृ त वी र्थ नया र्थ ॥ ७८ ॥

५ हिन क धन पां न किं २

लाक जलिह २ मूखत पूजा जी हवन जात्रि दगु स कय राक ग लीहा य २ जा वा
 तय प्रथम हा ज कला ७ मूल पूजा क ह सि म इ पत्रि त व द व या त स रि उ स तया
 विद्या धनि जी ल हिना पला गाउ ३ कउ ना र्थि ग हा कमन उर ता न २ थता ३ मू
 ता ३ वड य म म्मा अ ह हा ग धू मा ग नि थू ति ॥ थं सि र्थ व व लि वि य वा
 ला घा सा ता ४ नी त पु मा दि त क मा म ध धि न ह वि नि सि ह या न द म प ति
 मो १ द ४ तया म क ल उ हा य गालि हा य हान क का य मूख सु दि ॥ ७९ ॥
 रु क व द या त धू य ना र्थि मा न वाहन स आ र्थ व दि थ प कि प्र २ नि स ता उ

वदानचुयमान, कस, कउलायातक, गणवक्र हाजनक थुनिमक ॥ ॥
 इकिज, थक्या मवाहा, बाहापात्राके समक, इमवाहा, दडावावियम
 मान, पाहानसुं मदयका, सतिरु, कूथकश्यात, खानमनडा, नखा
 नथा, वाकूमधिता ८ ता, थपा नव, नडाहा, थकहन, दामतथक, नवा
 नाज, खानथानजककार, वाकूमधि, थपा मकाज, लिम विद्याज, हन ॥
 थकात, गुरुवाहान, थनपा, लुल्याया, सुत, लिपनसं, थथंयाज ॥ ७८ ॥
 इत्थलाविकया, दायं ६८१

तिष्ठात, कसगु, राहन, लयसिज, जाल पूजा, थपिं नव २, कुमात्रिपूजायाय
 थनपाशपिं, थनका, दगु, सुक्रवला, कज, मन्त्रव, वनवि, मू००, नाकविय, लिहाः
 यक २, कुमानिया, सिधनतिज, मयूस, नाकज, लिहायक २, सुक्रव, आवजि, द
 या, पवजि, दया, म्वा, या, नू, पूहालाथ, ति॥ धूनकाज, वकला, कज, लडाज, वि
 य, थनपाशपिं, पूजा, धनिस, र्थ, मन्त्रस, र्थ, खेज, वन, र्थ, दि, ला, स, र्थ, सुदूथ, थ
 नलि, र्थ, वात, थ, र्थ, दज, वा, गुवाहावा, थनपावा, थनपाया, कास, उपा, का, र
 वता, र, नकिं, वात, र्थ, वा, ४, वजि, क, १५, वातया, या, सा, या, नू, वज, म्वा, तवज, मासव

बूज धनिजत्र सुजत्र वाकगुत्रि धनिघासा कनमूहिया यत्र माय पंगुत्र
 त्रयपि हाकघासा ता १२ता धन साव माला हिला पला विजवाय कृता कृष्ट
 पत थूता मे हा मला इला कथला लामला वि जलमधि मंगुट हा आ वाकमधि
 धजाल उरताल २ कमल धता ३ मृता ३ धूति ॥ धनि गन वक्रवात
 यत्र जिपु ३ घासा ता १० ता मादक विजहां वता मधिमान चवापू ३ हात्र धनि
 माल काका ता १ कनमता १ धता ३ उरताल २ मृता ३ धूति ॥ धलि लो की रुत
 पूजा र्ग मत मूखन आदि दगु सक्क व मूत पाण खरु पूजा व हा हात्र आदि

१ श्रीरसचतुर १० माघ कृष्ण १२ काथवाहात्रया विज्ञानद गुवानद निष्कनिकवाहा
 २ या हा थो हथया मूत्रधया वाहात्रया धनया मंत्रया क्क स्वात्रवाहात्रया मूनिडन
 ३ पंचगव्यविन आसंजकतलो आ ३० क्क धवातेइ ॥ ॥ धरतिकृष्ण स २१० मा
 ४ घकृष्ण १३ कृष्णतिवात धकृष्ण या वाहात्रया मूनिड क्क वाहात्रया धयात्रया दि वाहा
 ५ र जयकर्म वाकनस ता मधु हा पात आ धिधवान यत्र कव मदयक धका आ म
 ६ निदरं यत्र कव मदयक वासिबलि धमंदव द वयया अनपा नया क्क ध
 ७ त्रमदन के अरिखे कविय मूत्रधनया मूनिडया क्क सक्क क्क ता आ धिधवान वि
 ८ यमायु ता आ धिधवा क्क थूकृष्ण निवेनकाया उरुधिया धका निरुता हा आ तर्मा मडा
 ९ या आ आया क्क वी क्क सक्क थनपा अरु वद क्क सिर्न अरिखे कविय धधक
 १० तइ ॥ उक्क थनपायात आरु विदि धप किप १५ लुचित पूजा मूत्रु द २ दकि म वा

धनद्वय निरुलाडा १५ वदयात निरुला वादानमाल दसजागडाहा पिखारमय न
 सयाडाकाय कसगुवाहा इन लयलिउम काल कुमा निरुला थापि २ थयपालिथ
 नेउन मलच व वि जयीना क विरय दगु सप्रवराकडा कमा निया सिधुनि ७ आदुसद
 दुरसप्रवरा क विरय व डिम्या सारला कना धूनकाडा ला रुडा लना वि ७ थयपालिथ
 कजा धरिसर्घ लासर्घ गवनसर्घ लावा दडा १ गु रुडा १ थपा न नेकि १ रुदि १
 रुदि हो ज मनेजा त मा न के धूनका डा गविम्या धरिसर्घ गवनसर्घ गनयक
 वजिपु २४ चासा दगा माला हिलापला ताउ ३ हा मलाइला कउगुला खेजहा मवि
 पा ४ धउडा ल कमत उरुना २ गा मरगा ३ धता ३ मीतपू ३ धूनकाडा ला कीउर
 पूजा सुगमत जाग मरुवत मरुवात थपि ३ पूजा वेद्यामाल के मूखपूजा गिरुवन
 जानि दगु सप्रवराकडा लंजिवा सप्रवरा गावातन गाता ७ माला हा मलाइला

२ संवर्ष पुन्य वा

सम्वत् २०८ म वजिपु क १ वृद्धवानधकू वितवा निया तव
 न विनवनन कुमा निया मा हान धीया अ सनाया
 न कायकहन

॥ १५ ॥

(संवत् २०८ म वजिपु क १ वृद्धवानधकू वितवा निया तव
 न विनवनन कुमा निया मा हान धीया अ सनाया
 न कायकहन)

(संवत् २०८ म वजिपु क १ वृद्धवानधकू वितवा निया तव
 न विनवनन कुमा निया मा हान धीया अ सनाया
 न कायकहन)

॥

51

१ सावे निग्रमावासी क

॥ ५५ ॥

(सम्पत् २०८ माघशुक्ल दशमि यदि नेक क याच नि या ता सकामिनी यत्न
अतिसिकदिं न त्याय क सिक न र्ण असक निसिक या मिमं अ स र वि

जतिव

॥ सम्पत् २०८ श्रद्धशुक्ल

वड धि वरु सपति नान धव क द

नगन कान या पू नी स नरु पति सि

दया स्था तथा या क ह मि ना द

मि गु वा दान न नान या समुद्र रु उ पा या हा धु ज नु रु ड मा ग रु रु
न क्री थ का दि गु मं पति के नो नरु पति सि वडा पा न ह वि विश्व रु ड स म ति

॥ ५६ ॥

51

51

(सम्पत् २०८ माघशुक्ल नगनया धनया संगं जय रु सिकया च न शु
घ अ या गु वा दान न वृ द न ए ध न न या न थ क या या ग जा मान सि क या क
द रु अ द ध न या पि उ वृ द न ध न थ न ना पि ना द सु नी नि न या हा थ या
धं क्ता नि न व न या ग जा मान ध न न क न सि द न स र्ग न य या क द रु
अ न अ व न स न त्या ख न द कि ना न श्री अ सि द या उ वा र म या न क

नकनसि दान स र्ग न य या क द रु

ना न श्री अ सि द या उ वा र म या न क

15

१ सप्तम २०८ क १० क न या क म न ग ल प त्रिया ज स अ ग म
म य ड वि क त का उ मि ना इ ति य रु या द उ न र ना उ स मू ड र ड
थ का वि ज न प ति का मा नि पू ना व न स कु मा नी दे म प ना या हा ॥

(सप्तम २०८ सी) ख म उ य न स र म थ नि रु य मा

मु नी य च भ न म ह न पा लु या उ नी स हिया क त न ॥ थ का नि रु य
प य ति वि क थि य ता सि ला श म न पा लि कु थ मि पु र क ड वा ख न त क री

10

१ सप्तम २१० अ व ग क ह ए का द ति पु ष न रु ज आ दि ल वा न थ क डू या घ टि १३

हि ना उ घ टि १३ घ वि हा ध ज ड र ड थ क वा हा न या थ न पा नू या दि न ॥ क हा
व स ज थ वा क न स ना ग व स न आ न आ स द उ म ख ट व ज घ ४ क मा न ग ३
वा सि व लि क वि पा ल या ग ह्मा ग थू ति अ प न र्प य जा र य ॥ थ न पा या
त आ स र व दि अ प न कि पु २ द कि म द २ ज ज मा न पिं प क स या द कि म द ४ वि न
नि स ला उ व द न रु य ध न का उ द म गा ना उ न वि त स्वा न ग व म न मा न सि य
या ग नि स ला उ र १ द कि म द १ मा ल पि त्वा ल न स ल स य क ल स इ उ म ला ष

5

5

॥ २५ ॥ २५ ॥

चिपथिचिपथि जालकाय कोला ०० मूनरुहा आचिस थकारि पाण नकिं मूसं वदक
 सिं यत्रिख दडा निमूसया त संत्रिअ सतया अ वि या ते कक धनं द्या हि ला पेलो ताउ ३ ता
 कयउला खेजना मूसु सग धत्रिअ मरे कमर ३ ०० ता ०० ३ थता ३ मूनता ३ चउम म म
 ताग ध्रुमा मति धूनकाडा से खवलि पा ल ३ ३ धा साता ४ तालकाय मोत पु मो दिता
 क म म उ ल च वि नि त्या सा सा ३ न वि क्रि या पा ने हि ३ द म पे ति ३ १ १ ४ ४ सिं
 पात्र तालिका ३ म क को ३ खान क का ३ म ख ह छि ॥ ॥ मं दि द या पा ला य
 न पा न या द्या ता ॥ ॥ स च त २ १ १ चै त क १ सा म वा थ क दू आ न वा हा न या म ति
 द म ल थ न पा न या या स क तां हा पा या थं जा र नि स हि ला पेलो ता उ खे ज ना
 म इ स र्थ ध त्रि अ ना त न क म न दू उ त न यु वि ता य म इ म इ म ता स क तां या क उ ला

10

(सचत २१० कारिक क दू ल म्नि पू गा क दू आ क या क द न मून म दू न म २ द्या या
 ध क द न थ क न धा न अ क स ह्नि का स दू हा न ति पू जा स दू ल म्नि त्व पं व न का स दू
 पं व न का धा न ति व लि मा ला स दू थ स दू दू थ र व उ स दू वि कि धि सि द या ता वि या
 धा न थ क ॥ ३ थ क वि कि धि सि द या त द्या य स दू वि या धा न जि थ थ म सि
 या जि मूसं ता न ध क डा न व स स हा ल ह ले स वि कि धि सि ना प ना त वि कि धि
 सि न धा न ३ थ क दू र ति ना प ना य क डा न थ ध क वा न पु न क स स न्या न का थ स त या धा
 धा न ३ थ क दू मि अ गा इ मू व इ द न का त या पि ला २ त या २ स दू वि दू जि त पं व न का स
 इ हा न ध ति स दू अ व न स दू जि त वि उ धा न दू उ का जि उ दू न क ति क स नि धा न दू सिः

5

यिडा दहकावयातः उनिमद्या लिपतसः च अनिशसा दृगं लिपवियधनः थथधयाडा
 जि थधुगुसदुविया हनचिकिधिनधन थसदुया मूनया हाडा कायमद धन सदनियाशन
 हाडा दकिमद्ययाडा कायधक धुगुसदुनिया दकिममोहा ४ तयाडा विनधक थकून धुवक
 न थुगुधस चिकिधिसाडा ना पायद्वि चिकिधिलि दधनडा ना धुनापनायधकडा ना पायद्वि
 धुडा ना आस दृहति नापनायधयान जि लिमलाकधक वीवी विरुडान आस २
 धायक धन थक धजुद वजवानि लुक्कहन लिडा हाडा आडा हाडा थकया कसतयाडा
 गया थकडा चिकिधिसिडा नजवजयाडा चिकिधिसन सहुकायाव धक कायशन थस
 दमोवाहकाडा कायागु सहुधुगु लिगहकि धुनवियागु दाममोहा ४ दृगं लिपकाडा धयान
 दयविधयाडा चिकिधिमि ककयवाहातया कमि कनूनामयडा याडा वितिया हाडा पदूरा

वातावातयाडा जामिथाहाडा कनूनामय वाहाडा न ना ताडा धुया पदूडा सत्रि चिकिध
 न सहुकायवियधका दधपनमानया दयाडा धन ॥ थक धजुद न वउरुना साहाव
 याक वितिया हाडा वउरुना न सिपावू ४ सधसहुकाया विउधक दकशन सिपा
 वू हाडा सहुकि धन थसहुडा दधपनमानया कस जिमिकजामवू धकि चिकि
 धिसिनामाम धन थथधडा सिपावू पदूदधपमानया कसधनडान क्रूम
 सहु वउरुना साहावका कनहन धन सिपामि दधपनमानया कनातन धन थ
 सहु थकया लाहाति जिमिसन लिपवियधन सिपावू लिडान थलि दधपन
 मानया कलातन थक धजुद सतकहन डाहाडा नापलाहा धुमिसहुकाडा डा
 धजुद हा २

या उक्तदा विडा धक धान अक्षसहिका सह १ लूते पंचनका १ पंचनकायां धाननि १
 वलिमला सह १ अथ य सुहृज कलित विन हानति पूजा सह सकाया धक धान अथ य
 पंचनका सह अक्षसहिका सह विविधि हिंदया कपान सदि का ३ अथ सह या रुदिदि
 धक धाया ३ विविधि सिन हानति पूजा सह सविडा रुपा वसुध मया त विया नाग
 या यातया ३ सह सु ३ सुमिक काय इध का ३ अथ सह सु ३ पदा कान लिग मे वि
 पय सह लित विन दाम मा हो ४ अथ क विन
 (मा १ उरुना दर्शनया हा मा २ उरुनाया ताया मा २ इवा त्रिया ताया
 मा ३ ४ सह या मू विविधि विया सह क मा ६ सह उक सह पू ४ धूति रुध

(जिग वन का या या न ॥
 १० मा र्ग निल क सह एहस्य निवान धरु दू डाला द्रिया कन सिधुन संत्व
 निग वन काया मून धन या ज्ञान वा हा या समुद्र रुड नागी रुया ३ पंचगय विलज ने मद्रु ज या
 का सवा रुद्र काथ वा हान या तडा धि वं चा पत्रि म द्या या तडा धि वं चान पंचगय विन धन पाः
 या लग वा सकता ३ न का न मून धन या या तम विडा मून गु वा हा का का वा हान या
 एहस्य निद ३ ॥ अथ दूत थथ ॥ धं लि मू न धन या समुद्र रुड पं दू लिडा मार्ग नि रु १२
 शान्मला हन रुडा दि ॥ ॥

[illegible]

१५५५
 सप्तमं त्रैलोक्यं कुरुगुह्यं दक्षिणं मित्रवत्तमं किंचिद्वैकुण्ठं
 दिनं कुरुगुह्यं वज्रवर्णं समुद्रं हृदयं कादश्या विक्रिचि कुरु
 वान्यां कुरुगुह्यं कादश्या वज्रवर्णं ॥ या हा मुद्रं वा कुरुधा सि ॥ १
 धनिना पद्मा दाहा कुरुध्या ॥ नृगनं न वनसं धा
 म्वातहा कुरुगुह्यं का ॥ धा ० हृत् ॥ जिम्व ॥ धा ॥ हृत् ॥ हृत् ॥
 मिरवावु धा पादुका या ॥ कुरुगुह्यं कुरुध्या कुरुध्या कुरुध्या ॥

१५५५
 सप्तमं त्रैलोक्यं कुरुगुह्यं दक्षिणं मित्रवत्तमं किंचिद्वैकुण्ठं
 दिनं कुरुगुह्यं वज्रवर्णं समुद्रं हृदयं कादश्या विक्रिचि कुरु
 वान्यां कुरुगुह्यं कादश्या वज्रवर्णं ॥ या हा मुद्रं वा कुरुधा सि ॥ १
 धनिना पद्मा दाहा कुरुध्या ॥ नृगनं न वनसं धा
 म्वातहा कुरुगुह्यं का ॥ धा ० हृत् ॥ जिम्व ॥ धा ॥ हृत् ॥ हृत् ॥
 मिरवावु धा पादुका या ॥ कुरुगुह्यं कुरुध्या कुरुध्या कुरुध्या ॥

[illegible]

याथैव मर्त्यवाहाया ताशमनस्तुम् ॥ दानकाउम्ता वाहाया धुञ्जु वहीवाया सुमया नन्द उवाहाया
ताशमनस्तुम् ॥ म्ता वाहाया नत्तमन्ति विद्याप्रति विमानन्द । कथवाहाया द्यया नन्द । धुञ्जु वाहाया
नत्तमन्ति । गेवाहाया सुनयति । तडा कथा जिनिन्द । मर्त्यवाहाया चनमन । सिर्कमगुनिद्या
विद्यानन्द । ए सिर्गुवाहाया काय । तवाहाया दानवीन । द्युनयति कायम् । धुञ्जु नयति
यादा ॥ नय हनू यात मसम् ३ पूजा ॥ दवी
तम् मसम् १ हसम् १ पूजा ॥ वलिस रुसिम्
याइवा नस किर्वातादा ॥ धुञ्जु काधुलि सत्राजदिति धुञ्जु का महामगुञ्जु का हनूया धुञ्जु का धुञ्जु गुनि
सकिर्वातादा ॥ धुञ्जु विनाया क उजमान नडा कथया हनू ॥ ॥ धुञ्जु नडा कथया यधति

0 5 10 15 20

Handwritten text in Devanagari script, mostly illegible due to fading and damage. A small, dark, rectangular stamp or mark is visible on the right side of the fragment.

Handwritten text in Devanagari script, including the word "वर्ष" (Varsha) and other characters. The text is written on a piece of aged, yellowed paper with some staining and a small hole.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ साक्षात् नव नव ३५ ॥ अतः ॥
 (कडवा नव ४ ॥ यद्विनिव नव ३
 धावसिमा डानव २५ ॥ यखकाव २
 वेववाहायुधिया ॥ साक्षात् नव १ ॥ कतिगु नया
 स्वातवू डानकव १ वृ २ ॥ अतः ॥ ननु यि वि
 महाव सिगु थिया वृ नदि सा न डानक व १ वृ २
 श्रीवडायागाना माव वृ न ३ वा ॥
 श्री ३ ग भदव व क न व यो सा क न न क वृ न व १
 सतवात ३२ सानिदावा वृ न व २ का व सि डानक व
 इव वाहायुधिया सा वृ ३ डान स्वात सहा वि डानक व ३
 धि व वृ न वि त वृ न व २ वृ न २ वृ न १ ॥ या क वा वृ न २
 यद्वि नि वृ न व २ वृ न १ ॥ न व वृ न १ ॥ साक्षात् वृ न २
 कडवा न डान वृ न १ ॥ साक्षात् वृ न व ७ डान व १

१२६६ ११६६१६ - ६६ ११६६
 १६६६ १६६६ १६६६ १६६६

(१२)

३६६६६६६६

३६६६६६६६

माहावन्माविका... अममा... रसिपिं... सिमठक... सुदग... मागम...
 अतह... नितवा... कविदा... सक... अमप... तिगिया... अका... नद... म... म... क... सिपिं
 खसिथ... ना... ग... पि... सि... क... मा... दो... पा... द... म... स... न... क... र... थ... क... न... आ... गु... नि... क... स... न... ०... म... सि
 वा... ग... का... सा... क... न... ६... आ... क... र... सु... ना... ति... मा... वि... वा... पू... रा... म... या... न... क... रि... मे... स... था... पा... का... दि... ज... वा... वि... सा
 क... म... या... त... १२३१... मा... ग... स... न... गु... क... १... स... गि... वा... न... इ... व... म... सा
 १२३१... का... ति... ११... १२... १३... १४... १५... १६... १७... १८... १९... २०... २१... २२... २३... २४... २५... २६... २७... २८... २९... ३०... ३१... ३२... ३३... ३४... ३५... ३६... ३७... ३८... ३९... ४०... ४१... ४२... ४३... ४४... ४५... ४६... ४७... ४८... ४९... ५०... ५१... ५२... ५३... ५४... ५५... ५६... ५७... ५८... ५९... ६०... ६१... ६२... ६३... ६४... ६५... ६६... ६७... ६८... ६९... ७०... ७१... ७२... ७३... ७४... ७५... ७६... ७७... ७८... ७९... ८०... ८१... ८२... ८३... ८४... ८५... ८६... ८७... ८८... ८९... ९०... ९१... ९२... ९३... ९४... ९५... ९६... ९७... ९८... ९९... १००...
 १२३१... का... ति... ११... १२... १३... १४... १५... १६... १७... १८... १९... २०... २१... २२... २३... २४... २५... २६... २७... २८... २९... ३०... ३१... ३२... ३३... ३४... ३५... ३६... ३७... ३८... ३९... ४०... ४१... ४२... ४३... ४४... ४५... ४६... ४७... ४८... ४९... ५०... ५१... ५२... ५३... ५४... ५५... ५६... ५७... ५८... ५९... ६०... ६१... ६२... ६३... ६४... ६५... ६६... ६७... ६८... ६९... ७०... ७१... ७२... ७३... ७४... ७५... ७६... ७७... ७८... ७९... ८०... ८१... ८२... ८३... ८४... ८५... ८६... ८७... ८८... ८९... ९०... ९१... ९२... ९३... ९४... ९५... ९६... ९७... ९८... ९९... १००...

संवत् ११११ मि वैसाखसुदि १२ शुभ शिवानुष्ठाने विक्रमसारुदव, राजा, स्वामि, या
 हाकसन, सग, सलोद, मय, रुदडा, रुदकन, कननयान, मगननकन, स्वानिन, निग, व
 बनान, गनर, कडकन, कोतदडा, नचिन, सिहा, हाय, कोछायकन, दवया, कपू, जामा, य.
 दू, पू, जामा, गसा, कि, गवा, गदसा, जि, उं. सिवसै काया अनदवया, कडा, कोस, दवया, २
 क, विहा, गकन, कोहा, गकन, दवया, क, अस, हाया, विद, मि, छाय, काडा, तन, म, स, या
 काय, नाक, नाक, ग, छन, मि, छाय, कन, सु, ना, तन, स, म, ग, कडा, या, त, पू, जामा, ना, म, द, क्षन
 सि, या, हि, द, या, द, जि, छ, वि, या, डा, सी, छाय, क, वा, क, हि, क्षन, दवया, व, स, उ, क, द, को, शि, या, त, न

ग, र, य, या, का, क्षन, छ, मि, स, द, या, त, सा, रा, य, डा, रा, य, क, ध, क, धा, डा, धन, राजग, वा, हा, ध, क
 यु, म, व, न, स, क, सा, न, धन, जि, मि, स, न, रु, को, वा, का, या, का, डा, डा, या, या, त, नि, ता, ना, का, म, व
 धन, का, जि, द, धन, हा, ना, का, य, म, व, ना, न, हा, कडा, न, क, य, धन, न, जि, मि, य, न, स, छाय, धन
 कु, मि, स, द, छ, धा, या, धन, राजग, न, धन, धन, धन, आ, डा, जि, मि, स, न, म, सि, डा
 जि, मि, ध, का, नी, २, विं, धा, का, क, द, स, डा, य, धन, म, डा, न, हा, जि, उं, स, न, व, स, सा, सी, या, ध, क
 पा, ति, या, वि, या, ता, न, ता, रु, न, रु, स, दि, क, स, या, का, न, या, व, न, स, वि, उ, न, क, द, स, या

ग
 न
 रु
 य

सर्वत ११२ वेसाय वदिनिद्रु स स्वातिशया हाकमन गवाहाइ आवाइ विम्याउनि
मकाया द्वा रं निम्य धका धका यता सिपादि निव क निवक पिउतात स र्व
निम्य दनाडाका गरा वाहा आवा क कयेयात् नायवि न शायकर मुवाहा
आवा नइत कायमइ दतका न सा स नवय डिडा काय धन हा क मधन
गलाइ आवाइ यान सुकर सुन गवाहा र्का ११ नाक आवा र्का १ नाक १५ धाद का
आषकात्र आडा ० नमषत् नायकर यद धन गवाहा आवा सुकर मूच क स य द्या
का डिहा नाक धन कुमि सइ उव पादाइ स्वामिया नानी या री य म ना ज कुमि सइ

११२ वेसाय वदिनिद्रु स स्वातिशया हाकमन गवाहाइ आवाइ विम्याउनि
आनाडा वच विम्याइत कल विम मसा सकमान धर्क सिपादि तिलि मं न यडा कपडा वूचो कं जो नाडा क
जिवि मूक क म मसा हाइत त शाना रावाष सिथपना चूच कका त सिमडक त थितास ध्वि यमजि ०
वत्र उय गु पादादि पमडक त सु गु यार्थ मी म मया क मडक त दुथका रं निमद याचो गु स्वामिश थ
थयत ॥ ११२ वेसाय वदिनिद्रु स स्वातिशया हाकमन गवाहाइ आवाइ विम्याउनि
र थुव द्वा स्वामि द्वा या वच नं त र द डयात रुका अन ग राया वि कथना जला ग म का रत न
रु द डया यन च आ आ या स्व डार्थ स क र जनाडा सक र ड का ज न उर वू मि या रु
ता मिनका डा स का डा न स क रु द क रिक चूत ॥ ११२ वेसाय वदिनिद्रु स स्वातिशया हाकमन गवाहाइ आवाइ विम्याउनि
न स र क न

श्री गणेशाय नमः

सुचक्राया, सुयत्रयका सुनकाडा, त्रायक त्रसडा नाडा द्वाय ध्वत्, सरु त्रसडाडा
(य) धन, नावयादा ध, धन, धन धन गदका चाया कान, गन वाने दूनो गयादा व
ध, धन अनधनया कासा सया नागयादा वरु क धन, नाग गवाहा चाया गवाहा वरु
क्रि, क्रि, क्रि कयया नाह त्र, नागया । दा वरु त्र साधना गसन के सोन, धक
कम इत, त्रायक त्रसडा कान नागसन के त्रसडा त्र, ॥ त्रानिया त्राय सो धक
विच, विच, पाने, दस सद को गवाहा त्रन रुयया व कन,

१ संवत् ११२२ शुक्रवती ३० ए मा धरु कृ का सा दं थ या आवा गु धिया पवि मी वा लडा झा का न या
आवा सा ल मा पा ला क ध न प या म प वि मि वा वि या न या ध रि थ गु द सं व त २२० रु गृ ङ गु कृ ङ व
व मि ध र व रु प वि रं क न प वि मि वा स ग या न या गु वं उ क म द् डा र या कि कि वा क पा म द्
धा ~~का~~ का वा सा ल या प रि ष द डां ग या कं स या ॥ ॥ ब्रा ला म्बर म द् कं स या थ र या न १ म द्
प वि मि वा स क्क वा म्बर क डा र या वि न रि ना ग या थं स्व वि न कं स डा प वि मि वा या प न स वृ षि
वा ना डा र ल सु या डां ग ल ग थ द र व क थ ल या क रि दि डा पु म्बर व मं द स क ग्ग नं ~~का~~ क
क न ग द न ध र ल न न क ल ध या न म रि या ध र ल आ डा ग थ यो य ध या न आ डा क
या य ध र ल डि कं स ग या न या गु वं उ क म द् गु डि नं प रि ता ग य ध न

अनपत्तिमभ्युपगच्छति

याडाविरुध्वरुद्रावाहयकोकरुद्रमकाडावनपत्तियापारंथध्वयानंदापदार्मम
एतवगह२०खगुल्लुका१२द्वदसिध्वरुद्रावाहालनयावनपत्तिया
पत्तियाकलासदपूनप्रतानदयोक्तोदूपूनप्रतानदयाकलागमीधमगम
कपलाकवनपत्तिनंततवाहातस्तोक्तगतसंविधगतसंपूजसंक
रागकवनपत्तिनंततवनपत्तियापारंनकिनियायमागुपानावनप
यात

असिद्धाप्रमृषनसंगपविदकीसनधनध्वरुद्रकवियक्षयागवियनामवियनामविडीला
रंदाविधनमेधधनध्वरुद्रधनयतिनचुसधनध्वरुद्रदिसधनसतिनूतिनिरदिधन
हनंतात्रवाहायगुनूधनयधनपतिपविद्रिवासदकीमगस्यपविद्रिवात्रडाहायमध्व
ध्वरुद्रधनयतिथडात्रिमावायागुचयाहयाडाकिद्रियायापत्रिसाध्वचयाकाडाधन
धनरुयापत्रिसादमायातविनमाप्रधानयापत्रिसाधनावरविनभाधनयापत्रिसा
रुतिनकाडापविद्रिवासगयाडाविनतिनध्वरुद्रनीवानाडासतिधनतात्रवात्रडाहात
ध्वरुद्रातद

संवत् २२० चूगद. काशहं धया. आचागं च. ज्जवाहा नया धनयति या पात्र पचिक्का नासुयान
 पविक्किचा सचोदगं. किंकिं पा१ मद्रु कसुया पात्रा गवर मद्रु था र सु पा १ मद्रु धक सुया
 न. पविक्किचा याग न स चूविन रुपा उ का न ज. मद्रु सुया उा तत्र. (अवतर स चरया को ध वा रु
 नया ज्जहिं द ज्जुन धात्र. य धनयति विक्किचा सचो द ग व सु क मद्रु. जिचा स विनं ति ना थं चो द
 जिचा याग न स चूविं द या उ का याग न. सु उ ध क न्ना म. धनयति न धात्र आ चू या य को थ स त या त या ग
 मद्रु सु याग पात्र या य जि न य त्रि सा त य का धात्र धका आचागं ग. थि द्वा य क न रं दा त्रि ध न व न न धात्र

१ संवत् २२० चेतक सन ३९ निमा. तं सा विष्णु आना दू द डो या वू सा धन ता रा ई ताम
 काय कू ता रा दू सि स ति रु त्रि क स न वा स क स न नि म्म स न रं र दि या क कं का
 ज्जु ध गु द वा स क स न ना द डो या वू सा ई का य कू ज्जग ज्ञा नं स र्ध क न सु व ड प पा प म त
 पु पा त पंच ग वा त म ति कि क न र पु र गु रू श म १ क वा १ द रु दं ८ ग द स प र्जा प
 ज्जव रा प र्जा म द नि रु म थ गु द का य का धा त ॥ ॥ संवत् २२० वे सा ष गु क प र्जा मा ति थ
 ज्जु व रु ग व न दू ध म स र्जा शे न को थ स म या डो. सा मि रु ध क ना म क ना डो न म. ज्जा पा थ्या ना
 ज्जु म न दू वा हा दू न म हा ला ज्जा ध क ला ज्जा श धि ॥ ॥ संवत् २२० वे सा ष गु क १ पा दू
 मि थु व रु दू र क वा हा दू र म हा ला ज्जा क वि वि म्म डो न

१२० संवत् २२० वैशाख शुक्ल १५ पूजा मासि रुरु पवित्रानरुत्पन्न यज्ञा गवूधवा
 न्धुषू रुरु सिखत्रया ०० दायनि मद्यमय द्यातं म् गुताहा पान्ता र
 वाहाया विमानद वग कोवाहाया सैमि गदडा थु गुदं रुरु वत्रया यातं म
 दडा वगो लिमदू लानि सिनाडा यातं म् रुरु नकाडा
 सवत् २२० वैशाख शुक्ल ११ नडा क्रातं सै लोद गिवा नरुद्वया नरुता नकयध
 कय कय यज्ञा नरु सै कय यज्ञा नरु गय दय क न २ संवत् २२० वैशाख शुक्ल
 यकाद सिषू न्ना क स न नवा हा इ न म हा ना का वि स्या डाद कि न स न डा
 को ग नरुता न कय ध क डा पिं या य स म्हा क न स म्हा क य द स म्हा क न य यज्ञा नरु

१२० संवत् २२० वैशाख शुक्ल १५ पूजा मासि रुरु पवित्रानरुत्पन्न यज्ञा गवूधवा
 मद्य स म्हा क ला जाल क्वा हा द न ला जाल न र ना र्वा ल स कि क स जाल जाल
 गमा विव स्र विव वद विव दान क्कि दा ल वा ड च उ वि स वि रोजा न स
 ममा च क ला वि स म हा व ड सिख म् गु लिमा स थ न थ या कि ला मा क
 हा र गुता धि गु र्वा न् उ या धा हा जयान द या का य क मा चा अ वि कि
 धि क दान का व अ वि र्वा र्वा सि द यान द स न प ग्थ या वि ता मा क अ ज मा
 न मा हा ना य क ध म ना ला य न ॥

नोवात म्हा व ड विमा

१ सवग २२० वेसाखक गृ ११ काद सि उग्र एदन रुग् प्रा गिडा ग ल्म सवा त्थु ख
 नडा का थं दाम द पा द्या का डि स द्वा श या ड या ड उ द स दू द ङा ड उ द स या
 ला अ न द्वा बा हा दू ला शान् इ ग ना थ द य का मा वा प रा अ न द स प डा द क् वा न
 स कि नो नो का ड प क ना य ड त या चा स क्क ए द इ न ता त क स क्क क्क
 ड कं ग थ द म क्क थ ग थ स सि ण हि उ द स या का डि ग थ स दू थ डा ड ग
 मा पि सि पा ही का डि क्क पा थ म मा क दाम द स पा द्या का डि ड लि स्यां उ द स
 या का डि सि पा हि लि स दू ला ड ड उ द स या इ श न द्वा वा द न ला डा उ न या प
 का स ग थ द म का ड ग थ स वि श्रा म् क वि वि स डान ला नि य म् लि स व य

१ सवग २२० वेसाखक गृ १२ द्वा द अ ग वा त्थु ख न् उ वा ला न या ग म क रि दू ला सि
 या दू य म क्क दू या ड वा य रा स गु मा म म दू ड ड स का ग व रा स गु मा म म दू
 द ड र मू वा मा क दू वि ना डे आ ह द य क न डि ग द्वा ला का प डा मा थ क
 आ ह द ग ग ड या म थ क द दान् दू क्क स्या थ त व ड ग न ग य थ यान्
 ग पि ता प र म गि थ न द ड थ थु ख दू प द्या या ना दि थु ख दू द ड आ य
 इ न द ड त म ता त

सं गुणवैराव न मां उवाच

संवत् २२० अक्षु गुह्यं नामि अदि न व न तथा प्रदू गावान श्रव क क म सा ह म ह ता
शान्ता का थ दू ता वि श्रा दि ॥

संवत् २२० अक्षु गुह्यं १० दस मि रु रु न रु प्र सु दि श ग स्व म वा न थ दि न व रु
स गु मा वै रा व द डा मा क क्ता पा म द या डा वा गु द डा द य का डा ग इ ११
छा या डा प नि थ मा क दि द स सि डा द म का व क ला र गु वा हा नै पू जा
म मा ग क्ता वा हा न या थ न य दू प श पु नि थ या ग सि डा या थ का
निकु सि नि या व रु दू

उभय गमना प्रजापति

संवत् २२० अक्षु व क गु ह न मि अ ग वा न थ व रु म हा ता जा गा वा श्र व
म हा ता जा न आ म ग ना डा आ ग क मा न थ के ला र गु वा न रु
वा न या न आ ग्ना द ग ना र गु वा न न स र वि वा क्ता स गु द डा या क
व सि ग न रु वि ती मा य आ या डा स गु म द डा या क प जा र ग दू ति
के क उ ता का न नि र व द वि न्ता क न स या या स्वा सि वा उ सु ज वि व रु च द
प्रि व आ ग मा वि व दान व सि ग दू न ना ग सा ध न न डा ना ग क ता
स स द न ना ग य उ न र ग मा क वि द्यो न द उ वा द्या हा व र यो नि

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

१ संवत् ६२१ माघ गित गुक्र पंचमि उग्राधन रुतु गुक वान ध
पू पू गु रा द डाय ना पि का छ दि पू जो क स्मा या के मूनया जि नि
द ह द ज्ज मान स को प मा ति मरवा ॥ १ संवत् ६२१ माघ
सिक गृ १० द समि रु सु न रु त्र व रूप नि वा न थ रू रू सी या
दि ॥ १ संवत् ६२१ माघ गु क्र प रु पंच मि उग्र ह द न रु त्र सु म वा न या
ना दि ॥ १ संवत् ६२१ माघ गु क्र त या द उग्राध व रु प नि वा न रु मि
ति ॥ १ संवत् ६२१ माघ गु क्र पू ज मा सि पुष्प न रु त्र व रु य वि वा

वा न थु दिन षू दू पति था अ हा ना ग ड ग प द सा ध या न गु रा द ड
मा म द च क म मा चा ड म क मा म र या त्रि नि द र द ड वा था मि क म
गु या चि वि क मा चा ड म क मा ह न सि वि प वा चा ड म क मा ड र द १५
द ड ना चा ड म क मा गी ह र व प चि मा चा ड म क मा ह न
न द ड ग चा ड म क मा व ड म त्व ड वा द्रा दा या न स ना वि ड
त्री ह र व थु या चि ना मा क अ स मा ता ड ५ य मा ति मू र या वि
वि ध न ति थू

१ सै व ग २१ मा द्य क स ड अ स मि वि सा ष न रु ग गु वा न थु षू दू स गु
या म ड द ड या म का या सा वि व गु ना का न ड म र वा मि व ड पू डा क
सा या क मि क म गु या ला ड गु ता न तु १० वा न डि मि आ ष न व
म हा मा सि म हा ना डा ग्रा वा ड ५ वि क म म हा ना डां म मां गि
विया ड या क ॥ १ सै व ग २१ मा द्य क म न ड मि ग नि व वा न थु र व दू या
घ नि प घ कि ना ड कू र त ग म म य ड द ड या द ड या पा द थ य म हा ना
डा ग्रा वा न ड ५ म हा ना डां द वा थ म द ड या ह न क न स नि था स नि स
न पू डा क सा या क मि क म गु या रो ड गु ता न तु १० वा न डि मि

उभयत्रकं महासायिकं ॥ सर्वग २२१ मिहाग्नं कुक्रोदादसिमाग्नं का
सिकेन दायकनका मोदधयाग्राचा गृथया नाक ज्वावा हाया वूनयता १९
न दयाया न ॥ यत्रपात्रमिदं उक्तं वासाया ॥ ॥ सर्वग २२१ हाग
न सुकु १२ वादसिकुलीवा • न शोधविक्रम साहादवमहा ना हां
कर्मविनदिपलो दासातियाकन, सामाग्रा माको नाग्राविन, क्रियक ना
या के को थ वा हा न या थनवा रु निदवकुमा सा अ का वा हा या वि कि मि
धं सा उवा धा का वा हा या ह्ययानंद ज्वावा हा या थ पा वि वानं द धं का वा

हात्रयाविनदं गवाहाया थापात्रहपति भूत्रिया न कि वि स य य धा ना हा य क
दिन स क रु रा का र रु निन व रु कन स रु कि दा व डा वा मा वि व, सु हा वि
वृचं उ वि वृ हा न हा न का डा का थ वा हा या वृ रु ज्वावा हा या द वानं द रु कि
नाम सा न स गत्र नाग्न क का न नाति स महावत्रि विन का थ वा हा न या
वीथ, वृति स म स म १ दू स ३ रु गद या क म स म १ वा निद ड या क ह स
म १ ग या न ना या क ह स म १ स्वाच व त्रि ह स म १ रु कि दा न स का रु यि म १

वसिष्ठसंहिता

दातव्यं स्वयंरूपाकरा ॥ अस्मि शुक्ररद्वितीया, सनिचवा तथैव कृण्वान्मय निष्ठुवरा समंमनाक
दूसरे उरुह्व ॥ अस्मि शुक्ररद्वितीया पूनवसु प्रपञ्चा नरी, वज्राग आदि नवन, थवू कृपुति
आदिन, शुक्रात स्वयंरू, उपाद्या हा मखवा हाया हा इमन, हरा हा मं २० स्वयंरूया थथिथियया
पिगु रात उक, कि सि आखनसू मथा क स्वयंरूया रू सिथाया, थया हा मागि साकं ग ३०
गो ३५, थया चिनाया क, दथा लक्षिमिना ला, पसासूया तमवि डा, व्यापात्रि सि क मि, ता रु क
मि, सिज क मि, रू क मि, यं या त, न क मि, रव न क, आवा न र वि न, गुला त म न, आवा न र वि
त, म ति ॥ सैव त २२१ अस्मि शुक्र ११ मका द सि ह स्त न रु उ व डा हा ग आ दि न व न
मा हा ता नि, न हा त स, क्का पा मा द या चा म, म हा द डा या त, द डा द म का, ठा इ क्का या प्र
थिया दि

रुद्राद उपायमा गोक ५५

सैव त २२२ अस्मि शुक्र अस्मि मिज रा द डा या त थ हा ता स या व न स प ना प च व न न मि
व क्क स थ या क्क प ह ति क्क च मा न क्क ग म्वा शु ना क व न थ व क्क द न
मा डू द डा या अ त इ मा डा व ग द डा द चा वा वा सा क र थ स ति र व क्क द म मि र व
क्क सा ति या त, पू ज क र स प डा डा न, व मा क, द डा गु रा हा न उ क प ति
उपा द्या हा त रु या गी रु व, य मा न म गु पू ना गु द्या मा त या डा द डा हा
त या त का डा हा द सि र व क्क उ रा द डा र व न म त या डा या या ना हा या
व त स, क्क दि ति या र व स, दा रु ना हा डा या डा य डा या र व त या त न स डा
ना डा द डा को ति डा न

1. 21968 11/11/21-21/11/21
21/11/21 11/11/21 21/11/21

12

संवत् २२२ चेत शुक्ल पूर्णमासि खू रुदिगि डान्, एनाका डि डान्, न ग्वयाका न
सं शुद्धया कुरु, रु विरु स चीन
संवत् २२२ आश्विन कुरु १३ ग रुचल स याचा स वू स, सिपादि, रुदि
गि, नार्प नार्प पि रुदिगि, क व स कू द न ड्रा डा दि

किदात्रचरविस्तिवडयडा दानसूडविद्व चडुविद्व शतमाविद्व वडपडाया नारु
 सिवाहास्यायनकाडा मसस्य नावससुचुदा नरनव नथनौडाहर्नपडाया नो
 पूना ससमाचक्रवड ॥ पुंमसस्य नावससुचुदा नरनव नथनौडाहर्नपडाया नो
 या पुकिदात्र कत्रविनससाक्या ॥ उव्वे दू दससुचुदा नरनव नथनौडाहर्नपडाया नो ॥ २१
 १५२६६ तातिस ताडक तस नसव कसंत रूपनाडो मसावड विमो सितमगु
 यामथं थनयापडा कताया क सितमगु याम ॥ १५२६६ तातिस ताडक तस नसव
 १५२६६ मागसितक १५२६६ तातिस ताडक तस नसव ॥ १५२६६ तातिस ताडक तस नसव
 निदायानाका म धमा म नानि गव न डादि दूव दूलाडा गव न स मागसितक १५२६६
 गा ३ गावान श मसा ता गव न साक डात ता निमडा १

१५२६६ मागसितक १५२६६ तातिस ताडक तस नसव ॥ १५२६६ तातिस ताडक तस नसव
 निदायानाका म धमा म नानि गव न डादि दूव दूलाडा गव न स मागसितक १५२६६
 गा ३ गावान श मसा ता गव न साक डात ता निमडा १

अगवत्रथुख्कथपया, प्रवयज्ञाना, मूथपा, क्राथवाहया
 य आस द्वा म द गु, आवाहाया थापा विमान्द, ग्रामज्ञाना, तड
 सा रुज, कायेधानानया डान, धीवा हा, हावा वा हा यों थ पा, विरुव
 अडाय मरु, कुरुवाहाया नि, गुवाहाया डाय वा डाय धा म्म का य आस
 निजा वन स नि स प ज रु या धा म्म सि द्य पति, वाता गम डाना, विरुपति द डाय चिकि
 म्म का य पति सा रुत ॥ गुस्त्रि र या व जि हाना, ध धा म रु या, थ द्या ना व
 यना

नमो भगवते

सर्वग २२ स्व गुण गुण १३ गुण गुणिस सशरु इगगोपना ह उपाध्या
प्राप्तिर दवां क्र तादृश या काय वाक् नमः मथयाग गुणान इगम
दपयि न पाथ ॥ उपयाकावते न गरुयागो हव कोवहाया ह दयान
दुःख उवाहाया च नानद सिक ० मे गुयाथा क

२३

२२ स्व गुण कर्ष १३ रिदिगि सक न म व स ड दि नु द्या
सुखं नया डान

१३ कौथवाहाया विधि धवाथ पादूयादि माकौ
थपा धकावाहाया थपा विरुपति द ड उ निचूय

रुया डान कौडा सविमडि गु कूया यध र डी या कार्य द डना
डा धाया ड डया विधि क का य प रि द ड रा डाना ग वि नै का
य हावा वा हाया थपा वाति वान निष्कू कि ड का स थ गु कौ ग द
थ सति र व दू वि कि धवा मथ पा र या मा गु थ कूया क ड डान धावा हा
थपा विमान द गं वा हा थपा र ह पति वि कि धि धवा या का र व ड डाना क ड डान

दशना

मिथुन धायादत्त मडाध मथपा रमागु मरुस्थलाद (अपु डायात
पंचमा पूजा गुह्यथपायात दं विरु सधमसु विरु सधथला नकन
मथपा रूय म्वाकू भूत ॥ ॥ संवत् २२३ वैशाख शुक्ल पक्षिवा शुक्ल वा न धाकावाला
धाया वरुसपति दहा थपा रूयादि वरुस पति दहा उति रूय मरु याहा इति २९
वाहाथपा विविधि धा यागि दया हा हाया काय सवाने दय
वानदया काय दशना डान वि कि धा सहा रु ल मडा स
थपा या धा गि स हा या का निरु सेन नरे हा डि उरु
मेव वा न कुवाहाथपा विविधि धा सिधि थपा रूया २९ रुमा

संवत् २२१ भाद्रपद १९ स्वा मि दया मगना कू दास कू ना रदिना
तया कू वा कू पा हा कू पा ना द र वा कू मा र वा थ अनथने
मक रूय क मरु गहादि रति मरु दोर पा कू र क थ क धा का द का
स ति सि ग व ड कि त र ग थ म ग ड म क र म कू विरु क र म
धं स ति र व ल म वा त थ हा पि मि सा त सा म ड क कू त वू डा पि धा
वां धि पि त कू मि थ स विं थं क को न रे ना क रि क ड ना सि गुरु व
मेत गुरु व रू कू त सना हा वि त्रि त कू त दा र पा कू रा य म ड स विरु
र म सि उ म व ल गे क रू ति गि या त्रि का र धा का वा क र स्वा मि द

प्रायमरवृत्तायमरवृत्तकपचायादिधनमविद्या

नसेनभक्तमिदृशकनरुतवजडागभदिगवानधुप

संदसभ्राचागुथसडाउवाताडजमांमडात्रयाताकप्यक्रीडानासगडानसमि

गुवागस्यखोनाबोहजडिमिडाकिंविशमरवृत्तायमरवृत्तायास्तअमथ

खनइ००सास्वोकेदेवतोथगुनमारवथगुनडातेआभयानेमडायाडापाला

कप्यक्रीडासार्नेकगधधूनअडिधधनहारूनस्यगुवाससूयूजायाताकथेका

त्रिसातिप्रनसपाताथकोयकसातिप्रतिवातारीरुमाताममिवात्रवान

र००विजसपलाप्यक्रीवडिजयमान्यावासवडिजयमाग्राकस रुजयमाथक

मिधूससकचगुथयाडयमा

अगुठिसेजडाजोममडा

१८०० विजय सा जगु वाता यय मूर्ख पिडथन वाता न किं पचिता यात अनर्था
कच्छा पात्रा कं अकच्छा या अं मडाडा जाकि मविडा धुद ग या अकच्छा पात्र नव अकच्छा गुण
वाता न न यात सा स गवादि अत्र धरु दू मूर्ख न सिधु धरु गिरु दू दू सयाथ
थी का पडा सय सिडा जात्र अदि पा लमथ गुथी अकच्छा च पात्रा कया सयाथ
रक चर सय पाडा म नात्र स्वका मूर्ख जा पात डक म जान धुं सतिरु दू मूर्ख ड
मद धु गु ०० अडाडा जय मां नि अकारि यात अ स ग य अडा मि सा
न मद्र अ मान अकच्छा न अत्र धु गु व राना

१८०० विजय सा जगु वाता यय मूर्ख पिडथन वाता न किं पचिता यात अनर्था
कच्छा पात्रा कं अकच्छा या अं मडाडा जाकि मविडा धुद ग या अकच्छा पात्र नव अकच्छा गुण
वाता न न यात सा स गवादि अत्र धरु दू मूर्ख न सिधु धरु गिरु दू दू सयाथ
थी का पडा सय सिडा जात्र अदि पा लमथ गुथी अकच्छा च पात्रा कया सयाथ
रक चर सय पाडा म नात्र स्वका मूर्ख जा पात डक म जान धुं सतिरु दू मूर्ख ड
मद धु गु ०० अडाडा जय मां नि अकारि यात अ स ग य अडा मि सा
न मद्र अ मान अकच्छा न अत्र धु गु व राना

१
 रसं मृतं ह २५ मि कृतं कृष्णं आदि त वाल धू ३५ मि इ या नू ३६
 या या नो ३७ द ह नि नि ना नायं म दू ३८ अ ह ३९ अथ नं ४०
 वा त इ म का ॥ थ थिं ४१ सा मि इ ४२ स म त ह २५ मि कृतं कृष्ण २७
 स स गु द ज या न ४३ स ह व या ह नं य कृ तिं ज ल स म्भ या
 व स म्भ या क वि वा या ना खे मा य जा य म या म्भ सिं म या स्य त ल
 मंत २ ४४ १ अ ग वा न या वा न या वा क्त स

आ न द व
 मि स कृ म ति या प ४५ या अ न प ४६ या ना ति मा ४७ ति मा अ या प ४८
 या ना मे ति ४९ गु ५० मि म्भ ५१ या म्भ ५२ क द ५३ या क वि ति या
 ना व ५४ ना ५५ क ५६ या न वि ति न ग म म द ५७ सं व त २२९ सा व ल ५८
 २७ ग वा न थ र व ५९ स की या गु वा ल ६० स्मा त ६१ ति पा क ६२ या पा ६३
 म क न ६४ ति नि ड ६५ ने मि वि ६६ ह न न द ६७ आ न द व ६८ ६९ स्मा त ७०
 व ७१ नि ७२ ता त न ७३ वे सि ७४ य ना क ७५ दि ७६

निजाक काय के य पि मुका ^{सामि ह} का प्रसां डान् ॥ संवत् २२१५
 त मुकु १ धरु दू मूचात क छि म दा पि द सं पि न थ व हि
 स्वक को ला अक व सि डारु स द सं पि न वि वि व न ग्व मा ची २६
 ३ पि नि गु व न स मि ते या वि त रु सि वि न ते डा दा व थ व क
 ता पा क य अ न ति रि ~~म~~ स अ न थ गु क थ स व म या थ
 ची ना ~~म~~ न ॥ संवत् २२१५ गति त मु दि ११ कू ग्रा स व र व
 य पि क छि म दा स च ~~म~~ त व न स मि त या वि त म्वा अन न वि त

२५६
 न क स न त या द सि प्र च उ द थ र व दू का वृ ला या
 सा ला ड न या या आ क न या क थं गं वा ला या न रु प ति
 ला या वृ स स प ति न डं क थं क थ वा म्वा ला या थ क डू क य थं का वा
 नि थ क पा र्क क ना का वा स वा ना न न द या वा का न
 स व ग २२७ ख गु ~~म~~ डू क वा द सि आ वा ला वि मा न द मू थ पा श या पू जा या थ पा या द ड वा
 मा कां वि मा न का न आ वा द सा ला ड म न क य क द म म ग ड थ क ना म ड नि थ न
 मा कां य र्क थ नि र व त या म न क वि मा न द पा र्क क स या आ त

१९२९ स्व गण ^{क स} ~~क~~ पं व मि प्र व क मि रू द्वा का हि रू द्वा थ क ड न नु म वि चाने वे
 दहा का डि ता रा क न ड क न थ द्वा नि द स द्वा हा वि ज्ञा न थ
 स २२९ न स के व क २ अं ग वा न थ रू द्वा स्व मि रू द्वा म द पा द्या का डि रि म द्या
 स्या क न का य पि मि रू द्वा न य री न रि म्या का म धि न रि म द्या
 रि म् द्या या का य व क ता न क म थ मि म स र वा या द्या नि चा ख द्वा न म मि ना क
 का न म न मा त थं ६ या द्वा हि ड स र वि म् म्या त

१९२९ स्व गण ^{क स} ~~क~~ पं व मि प्र व क मि रू द्वा का हि रू द्वा थ क ड न नु म वि चाने वे
 अ प रा व म द य क मि रू द्वा
 सा डि ता दि या त गी कि न
 मि रू द्वा धि थ ना मि रू द्वा हा त मा
 स्व मि रू द्वा वा न द थ म् ग रे द
 प्र म रू या या थ स्व या वान थ थ डि गु थ थ डि गु थ म थ म् थ म थ म्

संका २२० कातिके ४९११ अनडवडसुमिडात् क...
न मज्झिमा अनयनाथनयनमद अथवा...
अक अनयनाथनयनमद विनविदया मागसिक्क...
मदखयमजि स्वसिधुना गाथा इवचन नान्ना...
मान निमाखयथा थथिथिकं क मवुया इनदनकना...
समा सकाया थग इडाक्या मभगाहा दक सप...
जा नर कि न स तिहिग माइ ककि मवपि सुमतदस...

प्राज्ञं दूनथक...
म तव...
वदि...
तसं...
ग...
दू...
स...

अथ गुरु उवाच

३. गुणान्तरं सहा राज्ञः कश्चिदायं वक्तुं शक्यं
१ संवत् २२४१ खगुलकं गुरु दस आचारं यथासं गुणान्तरं सागुं कश्चिदादयान्
संखडकि यानि गिणान्तरं सद्रिया डावादा नया डाकु दडा साता साकारिण
यात् निष्कृ अर्न साज्ञं यथा यामाकागद
१ संवत् २२४१ वेसाय गुरु कृष्ण मिष्ठवतामि आडापुपलवसनरुप्रगुरुकमपु
५ गिणान्तरं वदसपनिवात थवदु क्ति क्ति स्या स्वपदलति स अमं वा नम
६ कर्कशता खा गुणान्तरं क्ति क्ति लामदु सगदु रा डान मनानं ता प्रमरु
दायं मरु मिवादि त स्मनेख ज्ञानेख मनानं स प्रामरु के स राक्षिया के
थवदु आ प्रव विन ना स्वा मिदु प्रिरेव का डि विग विन ता था वल

७. एवका डि विगि यानाद न स्तिता क क्ति क्ति त लिद सारव क्ति क्ति त रवदु न
थवदु सारव निमा क्ति सया ति डा वी न स्या वादु न वरं त ना स्वा मिदु पा
न का प्रामा वादु पा न वं सा दिमा द्या इ स्या वादु या के तो वदु पा न
अन रना खान पुवा ति इ इ स्या त विरेव का डि विदु सादि नन रिका
डि स्या त क्ति नया पि व क थ मि मूवा त द का स्या त दू द ता मूवा
मूवा का डि निष्क स्या क न द व दि मा रू न विन स्या वादु या विदु सादि
प्रो का डि निष्क स्या मूव य क न स्या वादु या के तो प क्ति स्या त व य क न
वेसा गु क १२ क्ति १४ स्या प्रक न स्या वादु या के तो व क्ति म मि मा क्ति
प न म मि मा न्या वि ड अ न्या डा रु क म न व डा न्या म वि ड अ थ मी

१३ मूवा न पितृ यान पितृ कार
 विद दस दस न म दूध क न विवा क न ला डा या हि न मा ध क मू
 विद मा ध र ता ता र पा थ क न ॥ ॥
 मूवा न २२१ व न गु क ३ रु सि वि न या म ना म य द द ड द द ड द
 विद गु पा ना क क या क न या दू द ड को वा हा या थ प व द ड
 विद यान द ड ग न म नि थ नि स द प ना गु ता व र्ज पा नि गु ता वि
 मा न द ड वा र गु ता वे ता वि मे ना थ व सि या प्र मा वि कि वि
 न प मा न दू आ व रू द ना द पा द को वि न थ व सि प मा या प ड

१३ न द यो ना द द ड न द य म य पा द य
 मू मू ति क या द स या ति नि वि त य मा सो क द य क द
 दू दू ना द य दू न र वि थ त वा ना नू म वि ड न नू म वि ड
 दू दू दू दू ना म या द थ चान न ड यो म वा ध कां ड या वि
 क मू गु रि न द प मा व मा दि या क ड या दू वा चान र
 ति प ड या क म ड दू गु म ना प ड या न नू दू ग ड या
 क दि ति थ का या हा ड ना खू मि रि स ड ना नू नो त र थ
 सो ड या दू दू ना खू वि ची ना खू मि रि स क म ड ना

नन नूति डान दू रू दू ना इ तरव वि द या हू न नान अन स व न त्रि म
 डान थ व सि डाये गू ना डी या हू ति या त रू डी क त री तू डी त ना डी
 नाना डी त वू रू दू के त अ स हू नान त री डान चो क्त म थु हू का क द
 हू न द दू डी त्रि ता द द वू न या त ता द त द र वे त थ न डी वि डी य थ ३२
 हू वू चो क्त ना य द स स दू डी त्रि या हू डी त रू डी ता कू ति य न
 ना वू ति डी न न र वे या हि डी सि चू डी त व क म दा ती नि क हू त स ति
 व क रू व ता डी थ वू दू ता थ डी त वू मू क्त अ त डि मि द स मा दू
 त्रि न या त रू अ त रू ति अन दू हू या वू ता त व न अ य वू डी या त
 न द डी न

त व गू रू रू ट मि क हू थ क द सि व कू न नि श वा त्र थ व कू रू रू वा वा
 या अ उ द द स स कू रू वा ३०० रू वा इ ति नि र वा ल स चां ज ग ना द अ
 व क धू म म द अ अ दि क दू रू वा प द स कू रू वा १००० इ क
 य ल द स रू रू वा १०० रू वा इ क गं गं घ ति क इ क वू ग द
 स द क इ क द अ ल ना प इ क रू रू वा १ रू वा क ल न क इ क रू द
 स म वा द म थ कू म द क ना ना ज्ञा श्री ३ गी वान रु रू या प जी सः ॥

नरवाचकाया॥

समस्त २२१ मिआवाटुक्त २ यलवद्यज्मृता नदनरुमगुधिस
वाखेडा तं कजिकदयै हाखा वा हाया वाक विद पि नो कं पो दा धः
या क्रमिपाहिरुलक ना रुम हा तुयखा गुहायमख सक ग्राम
ना धर्मज्मृधिका हा रुया कडा ना विक्रिया अना वद वाखेडा म
इधक बद सत कडा या रुवा सवाना ना रुधामरु क पि धो दो
या क्रमिपाहिरुलक या वाखेडा त धक ल गु आय न ना धमक वाखे
धक रु धमक ना क्रमजिके पु न रुम दय के वा खे धक ल मि नू को के

नरवाचकाया॥

स्वदि नका गुता नत्वम निस्तो वि क्र वश या पा वि प्र मा ज न ना रु गु हा
यो सा के वि म ज धम क दा म सि नी रु लः॥
संवत् २२६ जो धक ६ म डा ५ डा न सवडा न डा वि न डा का धक
पुन उपनयन क द प्रक न रु व ध या न ला डा गु वा
न रु व ॥ ॥ संवत् २२८ मा ग मि रु ३ कृ २ मि दा रु ता म
दा खा नि य प्र क रु ॥ ॥ संवत् २२८ वे मा व क गु ठी म रु
ग रु मा क रु हा कि हा कि मा या का या प्र न ॥

ॐ संवत् २२२ मा ग सिद्धि कुट मा हा सा डा ग व न इ व म
लो सा डा डि दा रा ग व दू को न प डा या व गू पा डा स द य
क या ग प र वा दू क न ॥ ॥ मा हा सा डा ग व न इ व
संवत् २२२ न क के आ वा व क १९ का ग हा सा च न व क पु ने
थां दि द र व द दि द या ना का न ॥ ह न हि प्या डा का न ह कि थ म डा
संवत् २२२ रा दू क के २ स व न थु दि न व दू ता सा क्रिया
सु वं श वि स ना डा अ स या ता इ द डा ज्ञा स यो क थ म या

प स हा या न ता इ या ग कि स ना व ग ड र व ह वि स
ना हा क क ग थ दि र व ह न वा या थं व दू द र वि रिया ना य वा या
मो की को या हा या क न दि प स ड त थु व थ क र मि या थु ग थ ड ना व या
म मि या अ ह दं द थ क र या ग ता का ४ थु दां म दि प सा ति या ग व दू या
ग का का हा या व थ ड पा या हा को वा या दि द या न द वं ता गें वा हा या न द प मि
मो वा हा थ पा म थु के वा का वा हा थ पा म थु के व ड ता को स ड ग या क ग
कु व न थु मि ति नि प स स क र मि ड ग क ३६ व दू ग सा मि म र ड न
थि ता स या हा दि प स ड तं ०० ता म य थु ग क थ वि द न ड ॥

संवत् २३० ग म दयक न सुदितिन न उ गु द म ॥

संवत् २३० रा ड व गु दि वा ग म रि य स ड न स ता या नि स न

३८

संवत् २३२ मिति न र वं भा व रुः प्र पूर्व मा सि आ दि र वा न थ व

क ल ज वा ल स वा न गु थ सि मा न र य अ रा ड का द अ दि श ल ॥ ॥

ध प्र कृ श्री श्व र्ये उ र्ये त स्य गु द अ या ला क व क या वा स वा न गु व क रु
हा ल अ सि न क धि न श ल ॥ ॥ थ यो वि न क रु श य मे सि या ॥ ० ॥

संवत् २३० मा थ सु दि न ड या कं र व ना ला न स थ कं र व इ न न

गु वा ला स व न या अ म त मू नि डि न प ति मं सु वा हा या मू हा

मू सु कू कू दं दं या त न ड द कां दं दं या त न कं म द गु न क

न थ क वा कि द म द का गु वा या क डि ता अ सि थ क त

का ३०० या का न व नि वा ९ ला ड गु रा या त चि क न क

वा कू म मा रु कू ना पू ला न ता च प या अ ड व दि ल गु

वा या वि न सि क म गु या त ड गु रा ला चि कि या न सि या म

३८
३९
४०

थु गुद या आचा गु थिं सुदं न ड गु व हा म वा वा ड क त र
 स व ग २३९ लि थु गु द न ड गु रा ख क्क वा क क्क त ला ड गु रा
 द स थ वा पि ड थ पु मूर्ख र्म घ म क र चा ना न गु वा हा
 पा प द्वा र का आचा गु थ म प वि द्मि चा वा का पा प र
 म म मा डा द्वा का या आ डा सि न सां थ म न स द्य म म
 य वा न म्मा वा र थु गु क थ चा या सि न प वि द्मि चा क र

१ स व ग २३० त ता द य क न द द्मि सि ध क र म हा ता डा गि वा न र व
 २ स व ग २३१ वा ग म ति ता द य क न म हा ता डा गि वा न र व म हा ता डा
 का कि गु क नि ख न आ र वा थ गु क अ र सि ध क र गु ना सि ध
 ३ स व ग २३९ रा उ पा द्वा क प द्वा न त पि ता पू रा गु क्क द य
 क र र्मा गु न क गु प्पे जा गु कि रि नै द्वा आ म्मा त थ क्क
 क गु सि ध ॥

१ संवत् २३९ चैत्र कृ १० रिमस ५ पाकाजि तत्त्वति याथासुस
 नं कर्कसुतदादि
 १ संवत् २३९ वैशाख कृ १० तयाचाकवाला दया आसिता कर्क पूनच
 न्निपता कर्क पूनचानयागुथु दं सुहृनडा पिदू (५) गक १०
 थथनं अनधिकय तकाया पाथि निरु निरु या पाथि २
 गुन गोकसथुगुक थथिक इ र हु थुगु दं (५) मस्यो (५)
 पृदा न नयवसुसक ताथिक थ इ न

१ संवत् २३९ भाद्रपद कृ १३ पंजादुनं काया तप्यं कृ डारु मडा ख
 वासा थापा दिदया नद सी गुथ कर गग डपा संचान थक
 डगुम कुपु त्रि सुहृ तया डोया दानि क्क का पंजा रू न डया थ
 सस सीगि मद्व थं काम रू थ रू मि थ म यानवा
 ना काया तप्यं डारु मडा मू थ पा गं वासाया नरु पुति या व

प्राणिनि

स वर २३२ स्तोत्र ३३३ कृष्ण अस्मिन् रतुवा आ कप दत्त गविता पति ध्याया
अथ अस्मा हिमवान् हिमयाग हिमवान् १०००१६ त्रि आसद् किंता
त्रिकायि ता स तु ता इ हि कि ता क न तुवा हा प्रवृत्त आ या च क पति या
का इ पा आ हा प्रवृत्त आ या ता रु म नि आ ता दू ध वा हा या ता रु प ति च द्रव ३१
ति मू तुवा हा र्त्त न म या ना धु मि म् या ना वि न तुवा कि ता पि हि म्वा
न द म र्त्त न य रु का रु को न क न व ता कृ कि ता डा ना र्त्त न क न तु ता
कि ता या न क म द्रु कि सा नि थ स र्त्त क को व ता कृ नि या त
प ना र्त्त न वि या म् म् चो न क ॥

चक्र प्रज्ञा

श्री स्वयं रवेण या लय र्त्त का नि ष कृ शा न कृ य गु गु ध न आ दि ॥ ॥ गु ध
स गु व द या न ल अ क्रा ता न ल ॥ ॥ स व २३२ स्तोत्र ३३३ कृष्ण अस्मिन् रतुवा आ कप दत्त गविता पति ध्याया
कृ सि के म गु व द धं चा सिं पु म र्त्त सि अ म ल कि न सि अ म ध क ल ॥ ॥
प्र ज्ञा ध का क य द ग्व प व दि इ हाः अ न उ न द अ या क म् या गु प ता च ३२
न व त ॥ व दि लि स पं चा र्त्त च कृ प्र ज्ञा त च कृ प्र ज्ञा नि वि द्युं सि द्ध ॥ ॥

सप्तमः सर्गः

सप्तमः २३२ मार्गमिलगुक्रया सप्तपादसुग्री ३ नीर्वीनयूद महा ग्रां
नालकधया क्षया न रुदना विल ॥ ॥ सर्व २३२ चैक प्रया १ सति
मस्योपाकादि उगयाधवा मृनि गु लाया न मोरु र्या ना रु पलं विल
कवपा नाया दं विल ॥ ॥ उग या प र्जा सक लं विकल ॥ ॥ ३२

सप्तमः सर्गः

सप्तमः २३२ चैक प्रया नमा वाग्धा शव किन रु उ वे ध नि का ग ग नि धु ना न
म घ र्ग का कि गु ह रु र्म या ग ला न ॥ थ क रु अ ला चि या म धि क मि प ता सि नं
इ दि

सप्तमः सर्गः

सप्तमः २३२ रु गुल गुक्रा का वि सि र्वा त य म दू व के ना
खि या य क रु सि र्वा म द स्य नि स अ रु द ना अ न रु थ गु
द या उ न्ता थु कै नि स का ड ता थु त न त का या पा थि २ रु इ य ज
क थि क रु त स २३२ रु द गु दि १ जा कि पा थि ३ रु इ ना नि
सर्व २३२ रु म गु दि १ १ पू ना पू व या रा जा पि स द य का ग या
गु ल रि मि पू पि न म सा ता जा गि व न इ व मा सा ता जा

१२ संवत् २३३ माघ कृ १७ शुक्रवा ३ मं शुभया गुता इ न गन
 मनि अदिमा अरुश्यामां दाना डि या कृ य न गन मनि थ का रि
 रू न गुता इ न श्या गी ह र व दा सा डि वं स थ का रि म मि या
 प के मं अं य ता च य या व रं व ० क मा हा ना य के वा डा न के मं २७
 प रु म्वा प के गु ता इ श्या गे वा डा न नि कू रि श्या ग व रं य पो नि
 प रि सा कू त गा ह र वं ना का तां इ म न कू म अ सु क न रू म
 के डा न सं द र म द य के डा न ॥

१२ संवत् २३३ मिष शु शुक्र ४ प न र्व शु प पूषा न कृ व द वा न थ दि वा पू कू मं गु था सा
 व क नि च कू लि थ व क ध ल कू म र श अ रु य अ ल ह ना जा थी ३ मी वा ले य द्र या पु श्या
 ॥ १२ संवत् २३३ आ वि ध के गु द म मि प्र को द मि क ति का न रु ग व धि ज
 ग शु कृ वा न र हिते क ध या म ति मा हा ना डा गि वा न श थ मा हा ना डा सा मा गि
 वि या सा ति या त क न क न र्म का ति सि कू द या नी डा म म का डा सा ति
 या त मू द या के वे डा ना का न डे का ता ना वि कू क न स व वा वा म द रु ना ना म
 आ मा वि रू म रू वि रू व द वि रू रू मा न न व गृ ह दा सा दा प रं न श या थ
 धा न २१ श र ता ग व ति प्र थ म र व द कू अ शु वा र्क ४६ कू व ड ता सि

सर्वगत २३३ मा गतिनक गुरुवर्ष का सिडान असं यापता सिडा जमानवीनी
 यनमाद्यक गुरुद सिथान कासिक छिदा दूधक यद सइयमकाडा वि
 याना सु ~~गुरु~~ गुरु क गुरु छिडा न
 वडयुद विरति वज्र पाग मरुदया ॥ १० ॥ अनकनस च्छुकि डा वडुच दु विरति
 उरडा पासारु ॥ ११ ॥ मरुदया ॥ १२ ॥ अनकनस च्छुकि डा वडुच दु विरति
 दिपसत को कान मरुदया ॥ १३ ॥ अनकनस च्छुकि डा वडुच दु विरति
 ज्ञान गति पति डा ज्ञान पति ॥ १४ ॥ अनकनस च्छुकि डा वडुच दु विरति
 प्रमथ विन गति यवा रचा द सनि सडा गत गुनाथ पाद इना उपविध

सर्वगत २३३ आ गतिनक गुरुवर्ष का सिडान असं यापता सिडा जमानवीनी
 क्रिडा डा गत गुरुदया डा न गुनाथिना डा दका स्याचू त गवा
 यादयादू कनकत संकति २० निद्रा विविनान डा स्याचू शाकि
 कति नाके वासा च द गत डा नदू ॥
 सर्वगत २३९ का गतिक क गुरु आदितवान धुकनका गुता इ गगन
 निनका गत पडा डा न इति नसकति डा न निद्रा मरु स्रुत वृत्त रधि
 कनका गत डा या धन देव च ज्ञान रव रति स्या यादू रवचन दूधका
 य स्रुत को धम अवि का रा श मा द र को न विचाया वि याहन मिग

१ सवत २३९ माघक शु १ आसित्तन चंश पुन पु राने दनि क आ
 वासाया र्वा १ थक शया कृतया थक शं व जयया दा कु गुपति आ
 सत रा १॥ हनं जिज्ञा व जयम शया थक धया शन थन वापि स
 जिपिं जा हनं आय मच्छा ना पुन पु राने दं दं दया क ध
 न ध क अय मधया अ हनं कु गुपति या कृत थक श राय क
 माय क इ क मावासाया र्वा १ पुन पु राने दं मि गु पति न या

वापि न या

या
 य न साया दा व जयया दा व जय शन पुन पु राने द धान थपा
 दा म थ पा जा श म सिया वासाया कु मि ति म द न म सिया च
 मि स सि सानि जि दू धा ॥ थनं थनं का या वि क न क
 क म वि न सा र्प व म स पा रा क धान कि मा क शय धन
 धान धया अ कु गुपति थ पा न स वं २३५ मि र ग
 मु क ३ य पा न न मु र

वापि न

नक्षत्रमलाज्ञाया साहाय्यशब्दोद्देशः
पञ्चाङ्गार्थः ॥ १ ॥

१३ वर १३१ का कि १३ वीं पू सिपादि स्वपिदा जमदा सकल
 त्र का विद्या कि त क उमा दता डी दि ॥ यद स मा
 यत द स मा र्वो प द स मा प डी ना ला क या डी वे क
 त द व दा त कि ।

सर्वग २३१ जोख ३१६ का लाया था पा रूख वरु नर थं वामरु या र्जो
 म्माया चमूचाया काय दू गवदि गुला न पत्रि सा निवे काया रैव पंच गुण्यं म
 वाबिर को वा लाया मना गुधि पूजा या त डा न थवा तयं म क स थ र्व सिया
 तथ मलो मा क का रि क थ पा मा गु अद्रो व व र्थ थ या त क डम प्रा क्रिया विवा
 म धि क मिया का य निवा गुहि **सर्वग ३९** रा कू गू ९९ गं वा या न रूप नि मू थ
 पा सि ना वू व र्थ र म न दू म दू चो यो त ॥ **सर्वग २३१** जोख क गू ९३ गं वा ला या
 द आ म त ला दि क का म दू व का त वि स ड का गो लो र ग त ॥ थू र्व दू र्व
 र द्व का गु दा गु का गु गु का द ४ म दू म दू चो या त व का म सिया व र

भूगण्डसूक्त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुखं यत्किञ्चिदपि

वप्रणनिशावात रुसिंवनयाद आषा नृकयादगुपुत्रामकाया निधुदकायकन रुदयानदया
 संवेर ३४ मि रागु न शुक्र उदसिकु नृदसिंषनया कमनासिकयान
 लावकपानियाका थसतिकु नृपुनिबुन वधसिया कनातया वृना रुद
 यान दयात रुसिंवनयायाहि न पूकि कुन्या सुचं न न शुल
 संवेर ३४ मि धवन शुक्र ४ त्रंगवान लादला नया समत संगं सिया
 कायविहसीसिंद २०३ स वरुनिवात्रिया जाय हा अ स रु हा ममि आया
 नान गनेम ३ तने सहि

रुसिंवनयापादिनेया
 कोन

कोकन वेरया निजातमनर रुदया
 नृदनेर निजातमनर रुदया

संवेर ३४ मि वेव शुक्रया पुनिकु नृ कवाहाया हानसिधि सिदिदह अं सना गुथ
 यापात्रवीकायासित दहका वधरू पा मरु अं की वा स कवाहाया गुनिड मुनि
 पादयकन थगु कोन इरुन

विमलासिन गुया

संवेर ३४ मि शीषक ११ कावाहाया वधसंगति थपा नयाया
 वना का थवाहाया चं कवान दयात न कना म्वांगु थयावन निसेमान

थापाया
 नरुजाया

५५
 ५४
 ५३
 ५२
 ५१
 ५०
 ४९
 ४८
 ४७
 ४६
 ४५
 ४४
 ४३
 ४२
 ४१
 ४०
 ३९
 ३८
 ३७
 ३६
 ३५
 ३४
 ३३
 ३२
 ३१
 ३०
 २९
 २८
 २७
 २६
 २५
 २४
 २३
 २२
 २१
 २०
 १९
 १८
 १७
 १६
 १५
 १४
 १३
 १२
 ११
 १०
 ९
 ८
 ७
 ६
 ५
 ४
 ३
 २
 १

मं वर २३१ वे साख क गु पं व नि मरु पुष वा वा द न रा
 सा र ग ह म वा स या नि ले वि ० न स म ना म थ रु द या वा स नि मा स
 गो ध रु न र वि न ड क म का थ ना क्को या रु सि र व न या इ ० म जं मा हा न
 गु अ न स म रु क सि मा स दू क हा म द क हा स पा पा ला डि का म य या
 ध न अ प र्व प शि पु व स रु न धा न सा नि या मा ध या थ व दि या द वा न
 क प न मा न अ स रं या ता रु क पु रु या य डि उ थु या धा ध क गु रि व र
 वि मा ह न थ व हि हि वा ज ना ग ले रु रु रु रु वि न रु रि व र या

सं ०३५ को ख के १ गु ना नं द या आ वा द सा ता ड न क र थूं म गिर वू रु श
 वा हा या रु व ग नं द या का या आ वा द सा ता ड न के न रु म कृ ध क
 ख न वा या न क र क्का वा हा या पि रु स रि गं वा हा या पि नि न क र
 थ क थ ध क उ ख नू व द रु ना ध क रु म क थं ध क रु व न वा या न
 क र थ रु रु रु रु रु

संवत् २३११ सा ॥ द व क गू १० पृष्ठान्तरुत्तरासा ॥
 नञ्जिदि न वार गवकलंसा नासु या गु म हा द डोथा
 पनायां दि ॥ सं २३२ वरु क व गवकलं दे समा हा पा द डोकागु
 कौथ दथ स सं दे मा दूतु क वा क दू न ॥ संवत् २३२ वरु क
 गू ३ वा ग म गि स ग व के रु या झ म हा द डो प्र ति था या दि ॥

१४४ दि नि या द गु न प रि के अ धि य

१ संवत् २२४ गु धि न क मू च उ र्द सि ध क दू थ व हि या द गु न स दू सि सि अ
 धं क ल गु वा हा का थ वा हा या क वि दु मू नि क जि का गु वा हा ध क सि अ ग्व या न या वा
 रु व वा र्क च गु मू नि कू ग (थ न या प ना) उ न म द थ का लि जि जा रु मा ध या
 ऊ य मा या न क जि क या गु हा न प ना य क म द धा या मा न य म या स्या क व
 द मू नि न प ना य न ध या रु ग (थ ध क ना रु गु वा हा या क धा या वा क रु थ रु क
 म रु अ या कं न रु क वि दु मू नि म अ रु धू नि धू स्व धू स ना नै म अ ना रु गु वा हा मि

सययाहाइयमांगकलनिकसयसवमशयकंसिअधूकंसदधालमहादिपक्ष
 कषूनत्रागुवाहायाकंसलनिकसयसवशलकडिकाधकनयालाधायामयि
 याधालथाकालियांससियाधालचूलयास्यधयाथधालत्रुथइसेलि
 वाहालंदिमूकवाहारंदिधधयाधयाधियागगुवाहारंदिधत्रथ ३१
 त्रिखदनाधर्मत्रधिकाशाशयाकंसिदियाहाकविदुमनिमनक्षकासिअधू
 कानलत्रागुवाहामिचययाहाहालंदिमिचययाहासिअधूकानलच्छइ॥

रसवग २३८ त्रावारुगुक्क ४ त्रेगवात्रथवहित्रिएदसवलिविलदठकनकया
 रुकरुक्कवित्रजागिगाधोयाहअमसिइआलसचकनागवलिच्छुकिंजलचउ
 विगमिवलियाकचकूचउनाकालनि लवउगयाकेत्रसमहाकालप
 निरुनाउवउपूजापिथिपूजायामथंउपाकसुपाक२रगुमगुध
 पक्षनिकमिदकपूजार्थकावलिमालावाहावलिविलदामसंपवधनाहा
 उकलच्छगहाकलजागिगापूजाथनगधपूजाहिंशयाथासभमालिचि

ऊरुशयापनावाचकलधरुवाचकलथवदिदभसमाहापानीनागसर्वशराभा
 निनिमिर्निशगमनिवससंथगुकथंवलिविलपूजायाककाथवाहागुवाहा
 श्रीऽगालाकाव्यदपालाकषूपमखिलसिद्धिदभखलकि॥ नागोपीना
 गनाऊलुविक्रमसाहावयापञ्चासा॥

सप्तम २३८ धृष्टकृष्णवहस्यनिवात्रषूनिमंदगकरकपनिहानिलागीश
 लथंकेअंहीनपजीनद्रिकसिनामाहावाजाधी३ नाऊलुविक्रममहावा
 जानविवायादादभसलालासमपाथयाकलनाजकइनेरुधुखालसत्रा
 चानशनपा० जययानकल॥ नागगुवाहालैर्गकपधीयाऊः
 अनेपा० यानकलत्राचानन कलशमसा महाकडविमलाक
 थकअनीहनसिनगुवाहाइसिखेमगुयाउपाध्याकेमोचार्थयाकिजा
 मान्यपनिथकाअंभाहैसिनर्थसनिषद्रसंकपधीयाइअनकृकिंदाचउ
 विगकिवलिवियाभसके९ रुयिके९ वलिसहायकैवधूविनममानसेः

तय कक्रीक ॥ थकनं ३२ वसि विलिया लाल स दू किं दाल दय के वडु वि सः
 निवलि पा न दय के ला वड विल थकन गोठी स गो गो ज के व हिलि स सिखी म गुयो
 मर्थ माहा वलि विल ना ज गु वा हा सिखी म गुयो थक ॥ ॥ थ स निखन ना ना न
 संर धु खो स मा हा वलि विल महा वडु क ख हा स म मा न स न क क ॥
 ला ला ल पू च र सि ना का द न या हा वलि विल ३२ ल या धा का २ न कि ना ना मा
 वा गु हा हा नि क स्ये स य प ला क सि न ॥ सा मा गो मा क श्री ३ मा हा ना ज विल ॥ ॥
 मा नि या से न प जी लो क ड थ सि क दू सि म द या हे ने व या ला मा स न क दू या ला
 मा या मर्थ न वलि वि क ल पू जा या क ले न थ ने अ मा म र प जी ने थ थ ला ला ल पा

थ या न दू वलि वि ड आ धि न गु क या नू स मि सि द थ की अं ला ये सि न ॥ ॥ थ न लि
 प्र व ता लो य रु या का पा या थ दू क नि क न ॥ ॥
 स प क ३२ वं मा ख गु क १ हो ने थ क अं ला न सि क दू गु दि प स या क क स न
 म ले २ न या ड न मा क सि न मा हा ना मा श्री ३ ना ज दू वि क म मा हा ना ज नः
 ना ज गु वा हा न स न क न दू न द मा स मा हा मा नी मा नि या य मा ध क न दू
 द न ना ज गु वा हा न थ वि नि यो न जि ड म जि ड म सि या म र या ना या थ द व दू वी
 थि के पू जा या य पा ० ज य या य थ ल श्री ३ मा हा ना ज न सो मा गो मा की विल ॥ व
 मा प गु क ४ व दू वा न य न नि सं व धु ल प या म मा न स ना जी स क न विल या म थ

खड्गपाशधोखनाभभनपूजासखयायागुवाहासिखेमगुयाथाकूनाऊगुवाहा
 उपाध्यासिखेमगुयागधिकर्मात्रसिखेमगुयानन्दनऊकूयात्रविहर्षमखेवा
 हायाराशुमनिमाहानमापिकर्माऊऊऊमानमाहानाथीवगनासिजाकिंस
 कल्पेधपिनशाऊनसकवनेकपा लफखापसानयेमइलाऊनसंनया
 नयाकथकननाहीयाथनि॥सनि धनपी०थपंचलकाधन३पर्यगी
 नातावासननागुहमारकाध२१पा०याहाधसनिधनवधुलषसमानाद
 निऊऊऊलेविधिथपूजावाहानन१पूजाकडेविंशनिवलिकुकिंदावलिव
 लिसधसम१रुयि१रुयि१वलिरायेकछयाधऊवीयेकापंचधाराहा

२

यथाअपवांजायामरुिदयकावलिसुनयापंचनलनयावलिसुदक्षसंछयासम
 याचकधनअवलिकुयागवाचकुसिहाहावधुलषयाथिनाअधभभनसेवि
 धिउथअधपी०सविधिउथचधुलषयागि१पचिलि।रुव।लमधि।
 कहनालेनिधिलिपी०सविधिउथ॥ ॥धनि१कासासि१कमरांनि१२
 नाऊकननलरुहाहाअनगुसिद्धाका हऊनवेगाकपूनवपिर्नवायध
 कनसहसादुमिऊगयान१किंदासवलियाकवेउषविदुकीवेलिवियाः
 अदसहसिकापा०समाफपंचलकापत्यनिनागावासनधजागकयुगीमा
 गीवीधननिअपनामिनाथनिवाथयोऊनयागुसमाफयावाहानमसंन

१६०० म० १३ गु० १ हंस १६ गु० १ क० किंदा लसदीय के वी ल विद्या ध्वं नू लीया
 बाल सवृ किंदा वलिक दुविं गि वलि स हनु इति जहू काली रत्ना लस वलि विद्या
 ध्वं नू जोगी स नायक वलि स सिखे म गुया मर्थ महा वलि विद्या ॥ ॥ ॥
 द्वा पा जोगी स नायक वलि विद्या कल महा वलि पवि लि स नयक ध्वं न॥
 वेमाष ८ क० १४ द्वा धर्म या ला मान ला माया मथे न वलि वि कल ध्या मा
 आन धन कन अय न न ला क द्वा ना रस या हा ना थ ल ध्वं नू वलि पि न ह वे लीः
 वस न पू नि वय थ क नू गिं दा ह र ल स ध्या काल स ॥ ॥ साम्य म इ या ह ले व या
 ला मा र न क ध्वं न (ध मे लि ध्वं नू क० ४ स गु क वा न ध्वं नू ला मा या मथ ना वलि वि

(सप्तम २३ लमि वि वेमाष क० ४ म नि शवा य ध्वं नू क० सि क ल या म ना म य ह
 क वे प ना ना र्ज क क दि नी या के द व ना य ह या अ ल क स न व स ख ध क क स लि
 कि स गु या ध्वं नू व थ न या ध्वं नू व थ क धाल क सि क न द म क न क न ध्वं नू उ पु ड
 इ गु ना ग अ गु कू ह य न (ध र व ध क विं नि या से लि कू म्वा ल द म स
 वलि वि स म न ध्वं नू ल द व द वी थान धन स पू जा पा ठ या न कि ध र्मः
 या न की ध्वं नू ल वलि विं न ध क नू कू द य क ल थ गु क हा कू सि क ल स वलि म
 य गाल स कि पू जा म पू जा सि ओ जी ल वा हा न मे स ध्वं नू पो स वलि स बा न ध
 म्वा ध्वं नू ल मे न मे वा हा न या ना द म गु ख ले दि द म स ध्वं नू न प नि स ध्वं (ध या न

थनलिस्सुनिसन (वासयाकवाहावे १) नानिया कवाहानवे १ नापधनयाकवाहा
वे १ माहाल पूजामहादेवपूजाकि किलाथानि ॥ पयशीसक्रमकसयाकि
लायादापूजामिआशीलनवाहानवे १ धामवडमवियाविधि (थपूजा ॥
द (भापडवसर्वभागभानि माहा पात्रीभानि निमिरुनपूजायाहाः
लमयायक गनरात्रकथानि ॥ ४० सनिखनसगुयामइ धीयाकंदगु
पलक्षनापायपमरुवअनापूजाया अंधलहावे ३ धगुलायमिलाधुलिथ
गुलायमसि पत्रमभरीयादयाथक अलायमसि पूजागुलापाले ज्वाहाया
वजपाधिवेगोदवानन्द मलाधक मजामअसां रागसकर्ताविह ॥ गुर्ले ॥

सर्वग २३० रुगुलक मू ६० अरुमि नगंया दातमातायाक्रामूजाप
ववगावरासू रागकाया दूक काये मचाद २० निदसरी कगिनिगया
सोम काय मचावदुडान मास माताइ अवेइ वरासूइ डित वदकुना
मविधक अतलुगेमाथाका पिसनककुतंथपादे स्याअत्रथरेदी
याकोतमदुअत्र गथाकयथा त वदकेमपूअत्रय कथपाददुदयात
वदमुकु मगे कपेक कगिनिगसरायाविकलि विसस्वपावला
अज येथायायावदकुव आवा नर दसअजागु थि द्याहा
रुदु गीकाय अजागु थि द्याहादि थथी के गद

१ सप्तम २ ३८ आखार शु क ग स व ज
क प र य क य न क ग क व ल न ल म

पाणिग्रहद्वयनिर्गमसिंघकण्डि॥
यानां३५॥

[illegible]

धुसगिरु दु द्रं पांगिथ सख का डाना नाग पडाया स नडा नाग गोय अरु स ग डा
रु स्या श्रप ये सख का डाना सा डाय कं त्रैव को या बुज बि स प च प वा न पं य स
व स म दिक न स ग या धु वि सह सा ह मा सा ह डी न प ड थ क पा डा स ड अ ध ग ड म
य पं च ग या सि ध ने य पं सा नि प ड आ दि प ड प ति द ड प ड क ड सा ध न आ दि
ग ह न स सका गि ग वि न स र ड स मा बि क स न्या स पं च स रं पि न अ र स द न पं द म
र न्या स द या ग न्या स द न स पं च र स पं च ष वि पं च व न क ड स र व पा क म व ग
न ड न ड प व न ड स्व ग अ प ना डि ग दा की रि मा कं ग या ड ग या थ न ड पा यो प रि क
म न प ड ध न का डी न्या स द थ प म स पं च वि स ति को वि स थ न ड पा या द ड या
२५ अ

क पं च वि स ति का धा नि सं ड वा कं दि ना डा आ चा ड या न का गू दा वि स गो य
अ र ग डी रु स्या न स्या मा ना ड स ड प ति थ या न र व ड थ ग स ड प डी हा ह
गो व ड ति न र क ह रू द कि ना डी न प ड य ग व य स हा सा हा डी हा व
स व व ड ड कि नि य ह रू द प ड ड च ग व य हा रू द
आ चा ड व ड स वि प द का स डाना डी न्या स द स ग य अ र ग डी हा स द थ स
स्व न मा ना क ड थ क प च व क न ड वा क स व कि स ति डा ग स पं वि स ति का वि स
द ड या गि सा द को न ति क द डी या न न व द द का न्या घ न या ह व न या डी न

थनत्रिणापिका या फूद डाप या डाग थनत्रि अग्नि थाप ७२ गना हू मासकि
 पडा डापडा देवगा हू सरु सका हू मासा हू गाग हा दा रान विथम दि पडा म दधि
 न सावन द्यो मना आ सिवा दे च पडा द गु समव वा हू न्या सद्येन विष्टव क हू उ हू व
 पवक तव व म रथ हू सद्येन द म क यन ७२ स द त्रै प द म वा सकि आवक म
 व विय त्रै वि स द न स थ न थनत्रि स म मा व क सहा न रातवक धू मा ग म मव
 स वि सान क का २२ थो स थिका थ

स व त २३ २ माग सित गु क १९ गु क वा र द्यो गि ७ च विना द्यो गि ७ द्या प रि थ म वा
 ता सिक म गु या पू आ गं म स पु रि थ म न थु वि क्त प रि म न थु २ स क म स ति र व क्त
 प रि म न थु प रि थ म प रि म न थु ग ह न ड ग प ड क र्म स ह सा हू मासा हू स हा हू शो न मा क प
 डा स द्वा पा या पि गु वा सान ड पा द्या दा व रो प थ क री मा का ड ड म न डा पि न न कि डा पि न
 व्या पा त्रि दू ग म वा न र व स ड्या र त थि क न दू ग म का र म्मा र व थ न गु य गि क र व ड्ड २ स
 सि व वि गे वा न ड ड म न सिक म गु वा हा यो न नू प रि थ म्मा स नि नि क स्या ड के म्मा स
 म ड्ड क स ति र व क्त च डो वि नि ता रि ड वि मा प ड्डा क र्म प ड्डा

लहिनिक्कया कस जाया थो यना मलि आना ला मा अरु सा मा थो मा के पजीन
 सर्जथिविलमवा के म वा क थो ३ मो हो ना जाया ॥
 १२ व न ७५० को ठि ठु कु ९ को थ वा हा या थं वा म नि गु वा
 या क जा न मु वा यो न का गु वा हा न डा का या इ र
 सि या यो गो च व त्रि न त म नि का या या ना ह न थ वा म
 नि का यो च का घा न न प स र्व का या द या थ या थ क ना
 थ का न ॥ १७ व नि क ते क थ थ इ से ह न न ज स यो ज का न
 व कि स थि इ द श ना न क थ द या स को द ग प डी थ थ

सर्व २७१ माघ शुक्ल १० मूल नक्षत्रे २ म २ अंश वा नक्षत्रे मूवाहायाथ क
ला गुवाहा कुमाहिमा दूया आ गे स द्वाहा डान ग्वग् १० दंष्ट्र दया न
गया डान नय पूजा दसमिया सिकं मूगुया थक सि गुवाहा नय
श्याना वा वा न द ड द स या दि

०
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००



सव २९० वें साख मुद्र १९ के ररु म ग थिया क सा ड म ग थिया गुवा हा विन न डा
 म डा ना डा न डा पां द थू स प रि सा लि पा पा रि सा द य का ग र प रि सा म या विन न
 न ररु मा डा डा वा डो कि की को द निरु ड मा डा डा ना प र व डो य डू आ प रि मि डा के
 वि ध या डा ग रि स र म डा डू म डा धा का वा हा या गु ना न डू पू डा प रि सा च न प
 डा म या क गु वा डां ग्र न स प र वि न नि वा वि वा कि १ डू अ द नि नि व गु वा हा
 डा न प डा म या क वि न र म डा के म डा ध क र व डो डा नि वा वि ग नि वी का चू प
 या क डू डू स वि म द थ क प डा म या क गु वा रि धा या ह न रु द ला डू गु वा य
 के रु दा डा न नि वी का अ रि डा न प डा म या का ध क डा वा डा न थ म डि न क रु
 १ डा हा

विन न डा क सा डा ग प र मा

अथ मातृगुणान्तरं सूत्रं महाभाष्ये अथ कृत्वा गुणान्तरं पूजाया कृत्वा
 वाहायावर्तिरुर्वपुःकं यानाविनं कृत्वा मकोडा न नमोऽर्चं कृत्वा मविस्त्रा द्रव्या
 न्द्रव्यकथं स च पौरि रुया ग्यापगया कायं कृत्वा गुणान्तरं थथवावा
 विनययगावपुःत्रिधा न वाकि निवाहावि न कृद्यमावा न प्रकृष्टा युवा
 मया कृथ थ डिड जमान हृदयं गायत्र्या न जमान स ग क कृत्वा ग
 जमान डाख कृत्वा कनद कृद्यद्वन यच्छाया ह या पूजा मया कृथ कं कृत्वा हा न वा
 न रव कृत्वा निविग पृथ मया काख थ न विग दना संभूत विग दना स्वया
 निवाहा द न भुवाहा या निवा विनं मडा सा नो ज्ञा गुवाहा पाडा न गुवाहा या मदा
 धिया न या यथा वा रे विनय कृत्वा सा डा गुवाहा वि डा न निम यच्छा या ग

महाभाष्ये
 अथ मातृगुणान्तरं सूत्रं

सवर्ग २९० वे साख कृत्वा २ ग निच वा न स गु स लूया म द लूया वड को ह या
 सिह कृत्वा ना स रं स ना सका गुवा द का गु सिध का कृत्वा ना मा इ रि हा डा दि
 सवर्ग २९० आ गुनिकु गृ १९० मावा सिख कृत्वा अ स व दं ग रु म थं न धि व द
 पूजा या कृत्वा का का वा हा या सि ह प गि डा वा ग्रा हा ग रु या द म नि
 महा व ड वि न ॥ स ह न सि व ॥

| | | | |
|---|----|----|----|
| १ | २ | ३ | ४ |
| ५ | ६ | ७ | ८ |
| ९ | १० | ११ | १२ |

सं ८७ विग मुकु भवति न रुद्र अं गं वा नै, क स
 म ग ह ना प ना ग खू ग १४ म्या कलं क ग थ सि
 के न
 सै व ग ८७९ इ ग्र क गू व उ द सि प्र अ मा वा सि
 अं ग वा न खू कू म वा हा या थ क ला गु वा हा डा सि
 के म गु या ड या न द सा ड गु वा हा व कि वि या

म ड या न द व र् कौ या सि के म गु या थ क सि म व का ड या न द या का
 मु क म ड व र का त्र थू गू सै व ग स मा ध क गू द स मि खू कू थ क सि
 प्र तं य दू मि या च ड या ना वा थ स ड हा हा डा ना गू १० दं ४ ग या
 इ द द स या ना डा त्र थू गू व अ दि कं व इ र थ आ डा थ क
 अ डा डा न म ड म ड हा डा र व क थ क सि न व र थ क व र जि
 अ व र थ आ ग द डा व ति थ मा वा न ग ह डा रा इ या डा ना वा
 ना व न ड वा या हा हा इ या म न र व मे क स स डा व र सि के म
 या आ र म स वं डा या न

गुया विमलप्रतापमावाञ्च नरुया डयप्रदडाउयाद्या हा म
खेवाहाया नहपगि कं मावाञ्च सिकं म गुयाजिर दद्यडा
सिकं म गुया समान्वावा हा या महामू निष्वावा हा या
समशदि वीज डू व क कन थूख ताइ या मनूख डना हा
यागसि स क डान थू पि डान सि थू कि कू ख द पू डा मा गु
या व क थू क या न था या थू कू क मा त्रि या आ ग म स व
डा मा दि

संवत् १७३१ चैत्र क ग अ मावा सि प्र यदि प ड्या व ध वा न थू ख दू ड
न वा हा द मा ड डा कू व गि डा न न ड न ह या स ता ड थू डा न वा
कि न डा न डू ड म सि मा थं द डा या क न था ग त द डा या क वा वि डा न
द या स या न ड थू डा न वा कि न डा न

संवत् २७२ पोख गुरु १२ अ ~~नरु~~ नरु पणि वान् प्रारुतिया
 गन पणियासां इथि इ कया दि गुरु या नाडा वरु इ क स्या सया गुरु
 मच्छिया वा मात उरु विग वि मजी पा जी म डो डरु म डि ~~डो~~ डो
 या सुख सा सिध अया ना सा वे म्मा न ॥ संवत् २७२ वे सा ष गुरु दि २ अ
 संवत् २७२ वे सा गुरु १२ अ दि ग वान् नथु व् प व द्या या सा म
 म्म प म्म यथ का विगा ग द रु सा या प सि द डो प्र म्म व्म कि वि द ग रु सा

संवत् २७२ माग हिल गुरु दी र्वा सा वि द डो या गुरु कि वि स सि द
 र स सि या ल्प गी ग र्थ न या मा मा ई ॥

वा वि ग म्म प ग म्म

[Blank parchment strip]

संवत् १९२२ अशुक्ल शुद्धि १३ स्वाति पु विखन रुत वरुपवा रमद कद विदवा ग
विवा सति पिथि ना गारु इ सं क ग ववदि ज म न दिां ला ज स रु ना
डी डि न ड क न या ग र के मा प ड या ना दि न प रू प ज प च ग व न स क
रि न हो या व ड पा ग वि या आ ग म स ति ड म ड र प ड स म या च के ग
व के र सं व १९२२ अशुक्ल के १२ मू र न रु व वरुपति वा म या सू थ को
पां न ग र म ग न य के स व नि थ स ल का ड ना ग वी हा ल स ड म स ना स थ
या ना ड ना ग प ड व ग र ग या ड प ड म ल रु न या प ड ग म द ल ना ग ल
व ना ग म स प ना प ना स प ड अ व यो ना प ड व व को ड ग य अ रु व

दाहो साहो रा १०६ सिति या लुया दाहो साहो डा हा दाहो साहो रा पा
साविको म म १०६ अद्य माना था को त्रि तरु यका दाहो सा दाहा के पति
मा वि सरु ना मा डा अस द र प द म वा डा दि ने को डा प को प वा ल पू ज्ञा ना ना क
को हा मा आ का म ग ग मा ॥

पुनः मा सह सा ह ति डा रं क न स प डा पुनः पुनः सा पिका अ द ब डा ता व ना
व को प वा र प डा मा स द न स, प प रु य अ स न, प व वि दि प व व ल क र ड पा
अ मा मा सरु त्रै सु या डा अ क ग मा डा ति थ मा ल व पू ज्ञा न थ ना डा मा थ
स प वि स को न, ग न वि थ क र स ग थ, प व वि स का न, द डा स क न हि न

प डा या म न व म ग म ला वा डा डा पा अ मा क मा वा अ स द म सा वा मा रा ता थ अ रु
दा मा न डा ना प वि स का डा ना ज प, स स न म म न १०६ म मा वा अ म वे न प स
व डा स पु व द का सा डा ना डा ना थ अ रु अ, र डा हा सा स द म मा गु ना घ स स द थ न
स न व म पु र थ प व वि स को न ग रा हि न, म डा क स मा डा स थ ग थ दि सि क क द डा
नि सा ति क, म वे रि सा प डा व वि प न, न सा के, अ स मा ग क, द डा मा ग व व सा
पू मे प र न व म, डा क मि द्य हा प डा स द ध ना गु प डा मा ह वे द रि ना व सा दि
क र हा य वा वा नि स ग थ, प रि क म डा ग थ अ न द द क व ह स द ह थ न या प व प
ज प ला ह वि ति हा ह ति स र वा ह ति वि स ज न, मा घ न स स व मा न द हा वि स का
इ उ रि व व को प ग व हा प न ग व हा ना ज अ, द द अ थ मा डा वि स को

[illegible]

धूमसिखरुन्या रूयै सहसा हृदय आनमानकृता ताका उग्रावविडा थ
 कादिनाकिनाका नकिनेषा दृष्टा थयाडा थ का निग्रा घडा को हया गुनधमि
 वाकपत्रयाडा अस्तु मंगरोगेडा पाडा विद्या का पूजा आनता कनसपूजा व
 नउत्तुग्रा घनसपेन ववसपेन जाया ना तैव विसनिका रुना दको दोडाया वत
 पंचविसनिका रुचा कदिना ग ० उथके थको विना मलावा थया न
 विद्या उवाक्का सा हो कमावा थ मझ सन तोय अरुग दोरु सा तो सा न
 मासा श्री नव विसनिका डा बा ना मंगल सन १०५ मलावा थ वजस
 पुद्रको डा नाडा मघनसका मत्रवनपडा त्रय सकु रक्त काय नाय अरु न
 नय पाखो कमान सा हो नूक वायक को डा डी कमान ससा सकनेत पु

निथा अगुथाप अगताह मिदवत हगिदव गह हहसाह गिथमयाद
 वपुसो सिताह गिपताह गिसेवाह गि अगमस सिताह जो वपुसासम
 माचक्र चक्र ॥ ॥ सवत २१२ ताड गुदि १२ उगवाटनरुगु मोताग्य
 जडि गव हसपत्ता सधुदि नखू कू दविदचा गुचिवा पुनिथ माना
 यदि गुतात्रावाहा यावडपानि उपाया हा भावाहा याचक्रपानि क्रमा
 वाष तह यावड हस मिदिदं याद सखू कू शक मनि सवस्ता द
 सगे याता सगिदिन को गुहिनरुग्य दस के मे पुनिथ सवनी सिध

इजमानि जयलरि सिद्धासाजि रतवादि थकारिता नरासिला को गज आ
 मस के मा त्रियडा समयाचक्र के मा सधं गलनक्र सखक्या वन सति नखबीसा
 न सते ॥ ॥

ॐ सर्वत्र २७२ सावत ७७७ वरु सपगिवा न इ इ ना रि व वा क न द्वा सा डि ग इ इ
मथा के न म इ ध न ग सा छि वा या न वं डा रा सिं झा स थं क डा न अ द
क ५ डा ना डा स नि ध न म सा कं ना गि इ न रू किं ड कू सिं सा सि मा
य स इ इ सा छि ग या ग न मि सा वृ धिं थ थं व व इ या ग स तां न या ग
रू का वि न ग सा कं व व म इ डां ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive style and is arranged in several lines. The right side of the page is partially obscured by a vertical strip of text, possibly a margin or a separate column.

Handwritten text in a script, likely Indic, on a piece of aged, yellowish-brown paper. The text is arranged in several lines, though some characters are faint and difficult to decipher. There are small holes and stains on the paper.

Handwritten text in a script, likely Indic, on a piece of aged, yellowish-brown paper. The text is arranged in several lines, though some characters are faint and difficult to decipher. There are small holes and stains on the paper.

इह साकेतिकिदा वड विन नातिमा सावा वि वपुजा या कला गुवाहा नवाहा याथ
कालानवयासा सतकलाया नामा रु के या के थथना के सति क या नामा रुडा

१ १११११ १११११ १११११ १११११

१११११ १११११ १११११ १११११

१ १११११ १११११ १११११ १११११
१११११ १११११ १११११ १११११

संवत् २१२७ आशुनी क शु १२ सदा रु नया वद ग व न प मि स ना
वाभ नू का र व झा क न पि पि ना ना इ र मा भा ह ति ह प ता प इ र मा भा
रु न के वा हा इ र इ र मा भा ह से क न व क थ के अ न दिन इ हा प मा
प क का य इ र न या अ क या भा १ वी ग कू ग स व का र व न स
व य का य स ज मा ते ग मा वि र थ वा वा सं व त ८९३ इ य मा स व य
गु ना स थि रा व डि स पा य व डि स ड गु ना या ग क १३ न उा गु सा
इ थं जो न इ मा गो ता ह न

[illegible]

लनाडाह, असह, कमाजियाग, असह, गुवाहाटी ४४ खद ११ याखद याथ
 थेवायाऊक दहनामास २ गवदोडा, मोहखकडा सखुपरवदमापा
 यमासुका नेवायमासकोयमदुह दोनगधक डिनिमास १२ सिगका न
 विगायापमाथवहिया, मनपमा गुवाहाटी दहना, अवागका ४४
 विख, गुडागका २ दगुखकग नका ५ अवाविन, थथसिगका गु
 डकपासुका नेपासादेकाया, अवाविन, नका ५ सका नका नथव
 हिपमायायमथ, थिगाइनक सजया केदामन कायाय मा
 हा १०२ सखिडा निगका या दाम स नेवका न

अ संवत् २१३ वैशाख शुक्र १५ वा नक्षत्राक्षर यावाका जनां अवागमा हविन
 अथविमासका अया मविडा वर पा निथापा या गपनेपुता नदयाकाय
 थुगुदनि ससकाया
 संवत् २१३ अक्ष शुक्र १६ स्वमवा नक्षत्रवेतिदकको सिना नक्षत्रया
 यान फासक नकाया खसिचूक चूत थथइयान उथा मनसिचूक माता
 जो गीशाऊ नाऊड माहाहा जो याय जो सेथक न

सिक

[illegible]

सं २९३ नरक वेग मुदि १२५ न अ ग द मु नि ह्म म द्वा स धा पा न स रु द ना प्य त
 शक्ति यु त का या क सि द क न गृह या रु खि उ क न व रू पा नि या अ ग्न म स प त्वा श क
 सं २९३ वी मु क १२ ग नि न रु मु क वा र द्वा स रु खि न मा म य द्वा मा डा रा स द जा प्य द्वा वि द्वा क
 द्या म र स अ दि क र व द्वा क द ड नि म स रि सा म गि डा दे र व त क न म रु न या द्वा डा
 स सं पा त उ रू ता ता म वि सृ द्वा स ता ता वि न रू न डां ता म वि डा ते न डा अ ग्न म द क न डि म
 ग ता ग द्वा ता ग द्वा थ क र प न धा न म्ना न वि गि मा म द्वा न वि द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा थ
 न डा न वि नि पा त ता नो वि न थ स रि व द्वा रु या च कि न ध का मा त द्वा न स अ या ग द्वा क
 डा म्ना ग्ना ग्ना धा न वा ग द वि स रु न रु न ध क रु ता डा न न व द्वा वि क ध वि य
 डा डा न डि म र प नि ध का नि रु क वि न थ थ ग्ना न रि डा म र व न मा म रु स रि ध क

१ संवत् २९१ आखा गु क्रर मुक्रवान् मीपू द्वा डान् (अ म ग) आवक
 ३ व व वान् स गु ल थ क सि प्र मुख क्रि सि (अ म र व न क) मा हा म्पे डि क र
 डो प मा या द ग या पि अ १० स गु द या क प व स रु पा थ ना ग प्र नि स
 म हा स ध व ड र वा व र्थ थ आ ग क न् आ ५ कृ गु ठ ग वि व वान् थ र व कृ पू डा या ग
 स गु द यो क स हा हा हं रु ग र्थो व ड म र्थ हा का ना ग प्र नि ड र ड हा र
 गु म्म व न पू डा या क सि म गु या न द ड प ड्रा हा पा व हा मा व ड प
 नि (अ म र व न क) डान् स र्थ वान् म ड (आ र वा ५ कृ गु ११ व र्थ पा गि वान्
 पा ५ मि २

१ संवत् २९१
 आख व क गु ११ आदि न व प्र थ र व न् प ड ग थ पा थ ग न् घै न ड ग मि र्थ न
 अ हि वि गु ल रु ध्या आ ड म क या डि ग थ डाय कौ थ म न् पा वा का या ग र्थ
 ड उ स थ क ग ध्या व ड र व ड प न ड न सि न र्थ का डि ग थ डाय कू न वि
 मि र्थ क मि या द ग गि नि डि ग थ डाय डि ड ग थ म न् ध्या व न ड
 ड ग व नि ना या को व न् व र्थ न सि न ॥ क

सं ४७७ गुनि क १९ गतिववा या वा द सग कारवा वान
 सं ४७७ गुगु क १० आ था क प्रकन सि वि नि थ व ७७
 ना प्रु द दि व क द्वा का द न सं ४७७ वा व ड दा से प न डा ग
 सि व क वि र सि डा रा ड न या था श्री ना ग य नि वा व
 गु सि वी व न डा ग सि मे ग पा हा व द गु नि स ॥ प डा ग सि व न हा व
 न द गु व द न क ॥ थि

सं ५०० वा ना य द या ग द्वा य गु वा ना ना या हु न वा द स द ड ड
 रु द वा ग व द्वा य ना था स था स द या मू नि वा व प व का
 ग र द ग स वृ म कू कं ना म ग न द क थ थ स न यो या
 क स द य क द स द ड न रा ति सा मे इ थ कू ज ता ग कि न
 थ थ चो व न म वा या मा सि ग व का रा ड वा य क स वा क म नि गु
 रा ड ग सि वा वि य म वा क म वा थ स नि सा इ न ॥

मं सु नं ना वं नं ना सिवा द्वा वे स्या चक गन चक म मया थ
पि ग्नु ना न न द रु ना वि या त्रि न कु प्या दि डि अ वि न मा दा
डि क्वा पा डो ग नी को र्क वं वं अ रा हो वि चान म इ दे या म
हा व वि या हि सु गु चा या च्छा न द स स द स द क्क वो ड थ क
मै व ना गु ती त स प प थ नो द स द्दु इ न द्दु स द्दु य क थ थ
न सि स द्दु उ थ सि म वा क या न्क को डि या क वि गि या ना

अ ता ता थ सि प द्वा या स प गि सि क म गु या न द रु क
अ वि रु ख म र व वा या रा द्दु म नि द्वा अ ग द्दु अ ना नि द्दु
द्वा स द्दु ग वी न च्छा द्दु स गु द क स रु मा द्दु गु अ न
मा वि व स द्दु वि व व द्दु वि व रा ति व उ म रु द्वा डो को सा ति
पु सि डो डो न रु स र वा ति डो डो न म प डो प न रु न डो सि डो

सिप्रमदू आवागसपाथपूजायागताताखालमाहावडविनत
वागसितगुतागसं सगुदययाकेशुशारुमवगिपैवदित
गिकोपाथसंकसेपमरुगीपनश्यमरुदडापनरुगगिप
पुनस्त्रपियेवनरुमाहाकारपंचनशापनमानेकपैव
नशाउमगधिकारवैरुगुदययाकेशुशारुमवगिपैवदित
सं गुपंचनशागुताहापैवनशासगुदययितिसंवा नसिमर

संवत् १७७१ आवागसपाथपूजायागताताखालमाहावडविनत
तया डालात्रियापुनदेनपनगारवाडागुदययाकेशुशारु
तांतलेकोपापिनिसंयामवेमरुदययाकेशुशारु
संवत् १७७१ आवागसपाथपूजायागताताखालमाहावडविनत
लोकसिनाडा माहावाडा ग्रीशलाडनाडंदमाहाला
डाविचारयानाडा वाक्कनपाथपूजायागताताखालमाहावडविनत

मित्रयश्याडा द्वा पाया पुधगिकनधकं क्षयाडा कक्षायाग शुभयनाहन
 खनं भायधकधनं सकनहनमहादिये दायकखनं भायधननुधन
 सकन पुधखनं पुधगिमन्धस्यं पूजायागकसखधकं सुवाह
 ययावर्जहखनधस्यं विप्रगुव दनधकाधक पुधगिकनध
 ज्ञानकवपूका सकनखयौहधनमकंस्यं मित्रययानात्रलाकनंसंक्रि
 फणिस्य यागउपाध्ना नूविहधमयास्य सकनंधधस्यनेयागधमक
 ममसिधनि॥

सम्वत् १८८८ मिखवाधयुक् द्विगियागुजवात्रधदिनखनं स्वामिर्द
 सनक ससवाया मयशुदडात्राहायाक्तयाक नूया मन्त्रगिदयका
 डागत्र दनभात्रगुं कयाविधुंधनसाहननत्र मखं वाहात्रयागवा
 हात्रलाकनं कक्षायाग किनपुगिस्ययायमात्रधकः
 ऊजमानयोगुहाहुं गुं वाहात्रयात्रलपनिधभावाश्याडा नक्र
 वाहात्रयानूविहध धेयागमित्रयानाडाश्रिगुवेदडात्रलाकनंडा

२ श्रीगानागिममयशुदडाया॥

संवत् २९९ आ ठुनिक गु११ सुमवात धुखु कि आपमगनय गेश
 या नडासुद ग सित अलि कारमरग तथा सुदु सिन धनहा दोधम
 आडाद ग ॥ ॥ ११ वत २९९ माद्यग दि २ सुमवात धुखु पूर्वडा
 रुया मानध रमिगदडा संग दयातपताका न गुता न मा का
 होया वरु पान लोडा गुवा होया क नमनरुया मिक मगुया सारु
 वाक जयानेद स्वासिमा लाजगुया पुम खंददक ररवा कुकेगु
 वान ल शार ग वतिवरु द पववि सकि का पाथुका सज्जव

रमयविया राजा श्री ३ राजड विक्रम साहावया पथास ॥ ३ ॥
 मेव २९९ वेसाच गुक्र ९ यरुया गवा साया ग गु
 वनडा ॥ ॥ ११ वत २९९ माद्यग दि २ सुमवात धुखु पूर्वडा
 रुया मानध रमिगदडा संग दयातपताका न गुता न मा का
 होया वरु पान लोडा गुवा होया क नमनरुया मिक मगुया सारु
 वाक जयानेद स्वासिमा लाजगुया पुम खंददक ररवा कुकेगु
 वान ल शार ग वतिवरु द पववि सकि का पाथुका सज्जव

१२४४ वेगुक्र २२ गगया न कासवाक वृद्धग था मगरिकु निम
 जाकासा गुसस नो नखन मद् वह नीया घटि १ य उ च्छुगु त्या जाय
 वेलस माहादिप श्रय का अ विमं खन द थ स वा न व
 च्या कुल क काया न ल लाहा नं क टि न अ अ ज ख वा रि
 नु निमं क टि का ग ल नि क स्या मा ल ना क धू अ ख म द व या मा ल क
 उ का ग ल र्व र सा उ उ व व न स ग ल स न कि अ थ या वि दू म त थ र्

संवत् ८९९ ~~म...~~ मिचवा न मा डा ग्री ३ स अ ना
 इ द द मा हो ला या न वि ना स र दि ना त या स र भू को ना ग स र गि ना गि
 इ थ वा न रा नि न सि ग थ थ इ या डा दि दि १२ सि ग र्व क २१ स ग
 थ थ इ या डा द स द को कृषा क के गु वा हा न ल सुा त ग व गि क व
 द पा थ थ म क र ल वि स र वा थ स थं स गि ल व न नि स वि स र
 र इ इ या ०० पा ०० डा ०० क अ र पोष क गु अ वा स्या न नि च वा न आ
 र त दि इ इ ०० पा या न वि या न गि व च मि र्व क इ ति वि अ दि

सैवत २३७ पोष मुकु ६ मुकु वान जिवा हा या साइसन पीदि त अरुइ मूनिद
 तदुडा सपति ०० ना गुड उमा पिवा ना ०० ना गुड रा या ना मूनिद तदुया
 दा ति कुं डा ग म न त सौ ता स रु दा योग उ उ मा न ०० गु मा न म ड या
 थ क थ या डा दा इ ता इ म न डा थ का थ क डा वा स वी इ न थ दि
 त म थ थ क र वि वा रि स पति या त्रे डा अरुइ अरुइ डा नो प म
 थ अदि क प ते या न्ना या थ थ क अरुइ या दू कि या थ या मा रि त
 त मा थ इ थ क सून म सिक का डा न दि न ॥
 ना

सैवत २७८ को क के अ क प्र दि प्र द त या र व अ ग्र ह ना प ला दि थ या
 सि न्ना प ल ज क म र अन थि क इ त रा द व मु कु पा य न मा ह या पा थि ७ य
 सो थि डा कि श्रा द को कि मु क डा कि पा थि २ क नि मा ह या इ त थ क थ
 अन थि क थ इ ल मि डा द डा क द थ क थ स अ क न इ ल अ र्क दि त
 मा ग सि र मु क इ थ क थ सो डा द न थ द ड र क मु नि स अ पि ना स
 क म थु क या अ स मि न डा पि त रा द व मु कु नि स अ दि त अ ग क नि
 व थु स नो क प या वि त र व स म डा प म म क स रा क का ड थि य न
 ना क डा त्र या वा उ द य ने डा द ग थ म ग व द पि ना मु य र प दा ग पि न
 गु वा थ य र व र र र र र
 ग ह ना प ला

सवत २९८ कातिक क १ पाद खू ० थ कदि यावस का वा स्वा ॥ मि ॥ पन
 का गि ल वि द डाल थ गुवा पा ला क का बा हा या अ म गा न द ल वि वा र वे द्वा क न
 गु गा पा ला क आ वा हा या द वा न द या प न वा गा नु पा न म वा गु ला इ या ता वि दू
 या न का बा हा गु वा र वा वि ओ वा या व ड वा नि द वा न द वा थ क या ग वा न थ
 द्वा पा रो द व के गु ३ ति ओ या र वा थ क द वा न द थ क मा मा गु रि थ क
 द डाल थ गु नि से वा गा म थ क दू ग द ॥

सवत २९८ वैश्व क १ गु क वा ल थ खू स क या म मा गु वा ला वि
 गा म नि गु वा हा ल थ म न नि च द या के स वि वा द य क ल अ कि प क
 थ स जे दे थ प मा ना दि गु वा हा य द म या आ वा हा या व ड थ ल ड वा द्वा
 हा ग र मा अ वि ह वा थ क मा वा हा या अ ल द व ड ॥ वा गु म प म
 सवत २९८ माघ क १ गु १३ ड गा वा ध न शे ग व प वा न स क या म मा गु वा हा वि दू नि
 वि वा हा द या स के ना या ना दि गु वा हा का वा मि मा पि न ॥
 सवत २९८ मकु पो र व क १ गु १३ अ ग वा न वि वा हा द या ल द मा स गु वा
 ड प न ज ज मा न ड पि न व क पा नि ड ड प गु वा हा

(गण) दूनि धन का अ समुद्र विस्मय वलियाय ॥ लि (थन) का व विन न्यव न्मात्र का
 स्यं गुवा हा न म क ट न प स्यं व ज र्घं ७ जा न न प श्रा न न जान के थ न पा र थ जि के थ
 वा स्यं लोक नाथ व द नि पा न स्यं द न जा जा ड न ॥ लि (थन) का व न स्व जा न
 न स्यं लेख स्यं द न य न ॥ ६ स स ग न्ध वि पा न २ द गु स क व आ क स द य के प
 जा मा न ॥ ॥ शि क्क या न स ग व न वि य ॥ ना ज स ग व न १० द ४ न य के न क्क य गु
 वा हा न थ न पा ड न मो स्या ल क्क स स म या च क क ड ना व जि क १ हि ला प ला गालो
 उ र्वे ज हा प्र व जा ले थ नि वूर्ध्व क्क ॥ श य गु रा ल स स ल गी गु क थ ल पा मा ल

॥ वि व न का ट क्क वि व न का ट वि धि ४ सा स्यं या य स म ली ड नि क्क स न य
 सि आ जा न ल प जा ॥ का दा या वि कि धि क र्क क वं द क्क य ॥ का मा लि प्प जा म
 या क स म व श ज थ नि ज क या न मा ल र नि म या न स्य व व नि व व्प
 अ वि व ल का ट प्प न गु क थ ल पा म थान क्क लोक नाथ वं द क्क दा
 या क्क न र ना ॥ ॥

कुरु कुरु कुरु

॥ विवत्रकाटकू विवत्रकाटविधिः स सास्ययायसमसुडनिःकुसत्र
यसिअमजावतपूजा॥ कादायाविकिधिरुक्कवन्दकुयाकूग॥ कामालिपूजामया
क.समवहूतथनियानक॥ पात्ररुविमयानसववलिमयूअविवलेकाटवूकू
उक्तथलपामथातकूकूकवन्दकुनयाकूग॥ ॥
रसम्वनरुजुथनुदन, कूपाया कूरुकवन्द कादायाविकिधि
याकूखेलनीअविवरुयाअम्पालखानितयाअतलेपजादाननया

२

॥ अ००० कथकूनउताचपूलिअताअधालअनउताचपूलिंदनगाजक
लमेसाधययाठाकापायाक्रमजिलथकधालउताचपूलिप्रसिक
धिकायलयाठामजिथहयश • लथकूरुनउताचपूयावेच
ननहाअअयाजिउदयक हनमकूअयापलसाअलाकित्वाल
यान्मिनसिंअवधगुक्तयाउयादसित्थवावथकूनलाकना

यवन्दकृता। क्रियायाकृगं विवाहालयागुधनन्द॥ उपाध्यायानवाहान
यात्रकपोति। क्रियाविधिप्रसक्तवन्दकृयविधिसवाकाउलिंमात्र॥ ॥
कृयनारुलिगुक्तथनपाभालइस लखकृगुक्तथलपामध्यापू ३
लखकृक्रियामत्रज्ञातथंहामविधिः यायमूलाचार्यसमलनीगुक्त
थलपाथकृश्यातसमस्तआसीदिलविपूज्ञात्रीगुज्ञाकिउरविय

मालसिकृक्तयतवकृशनखत्रवाहासंमूलथनपाधचसधनक॥ ॥
गवाइतिधनकाउवलिसक्तवविस्संदभवलिकृयलिथनकाउगुवा
हालमकृत्नपूसेवजयधजासंपू जारुलकनकंथसुपाइथजि
कंथंवासांलाकताथवदलिवर नस्यंदमजागुअनलिथनकाउअख
जालनस्यलखसेइतयनकृससिआजालंथापिग्वरदयकंपूजायाय

लिङ्गान्नघटसर्गवियलिकाङ्कश्रुयनाजसम्बन्धवर्ष १०६४ दांन्यक
 प्रश्नपथनदण्डसम्बन्धश्रुयसमयावक कडलासवजिक १ हिंसा
 पलागा ३३ खेजडा वनामधिया ४ मूचजाले (थवि हो जगुहान ४
 ससलगुम्भथलपामाल का क गथा सद्वा ॥ ॥ विवलका टखू
 विवि (थ विवलका ट कसलयसि ३३ कले कोमलीय जादणुसक

श्रुयसमयावक गधवकुथमिजलादिया त्रिमिनसि रूकवन्दक
 हायाकान विवलका टखू ३३ कथनपामाल ॥ लोकनाथ
 वदक हायाकान ३३ ॥ ३३ ॥



ॐ त का या पाथि मा ह न का या संग २७२ मा न सि त मु क प ल मा सि य त मा ह न का
ॐ या पा वि ७ इ न थ ५ । सं व न ७७ यो र व क ७१२ इ द रि, म न न रु ७ आ द य दा
ॐ न धि र ७ प र व ७ क स म्पा त वि । स मा भि स ग म्पा म रू द या ग रू या ग त र त
ॐ इ न, सै धि प न प नि थ य न ग ७ । ॐ मा न या गु ता ७ रु य ७ ग प नि, स
ॐ या क, म र व वा ७ हा या रू क्ता क न पू ज या ग ७ ॐ मा या गु ता मि त या ग
ॐ मि ता ने का या, रू त रू वा क्ता व त रू ७ ॐ मा या गु ता न न मि ता पू ज ग, म र व वा हा
ॐ के न क्म वा डा ॥ ॐ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

६१ सं २१० ११ वन म कु १९ गु वन रु ३ वृ ४ वा न ३ वा सा या रु व नान
 २ द आ म न ला या रा १ ५ स न का गु वा हा २ ० न म । निं नि ना वान
 ३ या ना ध क गु ना न द था पा वा व ज दि गु ना द या वा ग न न म का
 न न म सो गु गु ना द या म था पा वा मि ना प द ना ध क १ २ व
 ३ न द ७ स न ना नि स गु ना न द था पा वा मि वा ज दि ॥ ॥
 सं २१२ १ गु नि न द स मि ७ को द मि म ध न रु ३ गु वा न नि म स सो हा रु ३ ज न रु दि ॥
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

सं २१२ १ गु नि न द स मि ७ को द मि म ध न रु ३ गु वा न नि म स सो हा रु ३ ज न रु दि ॥
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

सर्वग २१३२। गुण के ११७५ दिवा नूला निबरा इया नूम
अ पि दयान न दा स्यात्तै वा मद् गवादा या पक्षादय गमा न
रव्या कोन र्व विमदान मरु अ क स हा का सं ना का
न, पसन के या वा वा वा दू

५ मङ्ग

१२ कृपा विप्रोपगम

१ गुरुसम्पत्तेर १४ मित्रेणाषगुदि १ स अंगवात्रथ ख दू वज्रधनस्वर्गशाद
नशआदि॥ ॥ मित्रेणाषकषु १ स वज्रधनदिपेग नश्याडाडाअत्रकपाधि
मकवाहालयाथनपालययास्त ०० कथकनयानमाह १ दं ४ दां गैः
गवगव १० थनिगलडादि॥ १ गुरुसम्पत्तेर १४ मित्रेणाषगुत्त १
२ सचकपालि गमकवाहालया आसंन वादि॥ आसंदेव पूजा धनमदनक
आत्रपाशकृजा लाकलजलहागुवि १५ विसदं लासर्चकाउअथनपानवि

यू. ग्वत्रसर्चअजिथनकिर्नविपू॥ २१ वज्रि रस्यं घासापाल वज्रिस्वानवजि
मासवज्रिधउजालवाकगुविलुअल धनिघासाकसूसियापेगुत्र पत्रमाय
खयपि हाकघासा मा १२ मात्र वा त्वनमरुयाडा अयलाकया हिंला
पेसासे ग्व गुवि होम वा दू वा के यगुवा लाग्व वापि खेजवाग्व कृडा
धनसाष नलमधिर्त्रगुत्र ६ हाडावाकमधि ६१ मोउ नूनालरआउकालि
कासिमिका किमला धनिजाल वज्रिवाक इइकनममत्रना ३ थना ३ सिंसा

१ वक्रपाणि यत्र पाल्या

रुलथलपानसद्योदं वियमात्रस्मृत्तं शायामात्रलथलपानं कात्रम्भकवाहास्या
थलपाल्ययाग्यावक्रपाणिनां स न वायायुगं ॥ समन्ते २५४ आवलीगुः
कृतकमिश्रामवात्रघटिरविदाः यटि ४ हागीवक्रपाणिनां कवाहाथ
त्रपाल्यादि ॥ ॥ क्रापां पदकृद् ३ गुक्तथानपा रूकवदहादाच्छय २
गारुषागुवाहावहिवायाविशानन्द उपाध्या नडाक्यात्रुविहर्ष वगाहर्षमा
नन्दगुक्तथानपाकृतकवदनाका आलन्दवजनकिंकी २ लानडां की १ थमि
वजिपुर घासागा ३

थलपात्रयखकृ क्रापांथन पाल्यकपिखात्रवसत्रस्मृत्तं कायजहृदालं सद्यक
वसगवकलसनाग्वप म्स्वगवजद्यधृकृशागा र्वासिवेउथपां की रूकवन्द
नयनिकिपुर आर्ष खदिलुचिनपूः जोर्जुगुवाधा कृयनिसनाडा दंद
कृनाकृनि विधिर्धैकर्मधर्षंलिव उमकृयनायजक काहामदयका
दसवउथसंलि दसजलाडाने क्रापांथन पाल्याकृकुणनकयकं गुक्तथल
पादसजनाडा कपिखालवसलस्वजालं नसं निघायां संथनपोट कीलसस्य

इकाय ॥ ॥ थनरुस को मालि पूजा आर्षि व २ को मानि पूजा अथ थन पा इपिं
मनव विवि विवि दिगु स क्रव नाक न गलि कृत्य क न २ को मानिया सिंधु आर्षि स
क्रव सों व जिप उ व जि कृत्य न मूसी पाल ला ॥ ॥ थन लि व ला थल पो
या कल न जा की क १ गप छि ला कल १ कल ना अ वि य थन कृत्य थन पा ध २
न मदन क ला वा न य गु वा हा इ र्क १ थन पा र्क २ न की क १ ला न अ की १ अ धा
१ ल क्रि वा वा धा थि ॥ ॥ थन ध वि स र्च ला स र्च का उ थ थल पा नो व य ग्व ल

स र्धन की निनी विय स्र स्र धा या न द ४ दा अय क मान थन पा इपिं न ख ज च की चि क
न विया थ पाल या क्र या रु धा या न अ या गु दी प दा स र्च दा वि य ॥ ॥ थन लि रु
वा न य वा १२ क चि वा ३ दा सा पाल वू जि म्वा वू ज माय वू ज ध उ अ स र्ज
ध उ दा सा क स्र सि या ख य पि पंगु नू प माय हा क दा सा वा क गु नि धे
प्र सा ख ल हि ला व ला ख ज वा ग्व क दा क प थ ना म हा म वा दू ला क गु ला ला
ग्व ला पि व ना म धि पा ३ य म धि अ गु व र हा उ वा क म धि द १ का का द का उ न

नीतयायमात्र ३

गात्रधउजालैकमत्रसिसावसाप्रवृत्ता ३धना ३गा ३उपाध्व वनागुक्कथापायाका
सगले॥ ॥थलिंगधवकुवजिकल १३सेद्यासागाटमालाहिलापैलागाठ
३खेजवकीर्तिदाहामवाइवाकगुत्रावनामधिपा ४काकादकाधेउजा
लैकमसिसावसाधना ३प्रवृत्ता ३कलखेधायरुकिजमाचिवजिप २ ४
नयाशवागुहाश्यामाचिवजिप २नयासर्धनलानम्राधक ६४ दां दपैकान
रुकवेदसक्तवगधवकुवाकृष्टिवा १वियो रुदकनकाच्योथना ३प्रवृत्ता ३

धलिलाकारुत्रसर्धप्रखनमगपागुक्कथापिग्व ३दद्यापा २पूजावचामाकादगुसक्त
लाकनगलिहोयंकनरलीपिचासक्तय॥ ॥थनलिजावागयजानावकलाहाम
लाइलाकाकादकाखेजकनटथयाहिलापैलागाठ ३कर्येलाहिलोकेम
उत्रतात्रप्रवृत्ता ३धना ३सिसावसात्रिहागखनअर्द्धलागवेउच्ययकेल
खेधाय॥ ॥थलिसखयलिपमोदिनद्विनिदयपउमा १६४गुखिगुहा
श्यागुखि ३धलपायासिद्धपालधना ३पामकलायस्वानकाकायप्रखसुद्धि॥

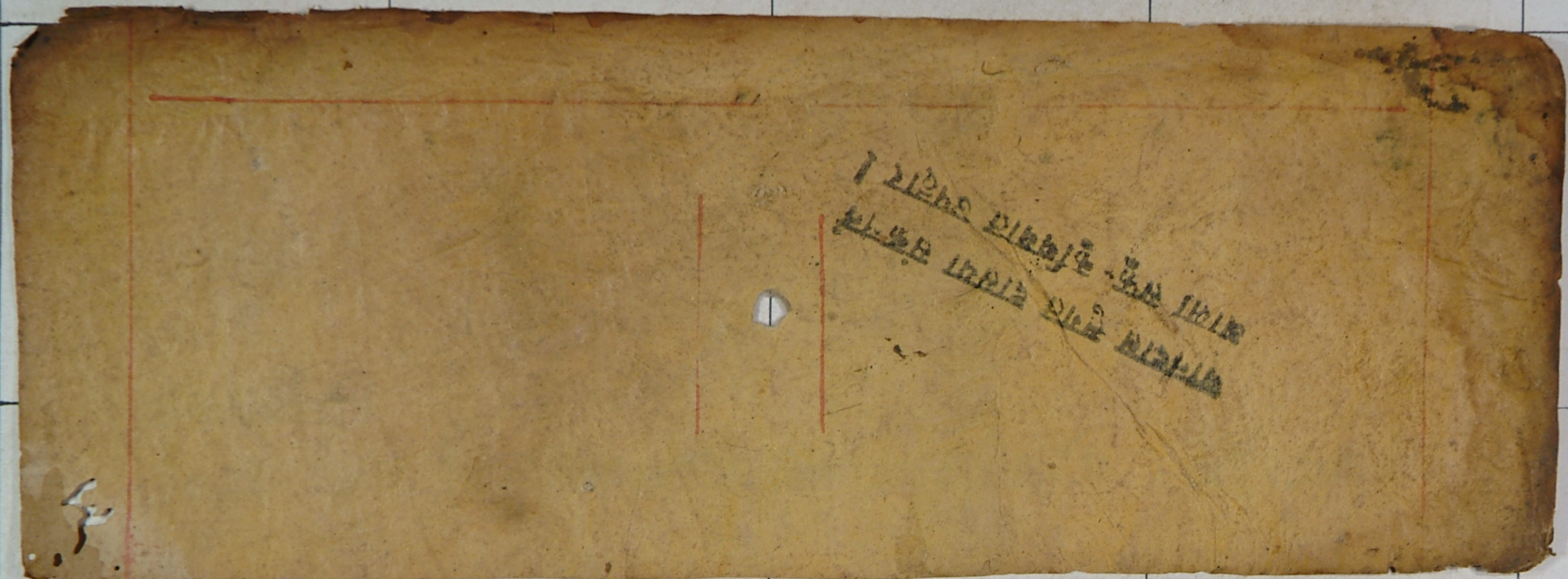
थनिष्ठाग्न्यक्रवाहायायीचक्रपाणिथलपाल्याग्ननैसमूडरुडयागंनानल्य
 मालमहामुनिश्याङ्गानथलपाशयमइमहामुनिश्याङ्गयदवानन्ददयक
 थजिक्मयमकनामइसमूडरुडयाङ्गयकजिक्मयक्रपाणिथलपा
 ल्याविधिमालकासंपूर्णनिविद्यसिधिलिपनसमालसाध्वन्यासंगयाश
 ल॥ ॥थसनिखूङ्गजहूचउधि ॐ कथंकरुयागस्वाध्यायसूकायुग्मल
 काचपूरकविगुलापाचं१स्वखिवाजंजुजिथपा१थनिर्वाणजनमाल॥ ॐ

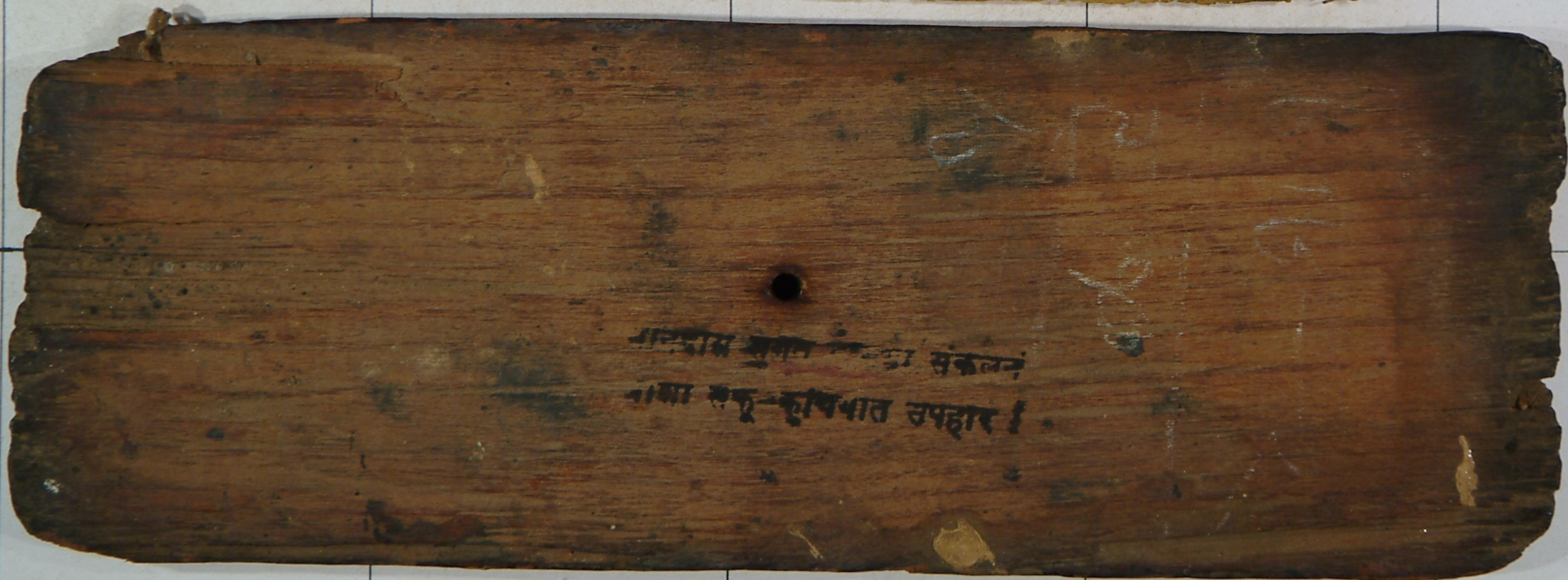
यथादिशुजमीया॥

सप्तमं२१० किमाग्निमिलगुक्क११ थवहिलियाकडुवजलकिनवासीरुसीखलपा
 रुजमोयागधलिदअयाकलक्कारुगवनिपाथथाकापनाळयादसीसयागमगु
 वाहापास्वावाहायाजनवज्वनापा ॥ वेखापानिआगमसपुजयसिआश
 लीपजायागथगुदी॥ ॥

क का य न या स न च्छा स न त या च उ कः कुं कां क यं न नं
कुं कां सो कं को न व ता व व से प ना प र्णा गी सा क का उ क
३ सो न ह से व ३ ७ ३

थ पा शा या वा स क र्ण थ पा ल या के का य मू र थ न र्णा का य म इ ॥ ॥ नू र्ण न वा या क क
मू थ पा का य ॥ ॥





संस्कृत-संग्रह-संकलनं
संस्कृत-संग्रह-संकलनं

